राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

03 राज्य में उर्वरक की कोई कमी नहीं, किसानों को निर्धारित दर पर समय पर मिलेगा खादः विजय

स्टार्टअप से यूनिकॉर्न तकः टोक्यो में पीयूष गोयल ने गिनाई भारत की कामयाबी, बोले- युवा अब 12

वर्ष : 14 | अंक : 138 | पटना, गुरूवार, 27 अगस्त, 2026 | विक्रम संवत् 2082 | पेज : 12 | मूल्य : 03.00 | www.pratahkiran.com

नेपाल के रसुवा में तिब्बत से आए पानी के सैलाब से मचा हाहाकार

नेपाल में जल सैलाब का कहर : बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 46 हुई

- 105 भारतीयों समेत करीब 500 लोग लापता 46 शव बरामद

प्रात : किरण

काठमांडू। नेपाल के रसुवा में बुधवार सुबह तिब्बत से आए पानी के सैलाब से हाहाकार मच गया है। मध्य नेपाल के कई जिले में अचानक आई भीषण बाढ़ की चपेट में आ गए जिससे कम से कम 46 लोगों की मौत हो गई तथा 105 भारतीयों समेत करीब 500 लोग लापता हैं।सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि बाढ़ प्रभावित इलाकों से अब तक 46 शव बरामद किए गए हैं।बागमती प्रांत पुलिस कार्यालय के प्रवक्ता राजेंद्र प्रसाद धमाला के अनुसार, चितवन जिले से 18, धादिंग से 16, नुवाकोट से 11 और रसुवा से एक शव बरामद किया गया है।अधिकारियों ने बताया कि स्थानीय समयानुसार सुबह करीब नौ बजे भोटे कोशी नदी में अचानक बाढ़ आने से तिब्बत की सीमा से लगे रसुवा और धादिंग जिले प्रभावित हुए। इसके बाद बाढ़ धादिंग, नुवाकोट और चितवन जिलों तक फैल गई तथा कम से कम चार स्थाई एवं कुछ अस्थाई पुल क्षतिग्रस्त हो गए।धमाला ने बताया कि प्रभावित इलाकों के विभिन्न हिस्सों से कम से कम 93 लोगों को बचाया गया है।

इनमें से 30 लोगों का काठमांडू के त्रिभुवन विश्वविद्यालय शिक्षण अस्पताल में इलाज किया जा रहा है।

लापता लोगों में कम से कम 105 भारतीय और 37 अप्रवासी भारतीय (एनआरआई) शामिल हैं। इनमें से अधिकतर तिब्बत में कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए जा रहे थे।

बाढ़ में 40 किमी सड़क और 22 पुल बहे

बाढ़ ने रसुवागढ़ी से लेकर धादिङ के गल्छी तक बड़े पैमाने पर तबाही मचाई है। इस इलाके में 40 किमी की पक्की सड़क बाढ़ की चपेट में आ गई है। इसी तरह बाढ़ में 22 पक्के पुल और पांच बेलीब्रिज बह गए हैं। सड़क विभाग के प्रवक्ता एवं उपमहानिदेशक शुभराज न्यौपाने के अनुसार, रसुवा, नुवाकोट और धादिङ के विभिन्न क्षेत्रों में 22 पक्के पुल तथा पांच बेलीब्रिज बाढ़ में बह गए हैं। उन्होंने बताया कि त्रिशूली, बेत्रावती, तादी खोला और गल्छी समेत विभिन्न स्थानों पर बने पक्के पुल बाढ़ की चपेट में आए हैं।

500 से अधिक कंटेनर बहे

काठमांडू। भीषण बाढ़ के नेपाल चीन सीमा पर नेपाल आने के लिए खड़े 500 से अधिक कंटेनर के बह जाने की खबर है। नेपाल हिमालय सीमापार वाणिज्य संघ के अनुसार रसुवा के टिमुरे स्थित कस्टम कार्यालय के यार्ड में रखे सैकड़ों कंटेनर बाढ़ में बह गए हैं।

28 पुलिसकर्मी लापता, सैन्य हेलीकॉप्टर रवाना

इस जल आपदा में रसुवा जिले में 19 पुलिसकर्मी लापता हो गए हैं। बागमती प्रदेश के पुलिस प्रमुख डीआईजी दीपक रेग्मी के अनुसार, रसुवागढ़ी पुलिस चौकी में तैनात 22 पुलिसकर्मियों में से केवल 9 से ही संपर्क हो पाया है।

पूरे इलाके में बिजली आपूर्ति ठप नेपाल विद्युत प्राधिकरण के विभिन्न विद्युत गृहों और प्रसारण संरचनाओं को भी नुकसान पहुंचा है। प्राधिकरण के अनुसार, बाढ़ के कारण रसुवा और आसपास के क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई है।

प्रधानंत्री मोदी ने बालेंद्र शाह से बात की, सहायता की पेशकश की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को नेपाल के अपने समकक्ष बालेंद्र शाह से बात की और वहां बाढ़ से हुई जान-माल की क्षति पर संवेदना व्यक्त की। साथ ही, उन्होंने कहा कि भारत पड़ोसी देश को हरसंभव मानवीय सहायता देने के लिए तैयार है। मोदी ने यह भी कहा कि भारत के लोग इस कठिन समय में नेपाल के अपने भाइयों और बहनों के साथ एकजुटता से खड़े हैं। मोदी ने ह्यएक्सह्न पर एक पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह से बात की और नेपाल में बाढ़ से हुई जान-माल की क्षति पर संवेदना व्यक्त की। इस मुश्किल समय में भारत के लोग नेपाल के अपने भाइयों और बहनों के साथ एकजुटता से खड़े हैं। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भारत नेपाल को हरसंभव मानवीय सहायता

फ्लैश फ्लड के खतरे से प्रदेश में अलर्ट, मुख्यमंत्री ने की अपात बैठक

संवेदनशील जिलों में पूरी तरह अलर्ट रहे प्रशासन : सम्राट

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बुधवार को लोक सेवक आवास स्थित संकल्प सभागार में नेपाल के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र में फ्लैश फ्लड की स्थिति तथा गंडक नदी में अचानक जलप्रवाह बढ़ने की संभावना को देखते हुए उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। मुख्यमंत्री ने बिहार के संबंधित जिलों में विशेष सतर्कता बरतने तथा सभी आवश्यक तैयारियां पूरी रखने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि नेपाल में विकसित हो रही स्थिति को देखते हुए बिहार में संभावित प्रभाव वाले क्षेत्रों पर लगातार नजर रखी जाए। विशेषकर गंडक नदी से जुड़े पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सारण, मुजफ्फरपुर एवं वैशाली सहित अन्य संवेदनशील जिलों में प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को पूरी तरह अलर्ट मोड में रहने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि नेपाल में बाढ़ के कारण आने वाले पानी की स्थिति पर लगातार नजर रखी जाए तथा संभावित प्रभावित एवं संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती जाए।

एवं बांधों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि सभी तटबंधों एवं बांधों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उनकी लगातार निगरानी की जाए। तटबंधों की मजबूती सुनिश्चित करने के साथ-साथ किसी भी कमजोर हिस्से पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई की जाए। उन्होंने बांधों एवं तटबंधों पर रात में भी विशेष नाइट पेट्रोलिंग कराने का निर्देश दिया।

आवश्यक सूचना एवं संभावित खतरे की चेतावनी दी जाए

मुख्यमंत्री ने कहा कि संवेदनशील एवं प्रभावित क्षेत्रों में स्थानीय प्रशासन द्वारा लाउडस्पीकर/माइक के माध्यम से लोगों को लगातार आवश्यक सूचना एवं संभावित खतरे की चेतावनी दी जाए ताकि समय रहते लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा सके। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए एनडीआरएफ एवं एसडीआरएफ की टीमें तैनात रखें। संबंधित जिला प्रशासन इन टीमों के साथ समन्वय स्थापित कर आवश्यकतानुसार तत्काल राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित करें।

स्थिति पर सतत निगरानी के निर्देश

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि स्थिति पर सतत निगरानी रखी जाए तथा प्रशासनिक एवं तकनीकी टीमें पूरी तरह सक्रिय रहें। किसी भी प्रतिकूल परिस्थिति में लोगों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होगी और राहत एवं बचाव कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।बैठक में मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, पुलिस महानिदेशक विनय कुमार, आपदा प्रबंधन विभाग के प्रधान सचिव संतोष कुमार मल्ल, मुख्यमंत्री के सचिव संजय कुमार सिंह, जल संसाधन विभाग के सचिव डॉ चन्द्रशेखर सिंह सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

तेलंगाना में एक बस के खड़े ट्रक से टकराने से छह लोगों की मौत

सूर्यापेट। तेलंगाना में सूर्यापेट ज़िले के कोडाड मंडल में बुधवार तड़के एक निजी बस के खड़े ट्रक से टकरा जाने से पांच महिलाओं समेत छह यात्रियों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए।पुलिस ने यह जानकारी दी है।

उन्होंने बताया कि यह हादसा तब हुआ जब बस हैदराबाद से आंध्र प्रदेश के एलुरु जा रही थी। बस में लगभग 42 यात्री सवार थे।पुलिस ने बताया कि सभी छह लोगों की मौत मौके पर ही हो गई, जबकि घायलों को इलाज के लिए पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

झारखंड नियुक्ति घोटाला: 12 लाख में बेची गई थीं सीडीपीओ के सामान्य वर्ग की सीटें

रांची। झारखंड में नियुक्ति परीक्षाओं में हुई धांधली की जांच कर रही सीआईडी के सामने मुख्य आरोपी अभय कुमार तिवारी के कबूलनामे से कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। तिवारी ने जांच एजेंसी को बताया है कि वर्ष 2026 में संपन्न हुई सीडीपीओ परीक्षा में सामान्य वर्ग की लगभग सभी सीटों पर दूसरे राज्यों के अभ्यर्थियों को पैसे लेकर नियुक्त कराने की सेटिंग की गई थी।आरोपी के बयान के अनुसार, इन नियुक्तियों के लिए परीक्षा संचालित करने वाली आउटसोर्सिंग एजेंसी टीएसआर डेटा प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड की ओर से प्रति अभ्यर्थी कम से कम 10 लाख रुपये का रेट तय किया गया था। अभय तिवारी टीडीपीएल में मार्केटिंग मैनेजर के पद पर काम कर चुका है। तिवारी के इस सनसनीखेज बयान के बाद सीआईडी ने अपनी जांच का दायरा बढ़ा दिया है।जांच एजेंसी अब यह पता लगाने में जुटी है कि सीडीपीओ भर्ती में कुल कितने अभ्यर्थियों से रकम ली गई, लेन-देन किन बिचौलियों के जरिए हुआ और परीक्षा व साक्षात्कार के किस चरण में हेरफेर किया गया। सीआईडी सूत्रों के मुताबिक, तिवारी ने जेपीएससी के तत्कालीन अध्यक्ष एल ख्यांग्ते और तत्कालीन सदस्य अजीता भट्टाचार्य की संलिप्तता का भी दावा किया है।

यूजीसी-नेट जून की अंतिम उत्तर कुंजी और परिणाम इसी सप्ताह होंगे जारी

नई दिल्ली। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यूजीसी-नेट के 84 विषयों की अंतिम उत्तर कुंजी और परिणाम इसी सप्ताह जारी करने जा रहा है। इसके साथ ही संयुक्त सीएसआईआर-नेट तथा आईसीएआर एआईईईए (पीजी) और एआईसीई (पीएचडी) 2026 की अंतिम उत्तर कुंजी और परिणाम भी इसी सप्ताह जारी किए जाएंगे। एनटीए ने 26 अगस्त को यह जानकारी साझा की।एजेंसी ने उम्मीदवारों से कहा है कि परिणाम और अंतिम उत्तर कुंजी से संबंधित जानकारी के लिए केवल एनटीए की आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करें। यूजीसी-नेट जून 2026 की प्रारंभिक उत्तर कुंजी पहले जारी की

राजस्व कर्मचारियों का पांच साल पर होगा जिला से बाहर स्थानांतरण

- एक जिले में अधिकतम पांच वर्ष तक ही तैनात होंगे राजस्व कर्मचारी
- विभाग ने किया बिहार राजस्व कर्मचारी पदस्थापना नीति 2026 लागू

प्रात : किरण

पटना। बिहार के विभिन्न जिलों में तैनात किए गए राजस्व कर्मचारी का स्थानांतरण प्रत्येक 5 साल पर जिले से बाहर किया जाएगा। इसके लिए राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने बिहार राजस्व कर्मचारी पद स्थापना नीति 2026 लागू कर दिया है। इसके तहत कोई भी राजस्व कर्मचारी एक जिले में अधिकम 5 वर्ष ही तैनात रहेंगे। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के मुताबिक राजस्व कर्मचारियों की स्थानांतरण को लेकर राज्य सरकार ने बिहार राजस्व कर्मचारी पदस्थापन नीति 2026 बनाया है। इसके तहत राजस्व कर्मचारी का एक जिलों में अब 5 वर्ष रहने का समय निर्धारित किया गया है। इसके बाद उनका स्थानांतरण दूसरे जिले में कर दिया जाएगा। इस नई नीति में स्थानांतरण के लिए पांच जिलों का विकल्प देने का प्रावधान बनाया गया है। ताकि राजस्व कर्मचारी अपनी पसंद का जिला चयन कर सकें।

बताया जाता है कि विशेष परिस्थिति में पर्यवेक्षी पदाधिकारी के अनुशंसा पर राजस्व कर्मचारी का कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है। वहीं राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग द्वारा कार्य अवधि में समय पूरा होने से पूर्व भी राजस्व कर्मचारियों का स्थानांतरण किया जा सकता है। प्रशासनिक आधार पर होने वाले तबादले इस प्रधान से अलग रखे गए हैं। विभाग द्वारा राजस्व कर्मचारियों के स्थानांतरण में एकरूपता और पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से इस नई नीति को बनाया गया है।

त्योहारों पर बढ़ती महंगाई से आम आदमी की रसोई का बजट बिगड़ा : खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने देश में बढ़ती महंगाई को लेकर भारतीय जनता पार्टी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा ध्यान भटकाने वाले स्टंट और बेतुकी बातों में लोगों को उलझाकर अपनी करतूतों पर पर्दा डालना चाहती है लेकिन कांग्रेस और जनता महंगाई के मुद्दे पर सवाल पूछती रहेगी। श्री खरगे ने त्योहारों के बीच आम आदमी की रसोई पर पड़ रहे महंगाई के असर का जिक्र करते हुए कहा कि प्याज के दाम एक साल में 59 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं और कई शहरों में यह 50 से 60 रुपये प्रति किलो बिक रहा है।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के लक्ष्य पर तेजी से काम करें : मुख्यमंत्री

- मुख्यमंत्री ने बिहार गति अन्तर्गत महत्वपूर्ण परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की
- जीविका दीदियों के माध्यम से 25 लाख सोलराइजेशन के लक्ष्य को पूर्ण करें
- प्रत्येक जिला मुख्यालय में साइंस सिटी के निर्माण की दिशा में तेजी से कार्य करने का निर्देश

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बुधवार को लोक सेवक आवास स्थित संकल्प सभागार में बिहार गति के अन्तर्गत महत्वपूर्ण परियोजनाओं की समीक्षा की। इस दौरान राज्य में क्रियान्वित 100 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं एवं केन्द्र प्रायोजित योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गयी। ह्यबिहार गतिह्न के अंतर्गत चिन्हित परियोजनाओं की समीक्षा बैठक में भवन निर्माण, ऊर्जा, खेल विभाग तथा जीविका से जुड़ी महत्त्वपूर्ण योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने, कार्यों की नियमित निगरानी करने तथा निर्धारित समय-सीमा में परियोजनाओं को पूर्ण करने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी परियोजनाओं को गुणवत्तापूर्ण ढंग से निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए तथा प्रगति में आने वाली बाधाओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि बिहार में विकास की गति को और बढ़ाना है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में राज्य के विद्यार्थियों और युवाओं को आधुनिक वैज्ञानिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रत्येक जिला मुख्यालय में साइंस सिटी के निर्माण की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करें। विज्ञान एवं तकनीक के प्रति विद्यार्थियों में रुचि विकसित करने के साथ-साथ उन्हें प्रयोगात्मक एवं आधुनिक ज्ञान से जोड़ें। राज्य खेल अकादमी एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के आधुनिक क्रिकेट स्टेडियम, राजगीर के बचे हुये निर्माण कार्य में तेजी लायें तथा निर्माण कार्य को गुणवत्तापूर्ण तरीके से निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण करें। मुख्यमंत्री ने बिजली व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने तथा उपभोक्ताओं की समस्याओं के त्वरित समाधान पर विशेष जोर दिया। लोगों की समस्याओं को स्थानीय स्तर पर सुनें और उनका समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने विद्युत संबंधी कार्यों की नियमित समीक्षा तथा क्षेत्र में चल रहे कार्यों का निरीक्षण सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया।जीविका दीदियों के माध्यम से 25 लाख सोलराइजेशन के लक्ष्य को पूर्ण करें मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के लक्ष्य पर तेजी से काम करें। जीविका दीदियों के माध्यम से 25 लाख सोलराइजेशन के लक्ष्य को पूर्ण करें। सौर ऊर्जा के क्षेत्र में महिलाओं, विशेषकर जीविका दीदियों को जोड़ें। सोलर पंप सहित सौर ऊर्जा आधारित योजनाओं का लाभ किसानों एवं ग्रामीण परिवारों तक पहुंचाने के लिए आवश्यक कार्रवाई करें। जीविका से संबंधित योजनाओं की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने जीविका दीदियों के कार्य क्षेत्र के विस्तार को लेकर भी निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास योजनाओं का लाभ आम लोगों तक पहुंचाने में किसी प्रकार की शिथिलता नहीं होनी चाहिए। योजनाओं की गुणवत्ता, समयबद्धता और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें।

गंडक नदी में आने वाली संभावित बाढ़ को लेकर जल संसाधन विभाग अलर्ट

प्रात : किरण

पटना। तिब्बत प्रभाग में बुधवार की सुबह बादल के फटने के कारण भोटे-कोशी नदी, जो तिब्बत में उद्गमित होकर नेपाल स्थित त्रिशूली नदी में मिल जाती है, में लगभग 3 मीटर का सैलाब प्रवाहित हो रहा है। नेपाल से होकर आने वाले पानी का सैलाब से गंडक नदी में अचानक जल स्तर बढ़ने की संभावना है। इसको देखते हुए जल संसाधन विभाग ने अलर्ट घोषित कर दिया है। विदित हो कि तिब्बत प्रभाग में बुधवार की सुबह बादल फटने के कारण नेपाल में पानी का सैलाब आने से भारी क्षति हुई है।

नेपाल में तबाही मचाने के बाद उस पानी के गंडक नदी में आने की संभावना है। जल संसाधन विभाग द्वारा इस घटना पर त्वरित सतर्कता बरतते हुए वाल्मीकिनगर स्थित गंडक बराज के सभी गेटों (36 गेट) को खोला गया है और गंडक बराज पर मुख्यालय स्तर से अधीक्षण अभियंता के नेतृत्व में एक तकनीकी दल को भेजा गया है।

एक राष्ट्र, एक चुनाव समय की जरूरत है : शिवराज सिंह चौहान

प्रात : किरण

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम के उस बयान पर प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्होंने कहा था कि एक राष्ट्र, एक चुनाव असंवैधानिक है और कांग्रेस का जमीर इसे लागू करने की इजाजत नहीं देता है।केंद्रीय मंत्री ने बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि आखिर आप किस जमीर की बात कर रहे हैं। एक राष्ट्र एक चुनाव 1952 , 1957, 1962 में हुए। इसके बाद कांग्रेस ने असंवैधानिक तरीके से सरकारों को गिराने की कोशिश की। इसके बाद यह व्यवस्था बिगड़ी। 1983 में विधि आयोग ने कहा था कि एक साथ लोकसभा और विधानसभा का चुनाव एक साथ होना जरूरी है। चुनाव आयोग खुद इस बात को कह रहा है। 1918 में फिर से विधि आयोग ने यह बात कही। आखिर यह सब कुछ असंवैधानिक कहां से हो गया? पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने इस संबंध में देश भर के चिंतकों से चर्चा की।

बिहार की बहनें बदलेंगी बिहार की तकदीर, आत्मनिर्भर महिलाओं से बनेगा समृद्ध बिहार : मुख्यमंत्री

पुलिस दीदी (अभया ब्रिगेड) महिला पुलिसकर्मियों के लिए 4,700 स्कूटर एवं मोटरसाइकिल का लोकार्पण एवं फ्लैग ऑफ

- महिलाओं को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने का अभियान जारी रहेगा

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रक्षाबंधन के पावन अवसर पर बिहार की बेटियों और बहनों के सम्मान, सुरक्षा, शिक्षा, सशक्तिकरण एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में आज तीन महत्वपूर्ण योजनाओं की शुरूआत की। पटना के ज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पुलिस दीदी के लिए 4,700 दोपहिया वाहनों का लोकार्पण एवं फ्लैग ऑफ किया। इस अवसर पर पुलिस दीदी (अभया ब्रिगेड) की महिला पुलिसकर्मियों ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को राखी बांधी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अवसर बेटियों और बहनों की सुरक्षा एवं सम्मान के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

मुख्यमंत्री बालिका पीएचडी फेलोशिप का शुभारंभ

इस अवसर पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मुख्यमंत्री बालिका पीएचडी फेलोशिप का शुभारंभ किया। इसके तहत लगभग 1,000 छात्राओं को चार वर्षों तक 10,000 रुपए प्रतिमाह की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि बेटियों को उच्च शिक्षा और शोध के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने बिहार की बेटी स्टार्टअप चैलेंज योजना का भी शुभारंभ किया। इसके अंतर्गत महिला उद्यमियों को अपने नवाचार एवं उद्यम को आगे बढ़ाने के लिए 50,000 रुपए से 2 लाख रुपए तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। 2100 महिलाओं को इसका लाभ मिलेगा। इससे बेटियों में उद्यमिता, नवाचार और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज बिहार की अर्थव्यवस्था में जीविका दीदियाँ 1.36 लाख करोड़ रुपए का

योगदान कर रही हैं। राज्य की 43 लाख जीविका दीदियाँ लखपति दीदी बन चुकी हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि आने वाले वर्षों में एक करोड़ और जीविका दीदियों को लखपति दीदी बनाया जाए। उन्होंने कहा कि पशुपालन सहित विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने का अभियान जारी रहेगा। सरकार का लक्ष्य एक करोड़ महिलाओं को जीविका, दुग्ध उत्पादन एवं पशुपालन आदि रोजगार से जोड़ना है।

आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं की उन्नति ही बिहार की प्रगति है। बेटियों और बहनों की सुरक्षा, सम्मान, शिक्षा और आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। सरकार महिलाओं को सुरक्षित एवं सक्षम वातावरण उपलब्ध कराने तथा उन्हें विकास की मुख्यधारा में और अधिक मजबूती से जोड़ने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि बिहार की बेटियों को आगे बढ़ने के लिए बेहतर अवसर देना केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी है। सरकार की इन पहलों से बेटियों को सुरक्षा के साथ-साथ उच्च शिक्षा, शोध, नवाचार और उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने का नया अवसर मिलेगा।इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, उपमुख्यमंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव, उच्च शिक्षा एवं विधि मंत्री संजय सिंह टाइगर, शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, गृह विभाग के प्रधान सचिव पंकज कुमार, पुलिस महानिदेशक विनय कुमार, शिक्षा विभाग के सचिव राजीव रौशन, मुख्यमंत्री के सचिव संजय कुमार सिंह, विधि व्यवस्था एवं कमजोर वर्ग की एडीजी केएस अनुपम, जिलाधिकारी कुंदन कुमार, वरीय पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय के शर्मा सहित गृह विभाग, उच्च शिक्षा विभाग और शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारीगण और बड़ी संख्या में पुलिस दीदियां उपस्थित थी।

22 हजार फीट से छलांग, माइनस 15 डिग्री तापमान पर किया पैराशूट सिस्टम का सफल परीक्षण

- भारत ने अत्यधिक ऊंचाई वाले इलाकों में सैनिकों की पैराशूट क्षमता बड़ी सफलता हासिल की

प्रात : किरण

नई दिल्ली। भारत ने अत्यधिक ऊंचाई वाले इलाकों में सैनिकों की पैराशूट क्षमता बड़ी सफलता हासिल की है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन यानी डीआरडीओ की आगरा स्थित एडीआरडीई द्वारा डिजाइन और विकसित मिलिट्री कॉम्बैट पैराशूट सिस्टम का दुनिया के सबसे ऊंचे ड्रॉप जोन में शामिल न्योमा के मुध ड्रॉप जोन में सफल परीक्षण किया गया।

इस परीक्षण के दौरान एडीआरडीई के प्रशिक्षित परीक्षण जम्परों ने करीब 22,000 फीट की ऊंचाई से छलांग लगाई। यही नहीं इस ऊंचाई पर तापमान करीब माइनस 15 डिग्री सेल्सियस था। इतनी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद पैराशूट प्रणाली और उससे जुड़े सभी स्वदेशी उप-तंत्रों का सफलतापूर्वक इस्तेमाल किया गया। परीक्षण के दौरान एडीआरडीई के मुख्य परीक्षण जम्पर विंग कमांडर राहुल झा, एमडब्ल्यूओ आर. जे. सिंह, वीएम (जी) और एमडब्ल्यूओ विवेक तिवारी ने 22,000 फीट की ऊंचाई से यह छलांग लगाई।

डीआरडीओ के अनुसार जंप के दौरान एमसीपीएस को 20,000 फीट की ऊंचाई पर सफलतापूर्वक खोला गया। इसके बाद परीक्षण जम्परों ने नियंत्रित तरीके से नीचे उतरते हुए 13,700 फीट की ऊंचाई पर सुरक्षित लैंडिंग की। इस परीक्षण की खास बात यह रही कि यहां केवल पैराशूट ही नहीं, बल्कि इससे जुड़े अन्य महत्वपूर्ण उपकरणों का भी इस्तेमाल किया गया। इनमें स्वदेशी पैरा कंप्यूटर, ऑक्सीजन प्रणाली और विशेष जंपसूट भी शामिल थे। यह पूरा सिस्टम अत्यधिक ऊंचाई पर भी भरोसेमंद साबित हुआ है।

परीक्षण ने यह साबित किया कि एमसीपीएस बेहद कम तापमान और अत्यधिक ऊंचाई जैसी कठिन परिस्थितियों में भी प्रभावी ढंग से काम कर सकता है। परीक्षण के सफल परिणाम से इसकी विश्वसनीयता, प्रभावशीलता और सामरिक उपयोगिता की पुष्टि हुई है।

गौरतलब है कि उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों में सैन्य अभियानों के दौरान सैनिकों और आवश्यक संसाधनों की तेजी से तैनाती बेहद महत्वपूर्ण होती है। ऐसे में यह स्वदेशी सैन्य कॉम्बैट पैराशूट प्रणाली महत्वपूर्ण है।

संक्षिप्त खबरें

तुहा में आंगनबाड़ी कर्मचारी यूनियन का छठा जिला सम्मेलन संपन्न, रेखा कुमारी बनीं पटना जिलाध्यक्ष

फतुहा। राधा कृष्ण हॉल में बिहार राज्य आंगनबाड़ी कर्मचारी यूनियन का छठा जिला सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें सर्वसम्मति से अलावलपुर की सेविका रेखा कुमारी को पटना जिला अध्यक्ष, खुसरूपुर की पूनम कुमारी को कोषाध्यक्ष तथा बिहटा की बेबी कुमारी को महासचिव चुना गया। सम्मेलन में 11 सदस्यीय जिला कमेटी का भी गठन किया गया। इस दौरान सेविकाओं और सहायिकाओं को एकजुट करते हुए समान काम के बदले समान वेतन, सरकारी कर्मचारी का दर्जा देने तथा बाजार भाव के अनुरूप वाउचर दर निर्धारित करने समेत विभिन्न मांगें प्रमुखता से उठाई गईं। यूनियन के राज्य महासचिव कुमार बिंदेश्वर सिंह ने कहा कि संगठन की 15 सूत्री मांगों को लेकर आगामी 19 और 20 सितंबर को पटना के विद्यापति भवन में राज्य सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सम्मेलन के बाद मांगों को लेकर आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

एलपीजी का नया कनेक्शन नहीं मिलने से आवेदक परेशान

दनियावां। ईरान-अमेरिका संघर्ष के बीच उत्पन्न हुई एलपीजी गैस की किल्लत का असर अब भी उपभोक्ताओं पर पड़ रहा है। गैस आपूर्ति को लेकर उत्पन्न संकट के बाद नए एलपीजी कनेक्शन जारी करने पर लगाई गई रोक अब तक नहीं हटाई गई है, जिससे नया कनेक्शन लेने के लिए आवेदन करने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दनियावां स्थित विमला भारत ग्रामीण वितरक के सूत्रों के अनुसार, नए गैस कनेक्शन जारी करने पर लगी रोक अभी भी जारी है। इसके कारण आवेदन करने वाले लोगों को कनेक्शन मिलने का इंतजार करना पड़ रहा है। गौरतलब है कि ईरान-अमेरिका संघर्ष के दौरान पश्चिम एशिया से एलपीजी की आपूर्ति प्रभावित होने के कारण देश के कई हिस्सों में गैस की उपलब्धता को लेकर संकट उत्पन्न हुआ था। उस दौरान सरकार ने एलपीजी की आपूर्ति सुचारू बनाए रखने तथा जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए कई कदम उठाए थे। स्थानीय लोगों का कहना है कि स्थिति में सुधार के बावजूद नए कनेक्शन पर रोक जारी रहने से पहली बार गैस कनेक्शन लेने वाले परिवारों को परेशानी हो रही है। लोगों ने संबंधित विभाग और तेल कंपनी से जल्द से जल्द नए एलपीजी कनेक्शन पर लगी रोक हटाने की मांग की है।

अगस्त क्रांति के शहीदों को शिवम स्कूल के बच्चों ने किया नमन

बिक्रम। अगस्त क्रांति माह को लेकर बुधवार को प्रखंड के बाराह गाँव स्थित शिवम स्कूल के दर्जनों छात्र-छात्राओं ने स्कूल के निदेशक मंटू शर्मा के नेतृत्व में बिक्रम शहीद स्मारक पहुंचकर देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीदों को माल्यार्पण करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की.मौके पर छात्र-छात्राओं ने पालीगंज डीएसपी-2 पंकज कुमार शर्मा से मुलाकात की. डीएसपी ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उन्हें पढ़ाई, अनुशासन और मेहनत के साथ अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी. उन्होंने छात्रों को भविष्य में सफलता हासिल करने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन और सफलता के गुर बताए. वहीं निदेशक मंटू शर्मा ने डीएसपी पंकज कुमार शर्मा को अंगवस्त्र एवं प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया. वहीं, बीस सूत्री अध्यक्ष मोंटी ने भी छात्र-छात्राओं को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया. मौके पर छात्र-छात्राओं में मोनिका कुमारी, हर्षिता कुमारी, श्रेया कुमारी, क्षवि कुमारी, प्रिया राज, निधि कुमारी, अंश कुमार, उत्सव कुमार, प्रिंस कुमार, युवराज कुमार और हर्ष कुमार सहित अन्य विद्यार्थी मौजूद थे.

इनर व्हील क्लब ऑफ पटना ने मनाया 26वाँ अधिष्ठापन समारोह, सत्र 2026-27 के नए सदस्यों ने सम्भाला कार्यभार

पटना :- गोपाल विद्यार्थी. इनर व्हील क्लब ऑफ पटना, डिस्ट्रिक्ट 325 द्वारा बुधवार को जिले के होटल चाणक्य में 26वाँ अधिष्ठापन समारोह मनाया गया. मौके पर क्लब की जिला चेयरमैन प्रियंका कुमार का आधिकारिक दौरा हुआ। समारोह के साथ क्लब के 2026झ27 कार्यकाल की नई टीम ने कार्यभार संभाला।
अंजू गुप्ता ने अध्यक्ष, डॉ. माला सिंह ने सचिव तथा अंतरा मित्रा ने क्लब एडिटर के रूप में कार्यभार ग्रहण किया।
इस दौरान उन्हें क्लब की गतिविधियों, सेवा परियोजनाओं एवं उपलब्धियों को प्रभावी ढंग से दस्तावेजित और जन-जन तक पहुँचाने की जिम्मेदारी सौंपी गई।

बिहार की संस्कृति और परंपरा को समर्पित रहा भव्य हरियाली महोत्सव एवं सावन सम्मान समारोह

कार्यक्रम में मधुबनी, भागलपुरी सिल्क एवं खादी के पारंपरिक परिधानों की विशेष प्रस्तुति आकर्षण का केंद्र रही

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। राजधानी पटना मे बिहार की समृद्ध संस्कृति, परंपरा, पारंपरिक पहनावे और पर्यावरण संरक्षण के संदेश को समर्पित भव्य हरियाली महोत्सव एवं सावन सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में परंपरा एवं पोशाक थीम के तहत बिहार की पारंपरिक पहचान को खूबसूरती से प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में मधुबनी, भागलपुरी सिल्क एवं खादी के पारंपरिक परिधानों की विशेष प्रस्तुति आकर्षण का केंद्र रही।समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मेयर पटना सिता शाहु ,डॉ. सत्यजीत सिंह, मिसेज बिहार ऐश्वर्या राज , मौसम शर्मा, रवि कुमार सिंह,पूजा सिंह ,प्रियतेश आनंद, नीरज कुमार,दीपक कुमार, निहाल सिन्हा, प्रियंका , मनीष कुमार, डॉ. अनामिका, दीपिका आनंद,नीतू सिन्हा, अनिल कुमार सहित कई गणमान्य एवं प्रतिष्ठित लोगों ने कार्यक्रम में शिरकत की।

कार्यक्रम की आयोजक एवं विहार विजन फाउंडेशन की संस्थापिका सोनी तिवारी ने कहा कि हमारा प्रयास है कि बिहार की बेटियां और महिलाएं आधुनिक फैशन के साथ-साथ अपने पारंपरिक पहनावे को भी गर्व के साथ अपनाएं।समारोह के दौरान बिहार की 10 से अधिक प्रतिष्ठित संस्थाओं को सम्मानित भी किया गया। आयोजन को सफल बनाने में मौर्या विहार, व्हाइट टाइगर होम्स, आस्थानु बिल्डिकॉन, रघुपति फाइनेंशियल सर्विसेज, एडुकैमी, फैबओ, रुबन मेमोरियल हॉस्पिटल, ए यू बैंक, सोनको, लंदन बेकरी एवं सुधा सहित कई प्रतिष्ठित संस्थाओं का सहयोग रहा।

बीपी मंडल जयंती पर सामाजिक न्याय और चेतना को लेकर विचार-गोष्ठी सह बैठक संपन्न

प्रातः किरण संवाददाता

पटनाः श्री कृष्ण विकास परिषद, बिहार एवं सामाजिक न्याय चेतना अभियान के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को बी.पी. मंडल साहब की जयंती के अवसर पर सामाजिक न्याय, समानता एवं वंचित वर्गों के अधिकारों को लेकर एक महत्वपूर्ण विचार-गोष्ठी सह बैठक का आयोजन दरोगा प्रसाद राय स्मारक भवन, दरोगा प्रसाद राय पथ, पटना में किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व जिला न्यायाधीश भरत प्रसाद यादव ने की तथा संचालन जवाहर यादव निराला ने किया।

गोष्ठी को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि बी.पी. मंडल सामाजिक न्याय के महान योद्धा और पिछड़े, शोषित एवं वंचित समाज के अधिकारों के प्रबल पक्षधर थे। मंडल आयोग की सिफारिशों ने देश में सामाजिक एवं शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों को उनका संवैधानिक अधिकार और प्रतिनिधित्व दिलाने की दिशा में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। आज के दौर में उनके विचारों और सामाजिक न्याय के संघर्ष को आगे बढ़ाने की आवश्यकता है।

वक्ताओं ने कहा कि सामाजिक न्याय का वास्तविक उद्देश्य समाज के सभी वर्गों को समान अवसर, शिक्षा, रोजगार, सम्मान और सत्ता एवं प्रशासन में उचित भागीदारी सुनिश्चित करना है। इसके लिए समाज में जागरूकता, वैचारिक संवाद और संगठित प्रयास को मजबूत करना जरूरी है।

बैठक में श्री के.के. कर्ण, पूर्व महाप्रबंधक, इंडियन बैंक, एडवोकेट राहुल यादव, बिपिन कुमार यादव, एडवोकेट मंतोष कुमार, श्री शशि भूषण कुमार, समाजसेवी सहित दर्जनों सामाजिक कार्यकताओं एवं बुद्धिजीवियों ने भाग लिया।

बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से सामाजिक न्याय के मुद्दों पर एक व्यापक विचार-गोष्ठी सह चिंतन शिविर आयोजित करने का निर्णय लिया। प्रस्तावित चिंतन शिविर में सामाजिक न्याय, जातिगत एवं सामाजिक जनगणना, शिक्षा, रोजगार, आर्थिक एवं राजनीतिक प्रतिनिधित्व तथा पिछड़े एवं वंचित वर्गों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक चर्चा की जाएगी।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि प्रस्तावित विचार-गोष्ठी सह चिंतन शिविर की तिथि, स्थान एवं विस्तृत कार्यक्रम की घोषणा आपसी विचार-विमर्श के बाद की जाएगी। इसका उद्देश्य सामाजिक न्याय से जुड़े विभिन्न संगठनों, बुद्धिजीवियों, सामाजिक कार्यकताओं एवं युवाओं को एक साझा मंच पर लाकर सार्थक वैचारिक संवाद को आगे बढ़ाना है।

प्रतिभा पलायन भारत की सबसे बड़ी चुनौती : ओम

पटना। अन्तर्राष्ट्रीय साहित्य सारथी के सौजन्य से ब्रेन ड्रेन एक गंभीर चुनौती विषय पर बुधवार को यशोदा भवन,पटना में आयोजित परिसंवाद कार्यक्रम के मुख्य वक्ता ओम नमः शिवाय सिंह,अधिवक्ता-सह-शिक्षाविद् ने कहा कि- आज देश के प्रतिभा संपन्न लोग अपनी उच्च अकादमिक शिक्षा,शोध,रोजगार, आकर्षक वेतन एवं उन्नत जीवन-शैली की खोज में दूसरे देशों में पलायन कर रहे हैं और इस स्थानांतरण व प्रवजन का मुख्य कारण देश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं शोध संस्थानों का अभाव, रोजगार का सीमित अवसर, योग्यता के अनुरूप सेवा के अवसर का अभाव तथा प्रशासनिक जटिलता व सामाजिक सुरक्षा का घोर अभाव है। नतीजतन अपरिमित मात्रा में भारतीय विशेषज्ञता का लाभ दूसरे देशों को मिल रहा है। श्री ने कहा कि संप्रति, 1.79 मिलियन से अधिक भारतीय विदेशों में निवास कर रहे हैं तथा गत एक दशक के अंदर 25 लाख से अधिक लोगों ने देश की नागरिकता छोड़ी है। अस्तु, प्रत्येक वर्ष औसतन 2 लाख से अधिक लोग देश की नागरिकता का परित्याग कर रहे हैं जो वाकई में एक गंभीर चिंता का विषय है। यद्यपि इस बात से भी नकारा नहीं जा सकता की प्रतिभा पलायन से भारत को प्रति वर्ष 70 अरब डॉलर रेमिटेंस प्राप्त होता है जो सकल घरेलू उत्पाद का 3.5% है तथापि भारत को आत्मनिर्भर एवं विश्व गुरु बनाने के लिए अपने प्रबुद्ध मानव संसाधान के पलायन को रोकना होगा।

श्री सिंह ने कहा कि ऐसी स्थिति में सरकार को चाहिए कि वह प्रतिभा पलायन के मूलभूत कारणों तथा युवाओं की क्षमता व कार्य कुशलता की पहचान कर उनके लिए अपने देश में अधिकाधिक रोजगार के अवसर सृजित करें, उन्हें योग्यतानुकूल सेवा का अवसर व सम्मानजनक प्रतिस्पर्धी वेतन दें एवं शैक्षणिक संस्थानों में आमूल-चूल परिवर्तन कर युवाओं में स्टार्टअप, नवाचार एवं उद्यमिता की भावना विकसित करें।

युवाओं के समस्याओं को गम्भीरता से ले सरकार : प्रेम कुमार

प्रात : किरण संवाददाता

पटना- बिहार में बीपीएससी एवं टी आर 4 को लेकर आंदोलनरत छात्र-युवाओं और अभ्यर्थियों की न्यायपूर्ण मांगों के समर्थन में प्रेम यूथ फाउंडेशन के संस्थापक गांधीवादी प्रेम जी ने कहा कि राज्य सरकार की गलत नीतियों, भर्ती प्रक्रियाओं में लगातार हो रही देरी और स्पष्टता , पेपर लीक , युवाओ के लिए ठोस नीति के अभाव के कारण आज बिहार का युवा अपने भविष्य को लेकर सड़कों पर उतरने को मजबूर है। रोजगार, शिक्षक भर्ती एवं प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर सरकार की उदासीनता युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ है।

उन्होंने कहा कि बीपीएससी एवं टी आर 4 को लेकर अभ्यर्थियों का आंदोलन केवल किसी एक परीक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह बिहार की पूरी भर्ती व्यवस्था में व्याप्त अनिश्चितता, देरी और पारदर्शिता की कमी के खिलाफ छात्र-युवाओं का आक्रोश है। टी आर 4 अभ्यर्थी परीक्षा प्रक्रिया में स्पष्टता, भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता, परीक्षा से जुड़े नियमों पर स्पष्ट निर्णय तथा अभ्यर्थियों की न्यायपूर्ण मांगों के समाधान की मांग कर रहे हैं। उन्होंने ने सरकार को चेताते हुये कहा कि आज बिहार का युवा केवल आश्वासन नहीं, बल्कि समय पर परीक्षा, निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया, समयबद्ध परिणाम और निश्चित नियुक्ति चाहता है। विभिन्न भर्ती प्रक्रियाओं में लगातार हो रही देरी के कारण हजारों युवा वर्षों से नियुक्ति की प्रतीक्षा कर रहे हैं। सरकार को भर्ती प्रक्रियाओं को अनावश्यक रूप से लंबित रखने की अपनी कार्यशैली पर रोक लगानी चाहिए।उन्होंने कहा कि आंदोलनरत अभ्यर्थियों की आवाज को केवल कानून-व्यवस्था का विषय मानने के बजाय सरकार को उनकी वास्तविक समस्याओं और भविष्य की चिंता को समझना चाहिए। छात्र-युवाओं के प्रतिनिधियों के साथ तत्काल संवाद स्थापित कर बीपीएससी एवं टी आर 4 से जुड़े सभी लंबित एवं विवादित मुद्दों का स्पष्ट, न्यायपूर्ण और सकारात्मक समाधान किया जाना चाहिए।उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि बिहार के युवाओं के धैर्य की परीक्षा लेना बंद करे सरकार। रोजगार और भर्ती के मुद्दे पर सरकार को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। छात्र-युवाओं के भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ स्वीकार नहीं किया जाएगा। यदि सरकार ने समय रहते अभ्यर्थियों की न्यायपूर्ण मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया, तो छात्र-युवा समाज लोकतांत्रिक तरीके से अपने आंदोलन को और व्यापक बनाने के लिए बाध्य होगा।

घर में घुसकर गाली-गलौज और मारपीट का आरोप, महिला ने की पुलिस से शिकायत

फतुहा। थाना क्षेत्र के भिखुआ गांव में घर में घुसकर गाली-गलौज एवं मारपीट करने का मामला सामने आया है। इस संबंध में राम मितर देवी, पति रंजीत सिंह, ने फतुहा थाने में आवेदन देकर प्रमोद सिंह, अनूप सिंह, राहुल कुमार, सरस्वती देवी एवं सविता देवी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। आवेदन के अनुसार, 25 अगस्त 2026 की रात करीब 11 बजे सभी आरोपी कथित रूप से उनके घर में घुस आए और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर उनके साथ मारपीट की गई। आरोप है कि बीच-बचाव करने पहुंचे उनके बेटे शिवजी के साथ भी लाठी-डंडे से मारपीट की गई। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि प्रमोद सिंह ने उनका हाथ जबरन ऐंठ दिया, जिससे उंगली में गंभीर दर्द और सूजन हो गई। आवेदन में उन्होंने आरोप लगाया है कि प्रमोद सिंह आए दिन नशे की हालत में गाली-गलौज करता है और विरोध करने पर मारपीट करता है।

अहमदाबाद-पटना एक्सप्रेस में 2ए एवं 3ए का 01-01 अतिरिक्त कोच का संयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

हाजीपुर। यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर अहमदाबाद और पटना के मध्य परिचालित की जा रही गाड़ी संख्या 19421/19422 अहमदाबाद-पटना एक्सप्रेस में अहमदाबाद से दिनांक 06.09.2026 तथा पटना से 08.09.2026 से स्थायी तौर पर द्वितीय वातानुकूलित श्रेणी तथा तृतीय वातानुकूलित श्रेणी का 01-01 अतिरिक्त कोच लगाया जाएगा ।

इन दो कोचों के संयोजन के पश्चात इस ट्रेन में द्वितीय वातानुकूलित श्रेणी के 03 कोच, तृतीय वातानुकूलित श्रेणी के 07 कोच, शयनयान श्रेणी के 06, साधारण श्रेणी के 04 तथा एसएलआरडी के 02 कोचों सहित कोचों की कुल संख्या 20 से बढ़कर

डीडीयू-गया-कोडरमा-गोमो-धनबाद के रास्ते खातीपुरा (जयपुर) से हावड़ा के लिए स्पेशल ट्रेन का परिचालन

हाजीपुर। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर रेलवे द्वारा डीडीयू-गया-कोडरमा-गोमो-धनबाद के रास्ते खातीपुरा और हावड़ा के मध्य एक फेरा स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जाएगा । इस स्पेशल में द्वितीय वातानुकूलित श्रेणी के 02, तृतीय वातानुकूलित श्रेणी के 04, शयनयान श्रेणी के 07 एवं साधारण श्रेणी के 08 कोच होंगे ।

गाड़ी संख्या 09709 खातीपुरा-हावड़ा स्पेशल 29 अगस्त, 2026 शनिवार को खातीपुरा (जयपुर) से 17.00 बजे खुलकर रविवार को 09.30 बजे डीडीयू, 12.20 बजे गया, 13.35 बजे कोडरमा, 16.00 बजे धनबाद सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए 22.15 बजे हावड़ा पहुंचेगी ।

वापसी में, गाड़ी संख्या 09708 हावड़ा-खातीपुरा (जयपुर) स्पेशल दिनांक 31 अगस्त, 2026 सोमवार को हावड़ा से 00.15 बजे खुलकर 06.00 बजे धनबाद, 07.53 बजे कोडरमा, 10.35 बजे गया एवं 14.00 बजे डीडीयू सहित अन्य स्टेशनों पर रुकते हुए मंगलवार को 11.30 बजे खातीपुरा (जयपुर) पहुंचेगी ।

बिहार के पर्यावरणविदों के जीवनी पर आधारित पुस्तक बिहार के पर्यावरण स्तंभ का हुआ लोकार्पण

प्रातः किरण संवाददाता

पटना । बिहार विधान परिषद सभागार में निशांत रंजन अदिति रॉय तथा अमित कुमार पाण्डेय द्वारा लिखित बिहार के पर्यावरणविदों के जीवनी एवं कार्यों पर आधारित पुस्तक बिहार के पर्यावरण स्तंभह्व का लोकार्पण डॉ. प्रमोद कुमार चंद्रवंशी, मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग तथा खान एवं भूतत्व विभाग बिहार सरकार के करकमलों द्वारा किया गया।मौके पर मंत्री डॉ प्रमोद कुमार चंद्रवंशी ने कहा कि आज के मोबाइल युग में जहां युवा किताबों से दूर होते जा रहे हैं वैसे में युवा का लेखन में रुचि लेना प्रदेश के लिए गौरव की विषय है। पर्यावरण नायकों का जीवनी हमारे युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत का काम करेगा और उन्हें इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करेगा। पटना विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. रास बिहारी प्रसाद सिंह ने कहा कि इस पुस्तक में पर्यावरण के लिए अपने पूरे जीवन को समर्पित कर देने वाले 35 नायकों के कार्य को संकलित करने का बेहतरीन कार्य किया गया है, हमारे युवा पीढ़ी इससे बहुत लाभान्वित होगी। पद्मश्री प्रो. रविंद्र कुमार सिन्हा ने कहा कि हम सभी को जीवन में एक लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए और उसे पूरा करने के लिए की जान से कोशिश करना चाहिए। लेखकों ने भी इस पुस्तक को पूरा करने में काफी मेहनत की है वे बधाई के पात्र हैं। पक्षी विशेषज्ञ अरविंद मिश्रा ने कहा कि बिहार में पर्यावरणविदों की जीवनी के संकलन का एक अनूठा कार्य है, हमें आशा है कि दूसरे राज्य भी इससे प्रेरणा लेकर अपने राज्य में भी इसे लागू करने का प्रयास करेंगे। पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रो. संजय पासवान ने कहा कि हम सब के अंदर पर्यावरण के साथ जीने की ललक होती है लेकिन हम लोग ही उसे पहचान नहीं पाते हैं, लेखकों ने अपने प्रयास से हर व्यक्ति को पर्यावरण के लिए अपने स्तर पर प्रयास करने का प्रेरणा स्रोत तैयार किया है।

पारस हेल्थ को मिला ग्रेट प्लेस टू वर्क का प्रमाणपत्र

प्रातः किरण संवाददाता

पटना : पारस हेल्थ को वर्ष 2026-27 के लिए ग्रेट प्लेस टू वर्क का प्रमाणपत्र प्रदान किया गया है। यह प्रमाणपत्र अस्पताल की कार्य संस्कृति, चिकित्सीय एवं ऑपरेशनल सपोर्ट तथा कर्मचारियों के लिए सकारात्मक और सहयोगात्मक कार्य वातावरण को मान्यता देता है।

इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए पारस हेल्थ के जोनल डायरेक्टर डॉ. दीपक सिंह ने कहा, यह सम्मान पारस हेल्थ की पूरी टीम की मेहनत, समर्पण और आपसी सहयोग का परिणाम है। हमारे लिए एक बेहतर कार्यस्थल का निर्माण केवल कर्मचारियों के लिए ही नहीं, बल्कि मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए भी महत्वपूर्ण है। हम आगे भी ऐसी कार्य संस्कृति को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास करते रहेंगे।

जोनल एचआर हेड कंचन कुमार ने कहा, ह्लग्रेट प्लेस टू वर्क का प्रमाणपत्र हमारे कर्मचारियों के विश्वास, टीमवर्क और सकारात्मक कार्य संस्कृति की पहचान है। पारस हेल्थ में हम ऐसा वातावरण बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जहां प्रत्येक कर्मचारी को सम्मान, सहयोग और आगे बढ़ने के अवसर मिलें। कर्मचारियों की खुशी और संतुष्टि का सीधा प्रभाव मरीजों की सेवा की गुणवत्ता पर पड़ता है।

उन्होंने कहा कि पारस हेल्थ में कर्मचारियों के अनुभव को बेहतर बनाने, टीम के बीच सहयोग बढ़ाने और सकारात्मक कार्य संस्कृति को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

पटना में एक्शन-टेसा ने आयोजित किया मेगा कारपेंटर्स मीट, कारीगरों के कौशल को सराहा

प्रातः किरण संवाददाता

पटनाः भारत में एमडीएफ और पार्टिकल बोर्ड जैसे इंजीनियर्ड पैनल उत्पादों की प्रमुख निमार्ता कंपनी पटना के होटल सन्दल गार्डन में एक भव्य मेगा कारपेंटर्स मीट का आयोजन किया। देशव्यापी उत्सवों की श्रृंखला के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में बिहार और झारखंड की क्षेत्रीय टीम ने मुख्य भूमिका निभाई।

समारोह में कंपनी के ब्रांच मैनेजर (इट) श्री आनंद प्रभात, वरिष्ठ बीडीएम श्री आदित्य रंजन, श्री मनीष पांडे, विपणन कार्यपालक श्री अविनाश कुमार सहित पूरी टीम ने उपस्थित सभी कारपेंटर भाइयों का गर्मजोशी से स्वागत किया।

कारीगरी और नवाचार का अनूठा संगम

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य उन कारपेंटर्स के अमूल्य योगदान का सम्मान करना था, जो अपनी उत्कृष्ट कारीगरी से देश भर के अनगिनत घरों और व्यावसायिक संस्थानों को सुंदरता और कार्यक्षमता प्रदान करते हैं। इस मंच के माध्यम से कारीगरों को उद्योग की उभरती तकनीकों, आधुनिक डिजाइन विधियों और नए उत्पादों के बारे में जागरूक किया गया।कंपनी के ब्रांच मैनेजर श्री आनंद प्रभात ने बताया कि यह पहल एक्शन-टेसा के प्रसिद्ध ब्रांड दर्शन कोई नहीं ऐसाह्व* के अनुरूप है, जो अद्वितीय गुणवत्ता और उत्कृष्टता पर बल देता है। बीते एक दशक से कंपनी इन कार्यक्रमों के माध्यम से कारपेंटर्स को प्रशिक्षण और मूल्यवान जानकारी प्रदान कर उनके साथ अपने संबंधों को निरंतर सशक्त बना रही है।

टेसा-सलाम से मिला सम्मान

इस अवसर पर कंपनी के प्रबंध निदेशक *श्री अजय अग्रवाल* ने एक विशेष वीडियो संदेश के माध्यम से कारपेंटर्स के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि कारपेंटर इंजीनियर्ड वुड उद्योग की असली रीढ़ हैं और उनकी कुशलता व रचनात्मकता ही ब्रांड की सफलता का आधार है।कंपनी द्वारा शुरू की गई टेसा-सलाम पहल का मुख्य उद्देश्य कारपेंटर्स के कठिन परिश्रम को पहचान दिलाना, समाज में उनकी स्थिति को ऊँचा उठाना और उद्योग में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करना है।

भूमि बचाओ किसान संघर्ष समिति का पटना में विशाल प्रदर्शन: जान देंगे, जमीन नहीं के नारों से गूंजा डाकबंगला चौराहा

पटना।भूमि बचाओ किसान संघर्ष समिति के बैनर तले अपनी जमीनों और आजीविका की रक्षा के लिए हजारों किसानों ने पटना में एक विशाल विरोध जुलूस निकाला। ऐतिहासिक गोलघर के समीप से शुरू हुआ यह कारवां फौजी अंदाज में कदम से कदम मिलाते हुए आगे बढ़ा। इस दौरान किसानों ने जमीन हमारी, हक हमारा–नहीं चलेगा जुल्म तुम्हारा, सैटेलाइट सिटी नहीं, हमें स्मार्ट गांव चाहिए और गांव-गाँव में कृषि आधारित उद्योगों का जाल बिछाओ जैसे गगनभेदी नारे लगाए।प्रदर्शनकारी किसान अपनी मांगों के समर्थन में मुख्यमंत्री से मिलने का आग्रह कर रहे थे। जुलूस जेपी गोलंबर पर लगाए गए पुलिस बैरिकेड्स को पार करता हुआ डाकबंगला चौराहा पहुंचा, जहां आगे बढ़ने के प्रयास में पुलिस के साथ किसानों की तीखी नोकझोंक हुई।

हर्षोल्लास मना ईद मिलादुन्नबी, निकाली गई जुलूस

बिक्रमः बुधवार को मुस्लिम समुदाय ने ईद-मिलादुन्नबी का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया। पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिन पर आयोजित इस पर्व पर बिक्रम में गरीब नवाज मिल्लत-ए-इस्लामिया कमिटी मस्जिद के नेतृत्व में बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने नगर में जुलूस निकाला। यह जुलूस खोरैठा, नगहर, ब्लॉक रोड, असपुरा और सिनेमा हॉल सहित विभिन्न मार्गों तथा चौक-चौराहों से होते हुए शहीद स्मारक पहुंचा। जुलूस के दौरान लोगों ने एक-दूसरे को ईद-मिलादुन्नबी की बधाई दी और विभिन्न स्थानों पर उनका स्वागत किया गया।

पूर्व मध्य रेल

खुली ई–निविदा सूचना संख्या–एल.–ओपेन–26–27–12, दिनांक 24.08.2026
मंडल रेल प्रबन्धक (विद्युत/सामान्य)/सोनपुर वास्ते भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए 'खुली ई–निविदा' आमंत्रित करते हैं। खुली ई–निविदा की अंतिम तिथि 18.09.2026 को 12:30 बजे तक निर्धारित की गई है। खुली ई–निविदा संबंधी निविदा प्रपत्र का अवलोकन वेबसाइट www.ireps.gov.in पर किया जा सकता है।
क्र.सं. 1 कार्य का नाम : हाजीपुर :– जी.एम. भवन, हाजीपुर में फसाड लाइटिंग की व्यवस्था के संबंध में। अनुमानित लागत (रू. में) : 92,10,985.37, बयाने की राशि (रु. में) : 1,84,200.00, निविदा प्रपत्र की कीमत अप्रतिदेय (रु. में) : 00.00
उपरोक्त निविदा सूचना वेबसाईट पर उपलब्ध है। निविदा संबंधी रेल का अधिकार : किसी भी समय निविदा को स्थगित करने/निरस्त करने अथवा निविदा में सुधार करने हेतु रेलवे का अधिकार सुरक्षित रहेगा। निविदादाता का इसमें कोई दावा मान्य नहीं होगा।
वरि. मंडल विद्युत इंजीनियर/(विद्युत/सा.), पूर्व मध्य रेल, सोनपुर
पीआर/0798/एसईई/ईजी./टी/26–27/32

मंत्री अशोक चौधरी के आवास पर आयोजित महामृत्युंजय जाप एवं पूजन कार्यक्रम में शामिल हुए नीतीश कुमार

पटना। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद नीतीश कुमार बिहार सरकार के मंत्री अशोक चौधरी के आवास पर आयोजित महामृत्युंजय जाप एवं पूजन कार्यक्रम में शामिल हुए।

इस अवसर पर नीतीश कुमार ने विधिवत पूजा-अर्चना की तथा भगवान शिव से प्रदेशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। उन्होंने सभी के मंगलमय जीवन और बिहार की निरंतर प्रगति के लिए प्रार्थना की।

धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण में आयोजित इस पूजन में उपस्थित लोगों ने भी उनका आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर बिहार सरकार के उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चैधरी, विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के उप-नेता ललन कुमार सर्राफ एमएलसी भी साथ रहे।

महिला सशक्तीकरण में बिहार देश में अग्रणी : उप-मुख्यमंत्री

उप-मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने अभया ब्रिगेड को स्कूटी प्रदान करने के कार्यक्रम को किया संबोधित

- उप-मुख्यमंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने कहा रक्षाबंधन के मौके पर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर दिया गया बड़ा तोहफा
- गृह के प्रधान सचिव पंकज कुमार ने कहा सरकार ने सामाजिक सशक्तीकरण के लिए किए अनेक कार्य

प्रातः किरण संवाददाता

पटना।एनडीए सरकार ने बिहार में महिलाओं को शिक्षित बनाने के साथ आर्थिक स्वालंबन प्रदान करने में सबसे ज्यादा काम किया है। महिलाओं को हर तरह से आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के लिए किए गए तमाम प्रयासों में बिहार देश का अग्रणी राज्य है। देश में महिला सशक्तीकरण का जनक पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को माना जाएगा। ये बाते उप-मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने कही। उन्होंने कहा कि बिहार में इसकी शुरूआत स्कूली बच्चियों को साइकिल, पोशाक वितरण, कन्या उत्थान योजना से हुई और यह सिलसिला आज यहां तक पहुंच गया।

उप-मुख्यमंत्री श्री चौधरी बुधवार को पटना के गांधी मैदान के पास स्थित ज्ञान भवन में पुलिस दीदी (अभया ब्रिगेड) के लिए 4700 स्कूटर एवं मोटरसाइकिल लोकार्पण एवं फ्लैग ऑफ समारोह को संबोधित कर रहे थे। पुलिस दीदी को 2700 स्कूटर और पुरुष सिपाहियों के बीच 2 हजार मोटरसाइकिल का वितरण मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने किया। उन्होंने कहा कि बिहार की पुलिस दीदी को अधिक सशक्त बनाने में स्कूटी की भूमिका बेहद अहम साबित होगी। किसी घटना की सूचना मिलने पर इन्हें वहां तक पहुंचने में काफी कम समय लगेगा। पुलिस की गति तेज होगी। स्कूल एवं कॉलेज के पास इस ब्रिगेड की तैनाती से सुरक्षा का माहौल बनेगा।

इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप-मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा कि आज देश में महिला सशक्तीकरण का अनुसरण हो रहा है। महिला उत्थान और विकास के लिए जिस मुहिम की शुरूआत नीतीश कुमार ने की थी, उन्हें और गति देने का काम मौजूदा मुख्यमंत्रीसम्राट चौधरी कर रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री की खिंची लाइन को आगे बढ़ाते हुए ही पीएचडी बालिका फेलोशिप योजना की शुरूआत की जा रही है। इसके तहत पीएचडी करने वाली करीब 1 हजार लड़की या महिलाओं को 4 वर्षों तक 10 हजार रुपये प्रतिमाह की सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि पिछली योजनाओं का असर अब साफतौर पर दिखने लगा है। राज्य का जेंडर पैरिटी इंडेक्स (शिक्षा के विभिन्न स्तर में नामांकित लड़कियों की संख्या का लड़कों की संख्या से अनुपात) राष्ट्रीय औसत से आगे हो गया है।

उप-मुख्यमंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने कहा कि रक्षाबंधन पर महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए किसी राज्य में इस तरह का कार्यक्रम नहीं हुआ।

तिब्बत में बादल फटने से हुई तबाही के बाद गंडक नदी में आने वाली संभावित बाढ़ को लेकर जल संसाधन विभाग अलर्ट

- वाल्मीकिनगर स्थित गंडक बराज के सभी 36 गेट खोले गए
- गंडक बराज पर तैनात की गई अधिकारियों की टीम
- मुख्य सचिव ने संबंधित जिलाधिकारियों को दिए आवश्यक तैयारियां पूरी करने का निर्देश

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। तिब्बत प्रभाग में बुधवार की सुबह बादल के फटने के कारण भोटे-कोशी नदी, जो तिब्बत में उद्गमित होकर नेपाल स्थित त्रिशूली नदी में मिल जाती है, में लगभग 3 मीटर का सैलाब प्रवाहित हो रहा है। नेपाल से होकर आने वाले पानी का सैलाब से गंडक नदी में अचानक जल स्तर बढ़ने की संभावना है। इसको देखते हुए जल संसाधन विभाग ने अलर्ट घोषित कर दिया है। विदित हो कि तिब्बत प्रभाग में बुधवार की सुबह बादल फटने के कारण नेपाल में पानी का सैलाब आने से भारी क्षति हुई है। नेपाल में तबाही मचाने के बाद उस पानी के गंडक नदी में आने की संभावना है। जल संसाधन विभाग द्वारा इस घटना पर त्वरित सतर्कता बरतते हुए वाल्मीकिनगर स्थित गंडक बराज के सभी गेटों (36 गेट) को खोला गया है और गंडक बराज पर मुख्यालय स्तर से अधीक्षण अभियंता के नेतृत्व में एक तकनीकी दल को भेजा गया है। साथ ही गंडक नदी बेसिन में अवस्थित सभी जिलों में चेतावनी संवाद जारी कर दिया गया है। इस संबंध में विभागीय पदाधिकारियों को संभावित आकस्मिक स्थिति के मद्देनजर सभी आवश्यक तैयारियों सुनिश्चित करते हुए लगातार चौकसी एवं निगरानी बरतने हेतु निदेशित किया गया है। इस क्रम में बाढ की स्थिति से निपटने हेतु सामग्रियों के भंडारण एव तटबंधों के सतत निरीक्षण का पुख्ता इंतजाम किया गया है। बताया जाता है कि इस घटना के फलस्वरूप इसके निम्नप्रवाह में गंडक नदी के जलश्राव एवं जलस्तर में भी अप्रत्याशित वृद्धि सभावित है। आज मध्यान 12.00 बजे वाल्मीकिनगर स्थित गंडक बराज से 86,000 क्यूसेक का जलश्राव प्रवाहित हुआ है, जिसकी प्रवृत्ति बढ़ने की है। नेपाल प्रभाग स्थित नारायणी नदी का देवघाट गेज स्थल पर वर्तमान जलस्तर 4.77 मीटर है। इस स्थल पर खतरे का निशान 9 मीटर एवं चेतावनी स्तर 7.30 मीटर है। यहां नदी में पानी बढ़ने पर गंडक बराज तक पहुँचने में लगभग 3.50 घंटा समय लगने की संभावना है। इसको लेकर मुख्य सचिव के स्तर से संबंधित सभी जिला पदाधिकारी के साथ अकस्मात बैठक आहूत कर मामले से अवगत कराते हुए सभी आवश्यक तैयारियां यथा तटबंध के अंदर के आवासितों को माईकिंग कराकर अवगत कराना तथा ससमय सुरक्षित स्थान पर ले जाने हेतु आवश्यक तैयारी सुनिश्चित करने हेतु निदेशित किया गया। वहीं संभावित प्रवाहित क्षेत्रों में एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों को नियुक्त किया जा रहा है। उधर, गंडक नदी का जलस्तर बढ़ने की संभावना को देखते हुए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा मुख्य सचिव, बिहार, प्रधान सचिव, आपदा प्रबंधन विभाग एवं सचिव, जल संसाधन विभाग के साथ बैठक आहूत कर स्थिति की समीक्षा की गयी एवं संबंधितों को हाई अलर्ट मोड में रहते हुए सभी आवश्यक कार्रवाई ससमय सुनिश्चित करने तथा स्थिति पर लगातार नजर बनाये रखने हेतु निर्देश दिया गया है।

राज्य में उर्वरक की कोई कमी नहीं, किसानों को निर्धारित दर पर समय पर मिलेगा खाद: विजय

- कालाबाजारी या अधिक कीमत वसूलने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। राज्य के कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने स्पष्ट किया है कि बिहार में उर्वरक की पर्याप्त उपलब्धता है और सरकार किसानों को निर्धारित मूल्य पर समय से खाद उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने किसानों से अपील की है कि वे उर्वरक उपलब्धता को लेकर किसी भी प्रकार की अफवाहों पर बिल्कुल ध्यान न दें।

श्री सिन्हा ने कहा कि हाल के दिनों में फार्मर आईडी के आधार पर उर्वरक की आपूर्ति में कटौती किए जाने की बातें सामने आ रही हैं, जो पूरी तरह निराधार और भ्रामक हैं। किसानों के उर्वरकों में कटौती की कोई व्यवस्था लागू नहीं है और सरकार किसानों के हित में हमेशा पूरी दृढ़ता के साथ खड़ी है। राज्य में कहीं भी उर्वरक की कोई कमी नहीं है तथा सभी किसान भाइयों को उनकी आवश्यकता के अनुसार हर हाल में खाद उपलब्ध कराई जाएगी।

वितरण व्यवस्था पर सतत निगरानी और शिकायत तंत्र

कृषि मंत्री ने बताया कि उर्वरक की बिक्री और आपूर्ति पर जिला, अनुमंडल एवं प्रखंड स्तर के कृषि अधिकारियों द्वारा लगातार नजर रखी जा रही है। वितरण व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के लिए फर्टिलाइजर कंट्रोल ऑर्डर के तहत आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। किसान उर्वरक खरीदते समय सभी किसान भाई बिक्रेता से आधिकारिक रसीद जरूर प्राप्त करें।यदि कोई विक्रेता निर्धारित मूल्य से अधिक राशि मांगता है या कालाबाजारी में लिप्त पाया जाता है, तो इसकी शिकायत तुरंत संबंधित जिला कृषि पदाधिकारी, जिला प्रशासन या राज्य मुख्यालय स्तर पर करें। मंत्री ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिया है कि दुकानों पर उर्वरक की उपलब्धता और दरों की निरंतर जांच की जाए ताकि किसानों को किसी भी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े

प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को सजग एवं विशेषकर बिहार सरकार को सतर्क रहना होगा: तेजस्वी

प्रातः किरण संवाददाता

पटना` नेपाल में हुई भारी तबाही के बाद बिहार की प्रमुख नदियों के जलस्तर में हो रही वृद्धि और राज्य के कई जिलों में मंडराते बाढ़ के खतरे को लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बिहार और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि नेपाल की मौजूदा स्थिति को देखते हुए बिहार में भी हालात बिगड़ने की पूरी आशंका है। तेजस्वी यादव ने सरकार से आग्रह किया कि सभी आवश्यक तैयारियां समय रहते पूरी की जाएं ताकि आम जनता को परेशानियों का सामना न करना पड़े। उन्होंने यह भी बताया कि वे स्वयं लगातार ग्राउंड फीडबैक ले रहे हैं कि किन-किन इलाकों में जलस्तर बढ़ने की संभावना है और सभी को पूरी तरह अलर्ट रहने की जरूरत है। तटवर्ती जिलों के संवेदनशील व प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को सजग एवं विशेषकर बिहार सरकार को सचेत व सतर्क रहना होगा।

प्रशासन को किसी भी प्रतिकूल आपात परिस्थिति और खतरे से निपटने के लिए लगातार निगरानी तथा राहत-बचाव कार्यों के अलावा सभी जरूरी प्रशासनिक व तकनीकी तैयारियां रखनी चाहिए। सरकार बांध एवं तटबंधों की 24*7 निगरानी रख उनकी मजबूती एवं सुरक्षा सुनिश्चित करें। पार्टी कार्यकताओं से हमारा आग्रह है कि विशेषकर गंडक नदी से जुड़े जिलों पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सारण, मुजफ्फरपुर एवं वैशाली के स्थानीय लोगों को आवश्यक सूचना और चेतावनी देकर जागरूक करते रहें।

तेजस्वी ने कहा कि बिहार में 21 वर्षों से डबल इंजन की सरकार है और केंद्र में भी वही सत्ता में हैं, लेकिन इसके बावजूद बाढ़ के स्थायी समाधान को लेकर नेपाल सरकार के साथ कोई ठोस बातचीत या उच्चस्तरीय बैठक नहीं की गई। उन्होंने कहा कि जब तक इस समस्या का कोई परमानेंट सॉल्यूशन (स्थायी समाधान) नहीं निकाला जाएगा, तब तक बिहार के लोगों को हर साल इस विभीषिका का सामना करना पड़ेगा।

मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना ने 9 हजार से अधिक महिलाओं को दिया स्वरोजगार का अवसर

- सरकार की वित्तीय सहायता ने महिला उद्यमियों के शौक को बनाया रोजगार

प्रातः किरण संवाददाता

पटना।बिहार में महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और उद्योग मंत्री श्रेयसी सिंह के नेतृत्व में महिलाएं स्वरोजगार की ओर अग्रसर हैं और सफलता हासिल कर रही हैं। इसका सफल उदाहरण मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना के आंकड़ों से स्पष्ट होता है। उद्योग विभाग के अनुसार, इस योजना के माध्यम से अब तक 9,100 से अधिक महिलाओं ने अपना व्यवसाय स्थापित कर कीर्तिमान रचा है। सरकार की ओर से इन महिलाओं को 671 करोड़ रुपये से अधिक का लाभ प्रदान किया गया है। इस राशि की मदद से हजारों ग्रामीण एवं शहरी महिलाएं आज आत्मनिर्भर होकर अपना रोजगार चला रही हैं और अपने साथ-साथ अन्य लोगों को भी आय का साधन उपलब्ध करा रही हैं।

बांका जिले के फुल्लीडुमर प्रखंड के भीतिया गांव की ममता कुमारी को मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना के अंतर्गत आटा-बेसन उत्पादन परियोजना के लिए सात लाख रुपये की राशि मिली। आज ममता कुमारी प्रतिमाह 50 हजार रुपये कमा रही हैं और अपनी इकाई में पांच अन्य लोगों को रोजगार भी दिया है। इसी प्रकार बांका जिले के बाराहाट प्रखंड के नया नगरी गांव में रहने वाली बबीता कुमारी ने योजना के तहत मिली वित्तीय सहायता से अपने घर पर फुटबॉल बनाने की इकाई स्थापित की। वर्तमान में आसपास की कुल 50 महिलाओं को इस इकाई से जुड़कर रोजगार मिला है। उनका वार्षिक टर्नओवर अब लगभग 40 लाख रुपये हो चुका है। बबीता की इकाई में निर्मित फुटबॉल बिहार के अलावा बंगाल, झारखंड, ओडिशा और असम में भेजे जा रहे हैं।कैमूर जिले में कुमारी सरिता यादव ने अपने शौक को रोजगार का रूप दिया। चांद प्रखंड के महादेछ गांव की कुमारी सरिता यादव इंटर पास गृहिणी थीं, जिन्हें केक बनाना पसंद था। मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना से वित्तीय सहायता मिलने के बाद उन्होंने एक बेकरी खोली। यहां गांव के चार अन्य लोग भी काम कर रहे हैं, जिससे उन्हें गांव में ही आय का अच्छा साधन उपलब्ध हो गया है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना के अंतर्गत महिलाओं को नया व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रति इकाई परियोजना लागत का 50 प्रतिशत अधिकतम 5 लाख रुपये ब्याज मुक्त ऋण आदि हैं।

लोजपा (रामविलास) के प्रदेश अध्यक्ष बने सुरेन्द्र विवेक

प्रातः किरण संवाददाता

पटना।लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं भारत सरकार के केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बिहार प्रदेश संगठन को और अधिक मजबूत एवं सशक्त बनाने के उद्देश्य से सुरेन्द्र विवेक को लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) का बिहार प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है।श्री सुरेन्द्र विवेक इससे पूर्व पार्टी में विभिन्न जिलों के संगठन प्रभारी, प्रदेश महासचिव, प्रदेश प्रवक्ता, प्रदेश कोषाध्यक्ष एवं प्रदेश चुनाव अभियान प्रमुख जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर चुके हैं। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में भी उन्होंने एनडीए कार्यालय के संयोजक के रूप में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाई थी।प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त होने के बाद सुरेन्द्र विवेक ने राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान तथा बिहार प्रदेश के संगठन प्रभारी एवं जमुई सांसद अरुण भारती के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी ने उन पर जो विश्वास जताया है, उसके लिए वे हृदय से आभारी हैं।उन्होंने कहा कि वे पद्म भूषण स्वर्गीय रामविलास पासवान जी के समर्पित सिपाही रहे हैं और पार्टी के विचारों एवं सिद्धांतों को आगे बढ़ाने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करते रहेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान एवं बिहार प्रदेश संगठन प्रभारी अरुण भारती की भावनाओं के अनुरूप पार्टी के वरिष्ठ एवं कनिष्ठ नेताओं तथा कार्यकताओं को साथ लेकर संगठन को और अधिक मजबूत किया जाएगा।श्री विवेक ने कहा कि आने वाले समय में संगठन के विस्तार, कार्यकताओं के सम्मान और पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया जाएगा। बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट के विजन और मिशन को धरातल पर उतारते हुए लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) को बिहार में और अधिक मजबूत एवं जनाधार वाली पार्टी बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया जाएगा।

बाढ़ के खतरों को लेकर आपदा प्रबंधन की ओर से मुकम्मल तैयारी : रत्नेश सदा

प्रातः किरण संवाददाता

पटना` जदयू प्रदेश कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में बुधवार को बिहार सरकार के मंत्री रत्नेश सदा ने राज्य के विभिन्न जिलों से आए फरियादियों की समस्याएं सुनीं तथा उनके विधिसम्मत निष्पादन हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी एवं प्रदेश महासचिव सह मुख्यालय प्रभारी शंभु कुशवाहा मौजूद रहे।इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए रत्नेश सदा ने कहा कि विद्यार्थियों और युवाओं का हित एनडीए सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से मुकम्मल तैयारी की गई है। सामुदायिक किचन, पशु चारा, सूखा राशन, चिकित्सीय सहायता सहित अन्य आवश्यक राहत सामग्रियों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। विभाग द्वारा परिस्थितियों पर पैनी नजर रखी जा रही है। साथ ही उन्होंने कहा कि दिसंबर में होने वाली फरक्का जल संधि का नवीनीकरण नहीं होना चाहिए। बिहार को उसके हिस्से का पर्याप्त जल मिलना चाहिए, ताकि

राष्ट्र निर्माण के लिए शिक्षा एवं समाज सुधार के लिए जनहित लोकदल का गठन

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। राष्ट्र निर्माण के लिए शिक्षा एवं समाज सुधार के संकल्प के साथ जनहित लोकदल का गठन किया गया है। ईको पार्क कैफेटेरिया में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में संस्थापक अवनीश कुमार ने कहा कि राजनीतिक दल के गठन का उद्देश्य लोकतांत्रिक मूल्यों, पारदर्शिता, सुशासन और आम नागरिकों की समस्याओं को प्राथमिकता देना है। संस्थापक अवनीश कुमार ने कहा जनहित लोकदल सकारात्मक राजनीति के लिए समर्पित है। बेहतर शिक्षा,समान शिक्षा और सबके लिए शिक्षा व्यवस्था हमारी प्राथमिकता है। रोजगार एवं युवाओं को विकास के व्यापक, सुदृढ़, और पारदर्शी प्रणाली में हमारा भरोसा है। जनहित लोकदल के संस्थापक अवनीश कुमार ने कहा कि सुलभ व समान स्वास्थ्य सेवा की उपलब्धता,किसान, मजदूर और पेशेवर समूह के लिए बेहतर आर्थिक साधन व सुविधा पर भी उनका ध्यान रहेगा।

तेजस्वी उर्स के मौके पर पीर मुजीबुल्लाह कादरी रहमतुल्ला अलैह के मजार पर चादरपोशी की

प्रातः किरण संवाददाता

पटनो राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सह नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने फुलवारी शरीफ में उर्स के मौके पर हजरत पीर मुजीबुल्लाह कादरी रहमतुल्ला अलैह के मजार पर चादरपोशी कर सुबा बिहार और मुल्क की तरक्की, अमन और भाईचारगी के लिए दुआ मांगी। इस मौके पर राष्ट्रीय जनता दल के नेताओं ने इनका स्वागत और इस्तकबाल साफा, टोपी पहनाकर और बुके देकर किया। चादरपोशी से पहले पीर आयतुल्लाह कादरी साहब से मिलकर उनसे दुआ ली। चादरपोशी के वक्त खानकाह मुजीबिया के मिनहाजुद्दीन कादरी साहब के अलावा राष्ट्रीय जनता दल के वरिष्ठ नेता अब्दुल बारी सिद्दीकी, डॉ तनवीरहसन, अख्तरुल इस्लाम शाहीन , विधान पार्षद कारी मोहम्मद सौहैब, शक्ति सिंह यादव, एजाज अहमद, डॉ मोहिबुल हसन हीरा, डॉ अनवर आलम, सहित सैकड़ों की संख्या में जायरीन और अकीदत मंद शामिल थे।चादरपोशी के बाद नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने कहा कि मैं लालु जी के रास्ते पर चलकर बराबर फुलवारी शरीफ और खास तौर से खानकाह मुजीबिया आते रहूंगा।कहा कि नफरत के खिलाफ मोहब्बत और भाईचारे के माहौल को मजबूत बनाने की जरूरत है। इन्होंने सभी लोगों का शुक्रिया अदा किया और कहा कि इसी तरह से आप सभी का प्यार मोहब्बत मिलता रहे और हम वैसी शक्तियों के खिलाफ मजबूती से खड़े हो सके इसके लिए आप सभी

ककोलत से गुणावा तक बनेगा नया पर्यटकीय रास्ता, प्रकृति और आस्था का संगम

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। नवादा जिला में मौजूद ककोलत जलप्रपात तक ही अब पर्यटक सीमित नहीं रहेंगे। बल्कि, इस मनोरम झरना का आनंद लेने के बाद यहां से आगे बढ़कर प्रकृति के मनोरम दृश्यों का लुफ्त उठा सकेंगे। साथ ही यहां से कुछ दूरी पर मौजूद गुणावा तक जा सकेंगे और यहां स्थित जैन तीर्थ स्थल के दर्शन भी कर सकेंगे। इस नए रास्ते से प्रकृति, आस्था और विरासत को एक ही मार्ग में पिरोने की तैयारी है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार जिले के प्रमुख प्राकृतिक, धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों को एक-दूसरे से जोड़कर पर्यटन परिपथ के रूप में विकसित किया जाएगा। ककोलत की पहाड़ियों और झरने से शुरू होने वाली यात्रा को गुणावां के धार्मिक परिसर, सूर्य मंदिर, नारदीगंज समेत अन्य स्थलों तक विस्तार होने से नवादा एक समग्र इको-टूरिज्म गंतव्य के रूप में जाना जायेगा।

नवादा का ककोलत जलप्रपात पहले से ही जिले में पर्यटकों के प्रमुख आकर्षण का केंद्र है। हरियाली से घिरी पहाड़ियों के बीच स्थित यह जलप्रपात गर्मी के मौसम में बड़ी संख्या में पर्यटकों को आकर्षित करता है। वर्ष 2026 में गर्मी के दौरान एक दिन में करीब 19 हजार पर्यटकों के ककोलत पहुंचने की जानकारी सामने आई है। अप्रैल में भी यहां प्रतिदिन करीब 5 हजार पर्यटकों के पहुंचने की रिपोर्ट रही है।

पर्यटकों की इस बढ़ती रुचि को देखते हुए ककोलत को आसपास के अन्य पर्यटन स्थलों से जोड़ना महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इससे ककोलत आने वाले पर्यटकों को जिले के दूसरे स्थलों तक ले जाने और एक ही यात्रा में कई आकर्षण उपलब्ध कराने का अवसर मिलेगा।

आर्द्रभूमियों के संरक्षण को मिलेगी नई रफ्तार, नौ जल क्षेत्रों को अधिसूचित करने की तैयारी

रामसर स्थलों पर बनेंगी 10 से 15 मिनट की लघु वृत्तचित्र फिल्में, छोटे जल-निकायों की भी होगी पहचान

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। राज्य में तालाबों, झीलों, चौर और दूसरे जल क्षेत्रों को बचाने और उनका बेहतर तरीके से प्रबंधन करने की तैयारी तेज हो गई है। सरकार अब बड़ी आर्द्रभूमियों के साथ-साथ छोटे जल-निकायों पर भी ध्यान देगी। बुधवार को पटना के अरण्य भवन में विभागीय मंत्री-सह-अध्यक्ष डॉ. रामचन्द्र प्रसाद की अध्यक्षता में हुई बिहार राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण की पंचम बैठक में नौ आर्द्रभूमियों को औपचारिक रूप से अधिसूचित करने पर सहमति बनी। साथ ही राज्य के सभी रामसर स्थलों पर 10 से 15 मिनट की लघु वृत्तचित्र फिल्में बनाने का फैसला लिया गया।

नौ आर्द्रभूमियों को मिलेगा संरक्षण का दर्जा

बैठक में विभिन्न वन प्रमंडलों में स्थित नौ आर्द्रभूमियों को आर्द्रभूमि (संरक्षण एवं प्रबंधन) नियम, 2017 के तहत अधिसूचित करने के लिए तैयार प्रारूप को मंजूरी दी गई। इनमें भोजपुर का गोकुल जलाशय और बड़काताल, दाह पुरैना चौर, डुमरी बुजुर्ग चौर और दिधी चौर (सारण), दुगार्पुर झोला (कटिहार), दरगाहपुर और चौकी (बेगूसराय) तथा मोतीझील (मोतिहारी) शामिल हैं। अधिसूचना जारी होने के बाद इन जल क्षेत्रों के संरक्षण और प्रबंधन के लिए तय नियमों के अनुसार काम किया जा सकेगा।

गोकुल जलाशय से जुड़े प्रस्ताव को मंजूरी

बैठक में गोकुल जलाशय से जुड़े एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई।

जिला आर्द्रभूमि समिति, भोजपुर की अनुशंसा के आधार पर बक्सर जिले में जनेश्वर मिश्रा पुल (ब्यासी पुल) के पहुंच पथ के निर्माण से संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। यह पुल राष्ट्रीय राजमार्ग-84 को उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के राष्ट्रीय राजमार्ग-19 से जोड़ता है। उच्चतम बाढ़ स्तर रेखा से 50 मीटर के दायरे में निर्माण कार्य से जुड़े प्रस्ताव को भारत सरकार के पास भेजने के लिए प्राधिकरण ने अनुशंसा स्वीकृत की।

छोटे जल-निकाय भी आएंगे संरक्षण के दायरे में

बैठक में 2.25 हेक्टेयर से छोटे जल-निकायों की पहचान करने पर भी सहमति बनी। यह कदम माननीय सर्वोच्च न्यायालय के 19 अगस्त 2025 के आदेश के बाद उठाया जा रहा है। इसका मकसद छोटे तालाबों, जलाशयों और अन्य जल स्रोतों की पहचान कर उनके संरक्षण और बेहतर प्रबंधन की दिशा में आगे की कार्रवाई करना है।

फिल्मों के जरिए बताई जाएगी रामसर स्थलों की खासियत

बिहार के सभी रामसर स्थलों पर 10 से 15 मिनट की लघु वृत्तचित्र फिल्में बनाई जाएंगी। इनमें इन स्थलों की जैव विविधता, पर्यावरण के लिए उनकी उपयोगिता और स्थानीय विशेषताओं को दिखाया जाएगा। इससे लोगों को आर्द्रभूमियों के महत्व के बारे में जानकारी मिलेगी और इनके संरक्षण को लेकर जागरूकता भी बढ़ेगी।

प्राधिकरण का अपना लोगो और बनेगी कार्ययोजना

बैठक में बिहार राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण के लिए अपना लोगो तैयार करने पर भी सहमति बनी। मंत्री डॉ. रामचन्द्र प्रसाद ने आर्द्रभूमियों के संरक्षण और प्रबंधन को और प्रभावी बनाने के लिए एक समग्र कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने केंद्र सरकार की ओर से आर्द्रभूमि संरक्षण के लिए चलायी जा रही योजनाओं का बेहतर लाभ लेने पर भी जोर दिया। बैठक में विभाग के अपर मुख्य सचिव, प्रधान मुख्य

राम के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लें : सरावगी

- तुलसी के राम कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के साथ शामिल हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। गोस्वामी तुलसीदास की जयंती सप्ताह के अवसर पर सनातन संस्कृति चेतना परिषद के तत्वावधान में आज रविंद्र भवन में तुलसी के राम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिक्षा मंत्री मिथिलेश कुमार तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के साथ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी भी शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एवं प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने उपस्थित लोगों को संबोधित किया।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास ने अपनी रचनाओं के माध्यम से भगवान श्रीराम के चरित्र को जन-जन तक पहुंचाने का महान कार्य किया। तुलसीदास की वाणी में राम केवल आराध्य नहीं, बल्कि समाज के लिए आदर्श जीवन-मूल्यों के प्रतीक हैं। मयार्दा, त्याग, करुणा, सत्य, सेवा और कर्तव्यबोध जैसे गुण भगवान श्रीराम के चरित्र से हमें निरंतर प्रेरणा देते हैं।उन्होंने कहा कि तुलसी के राम का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना सदियों पहले था। बदलते समय में जब समाज के सामने अनेक चुनौतियां हैं, तब श्रीराम के आदर्श हमें संयम, सद्भाव और कर्तव्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति के वल पूजा-पद्धति नहीं, बल्कि जीवन जीने की ऐसी समृद्ध परंपरा है, जो मानवता, संस्कार और सामाजिक समरसता का संदेश देती है।

प्रदेश अध्यक्ष सरावगी ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास जी ने रामचरितमानस के माध्यम से भारतीय समाज को संस्कार और संस्कृति से जोड़ने का काम किया। आज आवश्यकता है कि हम नई पीढ़ी को भगवान श्रीराम के आदर्शों, तुलसीदास जी के साहित्य और भारतीय संस्कृति की महान परंपरा से परिचित कराएं। राम के आदर्श परिवार, समाज और राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा देते हैं।

उनके आदर्शों को आत्मसात कर समाज में प्रेम, भाईचारा, सेवा और सद्भाव की भावना को मजबूत किया जा सकता है। यही तुलसीदास जी के साहित्य और ह्यतुलसी के रामह्ण की सार्थकता है।कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री भीखू भाई दलसानिया, विधायकगण, सनातन संस्क

संक्षिप्त खबरें

संस्कृत सप्ताह समारोह में बच्चों के बीच पुस्तक वितरण

विभूतिपुर/समस्तीपुर। प्रखण्ड के भूतेश्वर चौक स्थित कोदरिया देव पब्लिक स्कूल में एक दिवसीय संस्कृत सप्ताह समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ० राम प्रीत सिंह ने संस्कृत विषय के महत्व पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि संस्कृत संसार की सबसे प्राचीन, वैज्ञानिक सम्मत, देवभाषा और हमारी धरोहर है, जिसका चतुर्दिक विकास आवश्यक है।इस शुभ अवसर पर डॉ० सिंह ने उपस्थित सभी बच्चों को अपनी 16वीं स्वरचित पुस्तक ह्यहँसते-गाते संस्कृत सीखोह्न भेंट कर उन्हें प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में मौजूद अन्य लोगों ने भी संस्कृत के महत्व पर अपने विचार रखे। समारोह का सफल संचालन संस्था के प्रधान देवेन्द्र कुमार आर्य ने किया।

सीपीआई(एम) की बैठक में संगठन मजबूती पर हुई चर्चा

विभूतिपुर/समस्तीपुर।सीपीआई(एम) नरहन शाखा की बैठक प्रमिला देवी की अध्यक्षता में एक निजी आवासीय परिसर में संपन्न हुई। बैठक में पार्टी एवं जन संगठन को मजबूत करने का निर्णय लिया गया। साथ ही पार्टी द्वारा आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में नरहन शाखा से प्रशिक्षण हेतु समस्तीपुर चलने का आवाहन किया।मौके पर अधिवक्ता सतीश कुमार ठाकुर, रामचंद्र दास, मुरारी ठाकुर, पप्पू कुमार पासवान, वीर बहादुर राय, अशोक राय, आशीष कुमार दिवाकर, राजेश पासवान, रंजीत मल्लिक, अरविंद कुमार झा आदि उपस्थित थे।

386 लीटर नेपाली शराब बरामद

मनीगाछी(दरभंगा)। गुप्त सूचना पर गत 25 अगस्त की देर शाम मनीगाछी थाना की पुलिस द्वारा की गई छापेमारी में थाना क्षेत्र के विशौल गांव स्थित रही गाछी से 386.400 लीटर मामाश्री नेपाली देशी शराब बरामद की गई है। इस संबंध में थानाध्यक्ष रंजीत कुमार सिंह ने बताया है कि विशौल गांव के शराब कारोबारी पवन साहु एवं बलराम साहू पुलिस को देखते ही रात के अंधेरे का फायदा उठाते हुए भागने में सफल हो गया। फरार शराब कारोबारियों के विरुद्ध छापेमारी की जा रही है।

दो फरार वारंटी को भेजा गया जेल

मनीगाछी(दरभंगा)।थाना क्षेत्र के गोपालपुर गाँव निवासी सरोवर यादव की पत्नी सिमला देवी एवं भटपुरा गांव निवासी विमल यादव को पुलिस ने गिरफ्तार कर बुधवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इस संबंध में मनीगाछी थानाध्यक्ष रंजीत कुमार सिंह ने बताया कि सिमला देवी थाना कांड संख्या - 171/26 के प्राथमिकी अभियुक्त थीं जबकि भट्टपुरा गांव निवासी। विमल यादव एन बी डबलू वारंटी थे और फरार चल रहे थे इन्हें गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

भारत सरकार की योजनाओं पर दो दिवसीय फोटो प्रदर्शनी सह जागरूकता कार्यक्रम का हुआ समापन

पटना। भारत सरकार, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के केन्द्रीय संचार ब्यूरो (सी.बी.सी.) भागलपुर द्वारा बांका जिले के अमरपुर प्रखंड के पीएम श्री सीएमएस उच्च माध्यमिक विद्यालय, शाहपुर में नशा मुक्त भारत अभियान एवं विकसित भारत जी राम जी पर आयोजित दो दिवसीय फोटो प्रदर्शनी सह जागरूकता कार्यक्रम का आज समापन हो गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि अमरपुर के थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर राकेश कुमार थे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि का स्वागत अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर किया गया। इस अवसर पर पर्यावरण की रक्षा का संदेश देते हुए एक पेड़ मां के नाम अभियान में अंतर्गत वृक्षारोपण भी किया गया। केंद्रीय संचार ब्यूरो भागलपुर के क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी अभिषेक कुमार ने बताया कि दो दिवसीय फोटो प्रदर्शनी सह जागरूकता कार्यक्रम में केंद्र सरकार की 12 वर्षों की उपलब्धियों एवं योजनाओं को चित्रों और आंकड़ों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। फोटो प्रदर्शनी के साथ-साथ इसमें प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रम सहित अनेक गतिविधियां आयोजित की गईं । नशामुक्ति विषय पर आयोजित आशुभाषण तथा अन्य प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के दौरान जनचेतना लोककल्याण मंच ,पटना द्वारा नृत्य, नुक्कड़ नाटक सहित अनेक सांस्कृतिक कार्यकम प्रस्तुत किया गया। साथ ही हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया। इस कार्यक्रम के दौरान समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति, विद्यालय के शिक्षक- शिक्षिकाएं, दूरदर्शन एवं आकाशवाणी के स्थानीय संवाददाता, जीविका दीदी, सीबीसी के राकेश कुमार, संतोष कुमार तथा प्रभात कुमार आदि उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का संचालन सीबीसी , मुंगेर के सहायक क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी सुदर्शन किशोर झा ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन सीबीसी, भागलपुर के क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी अभिषेक कुमार ने किया ।

पड़ोसी देश नेपाल में बाढ़ का कहर, रसुवा में भारी तबाही, 105 भारतीयो समेत 384 यात्री लापता

भोटेकोशी नदी में अचानक आई बाढ़ से रसुवा, नुवाकोट और धादिंग प्रभावित, नेपाली सेना, पुलिस और सशस्त्र पुलिस बल राहत-बचाव में जुटे

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। पड़ोसी देश नेपाल में चीन सीमा से सटे रसुवा जिले में बुधवार को भोटेकोशी नदी में अचानक आई विनाशकारी बाढ़ ने भारी तबाही मचा दी। बाढ़ का पानी रसुवागढ़ी, टिमुरे और स्याफ्रुबेसी समेत आसपास के क्षेत्रो में तेजी से फैल गया। कई घर, वाहन, सड़कें, पुल, बाजार और जलविद्युत परियोजनाएं बाढ़ की चपेट में आ गईं। बाढ़ का असर नुवाकोट और धादिंग जिलो तक भी पहुंचा है। ताजा रिपोर्टो के अनुसार मृतकों की संख्या बढ़कर 22 तक पहुंच गई है, जबकि बड़ी संख्या में लोग अब भी लापता है।नेपाल पर्यटन बोर्ड की प्रारंभिक सूची के अनुसार बाढ़ प्रभावित क्षेत्र से 384 यात्रियों और पर्यटकों के लापता होने की सूचना है। इनमें 291 विदेशी नागरिक और 93 नेपाली नागरिक शामिल हैं। विदेशी नागरिकों में कम से कम 105 भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। इसके अलावा ब्रिटेन, अमेरिका, मलेशिया, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और अन्य देशों के नागरिकों के भी लापता होने की सूचना है। हालांकि यह सूची प्रारंभिक है और संबंधित ट्रैवल एजेंसियों, गाइडों, स्थानीय प्रशासन तथा सुरक्षा एजेंसियों के माध्यम से लोगों की वास्तविक स्थिति का सत्यापन किया जा रहा है। बाढ़ में फंसे लोगों को निकालने के लिए नेपाली सेना, नेपाल पुलिस और सशस्त्र पुलिस बल की टीमें लगातार राहत एवं बचाव अभियान चला रही हैं। नेपाली सेना ने कई लोगों को सुरक्षित निकालने के साथ घायलों को अस्पतालों तक पहुंचाया है। दुर्गम पहाड़ी इलाका, तेज नदी प्रवाह, मलबा और क्षतिग्रस्त सड़क-पुल बचाव अभियान में बड़ी चुनौती बने हुए हैं।बाढ़ से रसुवा के टिमुरे, रसुवागढ़ी और स्याफ्रुबेसी क्षेत्र में भारी नुकसान हुआ है। कई सरकारी और सुरक्षा प्रतिष्ठान भी प्रभावित हुए हैं। पुलिस एवं सशस्त्र पुलिस बल के कई जवानों के संपर्क से बाहर होने की जानकारी सामने आई है। रसुवा स्थित जलविद्युत परियोजनाओं को भी भारी नुकसान पहुंचा है। बाढ़ के तेज बहाव में वाहन, सामान, पुल और अन्य बुनियादी ढांचे बह गए हैं। बाढ़ का पानी आगे बढ़कर नुवाकोट और धादिंग के कई इलाकों तक पहुंच गया। त्रिशूली बाजार और आसपास के क्षेत्रों में मकानों, सड़कों और पुलों को नुकसान पहुंचा है। कई स्थानों पर संपर्क मार्ग बाधित होने के कारण राहत सामग्री और बचाव दलों को प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचने में कठिनाई हो रही है।बाढ़ के अचानक आने के कारणों की भी जांच की जा रही है। प्रारंभिक वैज्ञानिक आकलन में बर्फ और चट्टानों के खिसकने से नदी के ऊपरी हिस्से में अचानक रुकावट बनने और उसके बाद पानी के तेज बहाव के साथ नीचे आने की आशंका जताई गई है। संभावित ग्लेशियर या बर्फ-पत्थर के मलबे से बनी रुकावट की भी जांच की जा रही है। एक भूकंपीय घटना को भी संभावित कारणों में देखा जा रहा है, हालांकि बाढ़ के वास्तविक कारण की अंतिम आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।स्थिति को देखते हुए प्रभावित नदी किनारे के इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने और आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी गई है। ऊपरी क्षेत्र में दोबारा पानी का दबाव बढ़ने की आशंका के कारण सुरक्षा एजेंसियां लगातार निगरानी कर रही हैं।बाढ़ से नेपाल के ऊर्जा और परिवहन ढांचे को भी बड़ा नुकसान पहुंचा है। कई जलविद्युत परियोजनाएं, सड़कें और पुल प्रभावित हुए हैं। भोटेकोशी क्षेत्र में हुए नुकसान के कारण महत्वपूर्ण बिजली उत्पादन क्षमता पर भी असर पड़ा है।नेपाल में आई इस प्राकृतिक आपदा के बाद भारत ने भी सहायता का भरोसा दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह से बातचीत कर जनहानि पर संवेदना जताई और भारत की ओर से हर संभव मानवीय सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। भारतीय अधिकारी प्रभावित भारतीय नागरिको की जानकारी जुटाने और उनके परिजनो के साथ समन्वय में जुटे है।बाढ़ का असर नेपाल-चीन सीमा के दूसरी ओर तिब्बत के ग्यिरोंग क्षेत्र में भी पड़ा है। वहां भी सड़क, पुल और अन्य बुनियादी ढांचे प्रभावित हुए हैं तथा चीनी अधिकारियों ने खोज और बचाव अभियान शुरू किया है।फिलहाल रसुवा समेत प्रभावित जिलों में खोज, बचाव और राहत अभियान लगातार जारी है। सुरक्षा बल हेलिकॉप्टरो और जमीनी टीमों की मदद से लापता लोगों की तलाश कर रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार प्रभावित और दुर्गम इलाकों तक बचाव दलों के पहुंचने के बाद मृतकों, घायलों और लापता लोगो की संख्या की वास्तविक स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी। लापता यात्रियों से संबंधित आंकड़े प्रारंभिक हैं और सत्यापन के बाद इनमें बदलाव संभव है। नेपाली स्थानीय समाचार माध्यमों एवं आधिकारिक प्रशासनिक अपडेट के आधार पर।

स्कूल-कॉलेजों में पुलिस दीदी की तैनाती महिला सुरक्षा के लिए वरदान : सांसद

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बिहार में महिला सशक्तीकरण को नया आयाम दिया जा रहा है। स्कूल-कॉलेजों में पुलिस दीदी की तैनाती तथा महिलाओं को पीएचडी, फेलोशिप और स्टार्टअप के लिए आर्थिक सहायता देने की पहल महिला सुरक्षा एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में वरदान साबित होगी। यह बात भाजपा सांसद सह लोकसभा में पार्टी के सचेतक डॉ. गोपाल जी ठाकुर ने बुधवार को रक्षाबंधन के अवसर पर ज्ञान भवन, पटना में गृह विभाग एवं शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम के दौरान कही। उन्होंने कहा कि महिलाओं की उच्च शिक्षा एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए एक हजार महिलाओं को पीएचडी हेतु प्रतिमाह 10 हजार रुपये की फेलोशिप तथा 2,100 महिलाओं को स्टार्टअप के लिए 50 हजार से दो लाख रुपये तक की सहायता देने की शुरूआत सराहनीय पहल है। वहीं, महिला सुरक्षा के लिए पुलिस दीदी योजना के तहत पूरे बिहार में करीब 2,700 स्कूटी और दो हजार से अधिक मोटरसाइकिल से स्कूल-कॉलेजों के आसपास पुलिसकर्मियों की तैनाती का निर्णय छात्राओं एवं महिलाओं की सुरक्षा को और मजबूत करेगा। सांसद ने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर एवं मध्यम वर्ग की महिलाओं को उच्च शिक्षा के सपने को साकार करने में यह योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। बिहार सरकार की ये पहल सुरक्षित, शिक्षित और आत्मनिर्भर महिलाओं के निर्माण की दिशा में मजबूत संकल्प को दशार्ती है। डॉ. ठाकुर ने कहा कि बिहार की करीब 1.81 करोड़ महिलाएं जीविका से जुड़ी हैं और लगभग 43 लाख महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। अगले दो वर्षों में एक लाख और जीविका दीदियों को लखपति बनाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि सुरक्षित, शिक्षित और आत्मनिर्भर महिलाएं ही सुरक्षित, समृद्ध एवं विकसित बिहार की पहचान बनेंगी।

नाबालिग से दुष्कर्म के पांच साल पुराने मामले में दोषी को , 20 वर्ष की कठोर सजा

मुजफ्फरपुर। जिले की विशेष पॉक्सो अदालत ने नाबालिग किशोरी से दुष्कर्म के करीब पांच साल पुराने मामले में अहम फैसला सुनाया है। विशेष पॉक्सो एक्ट संख्या-3 की न्यायाधीश नूर सुल्ताना की अदालत ने मामले की अंतिम सुनवाई के बाद आरोपित संतोष कुमार को दोषी करार देते हुए 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर 20 हजार रुपये का आर्थिक दंड भी लगाया है। जुमार्ने की राशि अदा नहीं करने की स्थिति में अतिरिक्त सजा भुगतने का प्रावधान किया गया है। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक राजीव रंजन राजू ने मजबूत पैरवी की, जिसमें अधिवक्ता मिकी ने सहयोग किया। अभियोजन पक्ष ने दोष साबित करने के लिए अदालत के समक्ष कुल सात महत्वपूर्ण गवाहों को पेश किया। गवाहों के बयान और चिकित्सीय साक्ष्यों को आधार बनाते हुए अदालत ने आरोपी को दोषी करार दिया। मामले के अनुसंधान के बाद पुलिस विवेचक ने 4 जुलाई 2021 को अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया था। इसके बाद मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से साक्ष्य और गवाह प्रस्तुत किए गए। मामले को लेकर पीड़िता ने 24 मई 2021 को सकरा थाने में नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई थी। प्राथमिकी के अनुसार, 24 अप्रैल 2020 को पीड़िता का दूर का रिश्तेदार संतोष कुमार उसे शादी का झांसा देकर पास के एक खाली कमरे में ले गया था। आरोप है कि वहां उसने किशोरी के साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता ने पुलिस को यह भी बताया था कि घटना के बाद वह गर्भवती हो गई थी।

एसएच-17 पर हादसे में घायल मजदूर की मौत पीएमसीएच ले जाने के दौरान तोड़ा दम

बिरौल(दरभंगा)। थाना क्षेत्र के सोनपुर गांव निवासी मजदूर हुलन पासवान 55 वर्षीय की सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल होने के बाद इलाज के लिए पीएमसीएच पटना ले जाने के दौरान मंगलवार देर शाम मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही सोनपुर गांव में मातम पसर गया। पत्नी श्रीबती देवी सहित परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार, हुलन पासवान 24 अगस्त की सुबह करीब 10 बजे साइकिल से बिरौल-गंडौल एसएच-17 के रास्ते अपने गांव सोनपुर लौट रहे थे। क्रॉसिंग के समीप पहुंचते ही पीछे से आए तेज रफ्तार अज्ञात चार पहिया वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक वाहन लेकर सहरसा की ओर फरार हो गया। सड़क पर गंभीर हालत में पड़े हुलन को देखकर स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना परिजनों को दी।परिजन उन्हें तत्काल अनुमंडलीय अस्पताल बिरौल ले गए। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने गंभीर स्थिति को देखते हुए डीएमसीएच रेफर कर दिया। इसके बाद परिजन बेहतर इलाज की उम्मीद में उन्हें सुपौल के एक निजी अस्पताल ले गए, जहां से चिकित्सकों ने दरभंगा रेफर कर दिया। 25 अगस्त को डीएमसीएच में इलाज के दौरान उनकी हालत और बिगड़ गई। चिकित्सकों ने उन्हें पीएमसीएच पटना रेफर किया। पटना ले जाने के दौरान रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। बुधवार को शव का पोस्टमार्टम कराया गया, जिसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।हुलन पासवान मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके तीन पुत्र और एक पुत्री हैं। कमाऊ सदस्य की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।थानाध्यक्ष चंद्रमणि ने बताया कि परिजन के आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। हादसे के बाद फरार वाहन और उसके चालक की पहचान के लिए पुलिस छानबीन कर रही है।

अजीम प्रेमजी फाउंडेशन 20000 छात्राओं को देगा स्कॉलरशिप

पटना। अजीम प्रेमजी फाउंडेशन ने दिल्ली (एनसीटी) के लिए अजीम प्रेमजी स्कॉलरशिप शुरू करने का ऐलान किया है। इस साल दिल्ली में 20000 तक छात्राओं को आगे की पढ़ाई जारी रखने के लिए इस स्कॉलरशिप से मदद मिलेगी। स्कॉलरशिप के लिए चुनी गई हर छात्रा को हर साल 30000 रुपये दिए जाएँगे। यह राशि कॉलेज के पहले साल से लेकर छात्राओं की स्नातक डिग्री या डिप्लोमा पूरा होने तक दी जाएगी।

युवा पीढ़ी के व्यक्तित्व निर्माण का सशक्त माध्यम है संस्कृत : प्रो .अर्कनाथ चौधरी

- युवाशक्ति के विकास में संस्कृत की है महती भूमिका
- युवाशक्ति को संस्कार, ज्ञान और कौशल देती है संस्कृत

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। श्रीरामसुन्दर संस्कृत विश्वविद्यालय प्रतिष्ठानम् एवं केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को युवशक्तिविकासाय संस्कृतस्य महत्त्वम् विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संस्कृत सप्ताह के उपलक्ष्य में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में संस्कृत भाषा एवं साहित्य के माध्यम से युवाओं के व्यक्तित्व, ज्ञान, संस्कार एवं कौशल विकास की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना एवं मंगलाचरण से हुआ। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. कामेश्वर चौधरी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा वैदिक मंत्र युवा सुवासा...का व्याख्या करते हुए कहा कि संस्कृत केवल प्राचीन ज्ञान की भाषा नहीं, बल्कि युवाओं को भारतीय ज्ञान परंपरा से जोड़ने वाली सशक्त कड़ी है। विशिष्ट अतिथि प्रो. कुलदीप शर्मा, प्रभारी, आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, ने ऑनलाइन संबोधन में संस्कृत के अध्ययन से युवाओं में तार्किक चिंतन, अनुशासन, संस्कार एवं नेतृत्व क्षमता का विकास देने पर बल दिया। वहीं डॉ. प्रियव्रत मिश्र, सहाचार्य, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी ने अपने सारस्वत संबोधन में संस्कृत के व्यापक शैक्षणिक एवं रोजगारपरक अवसरों की चर्चा की। बतौर सारस्वत अतिथि कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय के प्राध्यापक डॉ.रामसेवक झा ने कहा कि संस्कृत युवाओं को ज्ञान और संस्कार दोनों देती है । वहीं मुख्यातिथि स्नातकोत्तर प्रभारी प्रो. दिलीप कुमार झा, विभागाध्यक्ष ने अपने विचार व्यक्त किए और संस्कृत के अध्ययन को समकालीन आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित करने पर बल दिया। इस अवसर पर पूज्य संत रामविनोद दास जी एवं श्रद्धेय संत ललितदास जी का विशेष सान्निध्य प्राप्त हुआ। दोनों संतों ने युवाओं को भारतीय संस्कृति, सदाचार एवं आध्यात्मिक मूल्यों से जुड़ने का संदेश दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व कुलपति प्रो.अर्कनाथ चौधरी, अध्यक्ष, प्रबंध समिति ने ऑनलाइन माध्यम से की। संगोष्ठी में डा० आशुतोष कुमार झा, डा० माधुरी राय, डा० श्रीनिवास मूर्ति, डा० राजकुमार मंडल, डा० नन्दिनी चटर्जी,हीरानन्द पाठक सहित दर्जनों छात्र -छात्राएं,शिक्षक,गवेषक, कर्मचारीगण तथा सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। संयोजक एवं मंचसंचालक डॉ. पुष्कर आनंद तथा धन्यवाद ज्ञापन सहसंयोजक डॉ. रामानुज श्रीधर ने किया।

सिद्धि विनायक इंटरनेशनल स्कूल में धूमधाम से मनाया गया सावन महोत्सव

प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर/कल्याणपुर। प्रखंड अंतर्गत संचालित सिद्धि विनायक इंटरनेशनल स्कूल, कल्याणपुर में सावन महोत्सव बेहद धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस विशेष अवसर पर कक्षा तीसरी से दसवीं तक की छात्राओं के लिए मेहंदी, ह्यराखी बनाओ, इनाम पाओह्न, चित्रकला, पेंटिंग और ग्रीन ड्रेस जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। छात्राओं ने सावन और रक्षाबंधन के पारंपरिक गीतों की सुंदर प्रस्तुतियां भी दीं।उत्सव को संबोधित करते हुए विद्यालय के निदेशक डॉ. रमेश कुमार ठाकुर ने कहा कि सावन का महीना हरियाली, खुशहाली और भक्ति का प्रतीक है। यह महोत्सव हमें अपनी समृद्ध भारतीय संस्कृति, परंपराओं और प्रकृति से जोड़ता है। रक्षाबंधन के पावन महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने इसे भाई-बहन के पवित्र प्रेम और आपसी भाईचारे का संदेश देने वाला त्योहार बताया।प्रतियोगिता में खुशी, खनक, प्रतिभा, अंजलि, ज्योति, सोनाक्षी, अदिति, संध्या, पल्लवी, सुप्रिया, सोनाक्षी, नेहा, वैष्णवी, राजलक्ष्मी, परिणीति,अनुराधा सहित कई छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस पूरे कार्यक्रम का सफल संचालन शिक्षिका सोनी कुमारी, मधु, आरती, सुप्रिया, अंजलि, शिवानी और सानिया कुमारी की देखरेख में किया गया।

मखाना के उत्पादन, गुणवत्ता व निर्यात को बढ़ावा देने पर संयुक्त सचिव ने दिया जोर

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के सफल क्रियान्वयन एवं जिले में कृषि क्षेत्र के समग्र विकास को लेकर भारत सरकार के वाणिज्य विभाग के संयुक्त सचिव साकेत कुमार की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर सभागार में समीक्षा बैठक हुई। बैठक में जिलाधिकारी कौशल कुमार सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, मखाना उत्पादक एवं एक्सपोर्टर शामिल हुए। बैठक में मखाना की खेती, उत्पादन, गुणवत्ता, प्रसंस्करण एवं निर्यात की स्थिति की समीक्षा की गई। संयुक्त सचिव ने उत्पादकों एवं एक्सपोर्टरों से निर्यात में आने वाली समस्याओं और गुणवत्ता संबंधी चुनौतियों की जानकारी ली। उन्होंने अधिक से अधिक उत्पादकों को मखाना के जीआई टैग से जोड़ने तथा एपीडा के माध्यम से बिहार से मखाना निर्यात को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार की आवश्यकताओं के अनुरूप मखाना के उत्पादन, गुणवत्ता, पैकेजिंग, प्रसंस्करण एवं निर्यात व्यवस्था को सुदृढ़ करना आवश्यक है। साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्पाद की पहचान के लिए सर्टिफिकेट ऑफ ओरिजिं को महत्वपूर्ण बताया। जिलाधिकारी कौशल कुमार ने एक्सपोर्टरों को मखाना की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने तथा जीआई टैग के लिए रजिस्ट्रेशन बढ़ाने का निर्देश दिया। उन्होंने मखाना विकास योजना के तहत उत्पादन क्षेत्र का विस्तार करने पर भी जोर दिया। बताया गया कि पिछले वर्ष जिले के 890 किसानों को योजना का लाभ मिला, जबकि मखाना अनुसंधान केंद्र द्वारा पिछले दो वर्षों में करीब पांच हजार किसानों को प्रशिक्षण दिया गया है। बैठक में एक्सपोर्टरों ने दरभंगा एयरपोर्ट से कार्गो सुविधा उपलब्ध कराने तथा मखाना के भंडारण, प्रसंस्करण और निर्यात के लिए पैक हाउस विकसित करने का सुझाव दिया। संयुक्त सचिव ने आवश्यक कार्रवाई एवं कार्यशाला आयोजित करने का निर्देश दिया। इसके बाद कृषि उत्पादन, फसल विविधीकरण, सिंचाई, मृदा स्वास्थ्य, उन्नत तकनीक, किसानों की आय वृद्धि तथा विभिन्न योजनाओं के अभिसरण की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों को आपसी समन्वय से परिणामोन्मुखी कार्ययोजना बनाकर किसानों को योजनाओं का समय पर लाभ पहुंचाने का निर्देश दिया गया।

ईद मिलाद-उन-नबी पर शहर से गांव तक निकला जुलूस-ए-मोहम्मदी

- किलाघाट में सीरत का तीन दिवसीय वार्षिक जलसा शुरू

दरभंगा। ईद मिलाद-उन-नबी के अवसर पर बुधवार को शहर से लेकर गांव तक जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला गया। सुबह से ही मुस्लिम बहुल मोहल्लों में नात-ए-पाक और सलाम की सदाएं गूंजने लगीं। लोग स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण कर हाथों में मिलादुन्नबी के झंडे लेकर किलाघाट स्थित अंजुमन के कार्यालय पहुंचने लगे। दशकों से जुलूस-ए-मोहम्मदी का आयोजन करने वाली अंजुमन खुद्दाम-ए-मिल्लत के अध्यक्ष मोईन कुरैशी और सचिव सैयद आफताब अशरफ के नेतृत्व में लोगों को मदरसा मैदान में कतारबद्ध किया गया। भीड़ बढ़ने के कारण सड़क पर भी कतार लगानी पड़ी। वार्ड पार्षद खलीकुज्जमा, सैयद अख्तर हुसैन, रिजवान अहमद, मुफ्ती फैजानुर्रहमान सुबहानी, खालिद रजा कादरी, वर्षे आलम तमन्ना, दीदार हुसैन चांद और एहतेशाम खां सहित अन्य लोगों ने व्यवस्था संभाली। पुलिस ने यातायात व्यवस्था को नियंत्रित करते हुए जुलूस को उर्दू, करमगंज, दारूभट्ठी चौक और नाका होते हुए खान चौक तक पहुंचाया। यहां अंजुमन कारवां-ए-मिल्लत के रियाज कादरी के नेतृत्व में सैकड़ों लोग जुलूस में शामिल हुए। इसके बाद जुलूस मिजार्पुर और दरभंगा टावर होते हुए वापस किलाघाट पहुंचा। सामूहिक दुआ के बाद जुलूस का समापन हुआ और लोग अपने घर लौट गए। इधर, बुधवार की शाम मदरसा मैदान, किलाघाट में सीरत का तीन दिवसीय वार्षिक जलसा शुरू हुआ। जलसे में पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के जीवन, उनके आदर्शों और मानवता व भाईचारे के संदेश पर वक्ताओं ने प्रकाश डाला।

बुजुर्ग दंपति हत्या मामले में अज्ञात के विरुद्ध दिया आवेदन

प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर। थाना क्षेत्र के भरपुरा पटपारा वार्ड 11 में सोमवार की रात्रि अज्ञात अपराधियों ने एक दंपति 70 वर्षीय बंगाली दास एवं उनकी 65 वर्षीय पत्नी धनमा देवी को चाकू गोदकर नृशंसता पूर्वक हत्या कर दिया। बंगाली दास का शव चौकी पर एवं उनकी पत्नी का शव फर्श पर खून से सना पड़ा। मृतक के तीन पुत्र राम विनोद, राम आशीष और राम प्रकाश सपरिवार दिल्ली में रहकर मजदूरी करते हैं। तीन बेटियां भी शादीशुदा है। घटना को लेकर क्षेत्र में जहां मंगलवार की पूरे दहशत था वहीं पुलिस महकमा में भी हरकंप मचा हुआ था। पोस्टमार्टम के बाद मृतक दंपति का शव तीनों पुत्रों के आने के इंतजार में दरवाजे पर रखा रहा। बुधवार को मृतक के तीनों पुत्र सपरिवार गांव पहुंचे। एक बार पुनः चीत्कार से पूरा माहौल गमगीन हो गया। लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। मृतक के पुत्र ने घटना को लेकर अज्ञात के विरुद्ध थाना में लिखित आवेदन दिया एवं माता-पिता का घर के बगल में ही रीति रिवाज के अनुसार दफन किया। बताया गया कि दंपति कबीर के पुजारी थे। इसीलिए उनका दफन किया गया। बता दें कि घटना की जानकारी मिलते ही डीआईजी मनोज कुमार तिवारी, एसपी अरविंद प्रताप सिंह, डीएसपी संजय कुमार सिन्हा, इंस्पेक्टर मनोज कुमार, थाना अध्यक्ष सुनील कुमार झा सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल घटनास्थल पहुंचकर प्रारंभिक जांच की एवं लोगों से पूछताछ किया। वही डॉग स्क्वाड एवं फॉरेंसिक टीम भी साक्ष्य जुटाने में लगे रहे। फिलहाल प्रारंभिक जांच में टेक्निकल टीम कोई ठोस नतीजे पर नहीं पहुंच सका। मामले की जांच जारी है।

संस्कृत सप्ताह दिवस के अवसर पर सेमिनार आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर। प्रखंड अंतर्गत डीबीकेएन कॉलेज नरहन में संस्कृत सप्ताह दिवस के अवसर पर संस्कृत विभाग एवं अंग्रेजी विभाग के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भारतीय ज्ञान प्रणाली में संस्कृत का योगदान तथा अंग्रेजी विषय द रोल ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन इंग्लिश कम्युनिकेशन स्किल विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। छात्रों ने हिंदी एवं संस्कृत भाषा में स्वागत गान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन कॉलेज छात्र केशव झा कर रहे थे। संस्कृत विभाग की प्राध्यापिका रेणु कुमारी ने स्वागत गान में भारतीय ज्ञान प्रणाली में संस्कृत के योगदान को विस्तार से बताते हुए कहा कि यह भारत की प्राचीन, बौद्धिक, दर्शन, विज्ञान, गणित, सांस्कृतिक की अमूल धरोहर है। यह भारतीय ज्ञान प्रणाली की मुख्य संवाहिका, लालित्यपूर्ण साहित्य, काव्यशास्त्र सौंदर्यबोध का समृद्ध करने वाली भाषा है। इसकी रस, छंद और अलंकार की विरासत आज

नेपाल में आई बाढ़ के कारण उत्पन्न स्थिति की डीएम, एसएसपी ने की समीक्षा

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। नेपाल में तिब्बत की सीमा से सटे क्षेत्रों में अचानक आए भीषण बाढ़ के कारण उत्पन्न स्थिति के मद्देनजर ज़िलाधिकारी एवं वरीय पुलिस अधीक्षक द्वारा अधिकारियों के साथ तैयारियों की समीक्षा की गई तथा अधिकारियों को सरकार द्वारा निर्धारित एसओपी के अनुसार सभी आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। डीएम ,एसएसपी ने आज रेवाघाट में गंडक नदी का भी जायजा लिया। ज़िलाधिकारी ने कहा कि गंडक नदी के किनारे स्थित इलाकों में अलर्ट घोषित किया गया है। मुजफ्फरपुर जिला में साहिबगंज, सरैया एवं पारू प्रखंडों के प्रभावित होने की संभावना है। उन्होंने जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि फ़्लैश फ्लड की आशंका के मद्देनजर तटबंधों की सुरक्षा सुनिश्चित करें। अंचल अधिकारी को निर्देश दिया गया कि लोगों की सुरक्षा के लिए बांधों के बीच रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाने की व्यवस्था करें। जनप्रतिनिधियों सहित सभी हितधारकों से सतत समन्वय स्थापित रखें। कम्युनिटी किचन, मेडिकल कैम्प, पशु चारा शिविर इत्यादि का संचालन सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने कहा कि लोग पैनिक एकदम न हों। जिला प्रशासन पूर्णतः सजग, सतर्क एवं तत्पर है।जिलाधिकारी ने कहा कि आपदा की स्थिति में सामान्य जन-जीवन प्रभावित न हो यह सुनिश्चित करने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार सभी तैयारी की गई है। विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों को आपस में समन्वय स्थापित कर मिशन मोड में काम करने का निदेश दिया गया है।उन्होंने कहा कि बाढ़ आने की स्थिति में प्रभावितों के जान-माल की सुरक्षा एवं ससमय राहत पहुँचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जल संसाधन विभाग, स्वास्थ्य, कृषि, पशुपालन, पी.एच.ई.डी., पंचायती राज विभाग, ग्रामीण विकास विभाग सहित संबंधित सभी विभागों के पदाधिकारी आपस में सुदृढ़ समन्वय तथा सार्थक संवाद स्थापित रखें एवं परिस्थिति के अनुसार त्वरित गति से कार्य करें।

एनटीपीसी के प्रतिबंधित क्षेत्र में झाड़ियों से श्रमिक का शव बरामद, इलाके में सनसनी

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। कांटी थाना क्षेत्र के कोठिया गांव स्थित एनटीपीसी के प्रतिबंधित क्षेत्र एस डाइक लैगून-1 में बुधवार को झाड़ियों के बीच एक श्रमिक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव मिलने की सूचना के बाद घटनास्थल पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। मृतक की पहचान नगर परिषद कांटी क्षेत्र के कोठिया गांव निवासी शंभू सहनी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि शंभू ट्रैक्टर से छाई ढुलाई का मजदूरी का काम करता था। बुधवार को प्रतिबंधित क्षेत्र में झाड़ियों के बीच शव मिलने के बाद ग्रामीणों ने पुलिस को इसकी जानकारी दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका फिलहाल स्पष्ट पता नहीं चल सका है। पुलिस मृतक के परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ कर घटना से जुड़े तथ्यों की जानकारी जुटा रही है। मौत के कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगा। घटना के बाद मृतक के परिजनों में चीख-पुकार मची हुई है। वहीं, स्थानीय लोगों में भी घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हैं। पुलिस फिलहाल सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। इधर, घटना को लेकर एनटीपीसी कांटी के एजीएम आनंद कुमार झा ने कहा कि इस घटना से एनटीपीसी कांटी का कोई संबंध नहीं है। उन्होंने बताया कि शव एनटीपीसी के प्रतिबंधित क्षेत्र में मिला है, लेकिन घटना का एनटीपीसी से कोई वास्ता नहीं है। फिलहाल पुलिस जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। इसके बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि श्रमिक युवक की मौत कैसे और किन परिस्थितियों में हुई।

बेलसंड के लोजपा विधायक पर कसा शिकंजा 25 कांड दर्ज, 8 मामले में विधायक नामजद

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर । जिले के अहियापुर थाना क्षेत्र के झपहां-उदनडीह में जमीन पर कब्जे और तोड़फोड़ के मामले ने अब सियासी गलियारों में भी हलचल तेज कर दी है। 20 अगस्त को 50 से ज्यादा बदमाशों के कथित उत्पात के बाद पुलिस ने कार्रवाई का दायरा बढ़ाते हुए बेलसंड के लोजपा (आर) विधायक अमित कुमार रानू पर भी शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। मुजफ्फरपुर के एसएसपी कांतेश कुमार मिश्रा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि मामले से जुड़े अब तक 25 कांड दर्ज हो चुके हैं और इनमें 8 मामलों में विधायक को नामजद आरोपी बनाया गया है। पुलिस अब न्यायालय से वारंट लेने की प्रक्रिया में जुटी है और वारंट मिलते ही गिरफ्तारी की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस के मुताबिक 20 अगस्त को स्कॉर्पियो, थार, जेसीबी और बाइक से 50 से अधिक लोग झपहां-उदनडीह पहुंचे थे। आरोप है कि इन लोगों ने कई जमीनों पर बनी चहारदीवारी और मकानों को जेसीबी से तोड़ दिया। विरोध करने पर जमीन मालिकों के साथ मारपीट और धमकी देने की बात भी सामने आई। पुलिस के अनुसार एक व्यक्ति को जेसीबी के नीचे फेंकने का प्रयास तक किया गया। आरोप यह भी है कि जमीन खाली करने के लिए दबाव बनाया गया और कथित तौर पर कहा गया कि जमीन पर रहना है तो ह्यबॉसह्न को पैसा देना होगा। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी ने विशेष टीम गठित की। पुलिस ने घटना के 24 घंटे के भीतर नामजद आरोपी सुमित कुमार श्रीवास्तव और अप्राथमिकी अभियुक्त सन्नी सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इसके बाद 21 पीड़ितों ने अलग-अलग आवेदन दिए, जिन पर भी प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस टीम ने विधायक अमित रानू के मुजफ्फरपुर के बैरिया स्थित आवास पर सर्च ऑपरेशन चलाया। अभियान के दौरान तीन डीएसपी समेत बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा। पुलिस ने वर्ष 2017 का हस्ताक्षरित ब्लैंक स्टांप पेपर, पार्टनरशिप एग्रीमेंट और बैंक स्टेटमेंट जब्त करने की बात कही है। तलाशी अभियान के दौरान पुलिस से कथित बदसलूकी और सरकारी काम में बाधा डालने को लेकर अलग प्राथमिकी भी दर्ज की गई है।

खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने शहर के मिठाई दुकानों में की छापेमारी ,लिया सैम्पल

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। खाद्य सुरक्षा विभाग ने मिलावटी और संदिग्ध खाद्य पदार्थों की बिक्री के खिलाफ कार्रवाई की है। विभाग की टीम ने शहर की कई मिठाई दुकानों पर एक साथ छापेमारी कर जांच अभियान चलाया। अचानक हुई कार्रवाई से मिठाई कारोबारियों में हड़कंप मच गया और दुकानदारों के बीच बेचैनी बढ़ गई।बताया जा रहा है कि खाद्य सुरक्षा विभाग को लगातार सूचना मिल रही थी कि बाजार में कथित तौर पर नकली सामग्री से तैयार खाद्य पदार्थों की बिक्री की जा रही है। रक्षाबंधन का त्योहार नजदीक होने के कारण मिठाई और डेयरी उत्पादों की मांग बढ़ने की संभावना है। ऐसे में विभाग ने खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए जांच अभियान शुरू किया।विभागीय टीम ने अलग-अलग मिठाई दुकानों पर पहुंचकर वहां बिक्री के लिए रखी मिठाइयों और अन्य खाद्य सामग्री की जांच की। इस दौरान विभिन्न दुकानों से मिठाई, पनीर और अन्य खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए। इन सैंपलों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे जाने की प्रक्रिया की जा रही है। रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि संबंधित खाद्य पदार्थ निर्धारित मानकों पर खरे उतरते हैं या नहीं।फूड सेफ्टी विभाग की इस कार्रवाई के बाद कारोबारियों के बीच हड़कंप मचा हुआ है। दुकानदार अब अपने स्टॉक और खाद्य सामग्री की गुणवत्ता को लेकर सतर्क हो गए हैं। विभाग की टीम ने खाद्य पदार्थों के रखरखाव और गुणवत्ता से जुड़े पहलुओं को भी जांच के दायरे में लिया है।

सीतामढ़ी–मुजफ्फरपुर रेल लाइन दोहरीकरण के लिए भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया तेज, पांच सदस्यीय समिति गठित

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।सीतामढ़ी-मुजफ्फरपुर रेल लाइन दोहरीकरण विशेष रेल परियोजना के तहत भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया ने रफ्तार पकड़ ली है। अधिग्रहित की जाने वाली जमीनों की वास्तविक प्रकृति और उचित मुआवजा दर निर्धारित करने के लिए जिलाधिकारी के निर्देश पर पांच सदस्यीय उच्चस्तरीय समिति का गठन किया गया है। समिति संबंधित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण कर विस्तृत रिपोर्ट जिला भू-अर्जन कार्यालय को सौंपेगी। पूर्व मध्य रेलवे, हाजीपुर के उप मुख्य अभियंता (निर्माण-01) द्वारा 17 जुलाई को भूमि अधिग्रहण का आधिकारिक प्रस्ताव भेजा गया था। इसके बाद राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप आगे की प्रक्रिया शुरू की गई है। नई व्यवस्था के तहत जमीन का मुआवजा पुराने खतियान के आधार पर नहीं, बल्कि उसके वर्तमान उपयोग और वास्तविक स्वरूप के आधार पर तय किया जाएगा। समिति भौतिक सत्यापन कर यह जांच करेगी कि संबंधित भूमि आवासीय, व्यावसायिक या कृषि उपयोग में है। इसके आधार पर रैयतों को उचित और पारदर्शी बाजार मूल्य सुनिश्चित किया जाएगा। रेल लाइन दोहरीकरण परियोजना के लिए बोचहां अंचल के झपहां मौजा (थाना संख्या-594), औराई अंचल के धरहरवा उर्फ परी धरहरवा मौजा (थाना संख्या-01), तथा मीनापुर अंचल के छपरा मोबारक (थाना संख्या-596) और शाहपुर मुतालुके अहियापुर (थाना संख्या-597) मौजों में भूमि अधिग्रहण किया जाना है। मूल्यांकन और जांच के लिए गठित समिति में अपर समाहर्ता (राजस्व) को अध्यक्ष बनाया गया है। उप विकास आयुक्त, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, जिला अवर निबंधक तथा भूमि सुधार उप समाहर्ता (डीसीएलआर) को समिति का सदस्य बनाया गया है। जिला भू-अर्जन पदाधिकारी समिति के सदस्य सचिव होंगे। अधिकारियों के अनुसार समिति की रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद संबंधित आंकड़ों को केंद्र सरकार के भूमि राशि पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। इसके पश्चात भूमि अधिग्रहण अधिनियम की धारा-20ए के तहत अधिसूचना जारी कर आगे की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। सीतामढ़ी-मुजफ्फरपुर रेल लाइन दोहरीकरण परियोजना को उत्तर बिहार की महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं में माना जा रहा है। इसके पूरा होने से रेल परिचालन में सुधार होगा और क्षेत्र की रेल कनेक्टिविटी को नई गति मिलने की उम्मीद है।

गायघाट में ईद-उल-नबी पर निकला जुलूस, सुरक्षा के रहे पुख्ता इंतजाम

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। ईद-ए-मिलादुन्नबी के मुबारक मौके पर गायघाट क्षेत्र में अकीदत और एहतराम के साथ जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला गया। इस दौरान फिजां में सरकार की आमद मरहबा के तराने गूंजते रहे। जुलूस को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित तरीके से संपन्न कराने के लिए प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद साहब के यौम-ए-पैदाइश के मौके पर गायघाट के विभिन्न इलाकों से निकले जुलूस में बड़ी संख्या में बच्चे, युवा और बुजुर्ग शामिल हुए। लोगों ने हाथों में इस्लामी परचम लेकर जुलूस में शिरकत की। जुलूस निर्धारित मार्गों से होकर गुजरा। इस दौरान जगह-जगह स्थानीय लोगों ने जुलूस का स्वागत किया तथा मिठाई और शर्बत का वितरण किया। शांति एवं सौहार्द बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। संवेदनशील चौराहों और प्रमुख मार्गों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। जुलूस मार्ग की निगरानी के लिए ड्रोन कैमरों और सीसीटीवी का भी सहारा लिया गया, ताकि किसी भी असामाजिक गतिविधि पर तत्काल नजर रखी जा सके। स्थानीय पुलिस अधिकारी क्षेत्र में फ्लैग मार्च करते हुए सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते नजर आए। प्रशासन की मुस्तैदी और स्थानीय लोगों के सहयोग से ईद-उल-नबी का पर्व गायघाट में शांतिपूर्ण माहौल और आपसी भाईचारे के साथ संपन्न हुआ।

छह माह से 19 वर्ष तक के बच्चों–किशोरों की होगी हीमोग्लोबिन जांच,30 नवंबर तक चलेगा अभियान

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले में भी सदर अस्पताल, अनुमंडलीय अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में हेमोग्लोविन जांच अभियान की शुरूआत की गई है।अभियान के तहत छह माह से लेकर 19 वर्ष तक के बालक एवं बालिकाओं के हीमोग्लोबिन स्तर की जांच की गई। इसके अतिरिक्त गर्भवती एवं धात्री महिलाओं के हीमोग्लोबिन की भी जांच की गई। यह अभियान 25 अगस्त 2026 से प्रारम्भ होकर 30 नवंबर 2026 तक संचालित किया जाएगा। जांच के दौरान जिन बच्चों, किशोर-किशोरियों एवं महिलाओं में हीमोग्लोबिन का स्तर निर्धारित मानक से कम पाया जाएगा, उन्हें आवश्यकतानुसार आयरन सिरप तथा आईएफए की गुलाबी, नीली एवं लाल गोलियां उपलब्ध कराई जाएंगी। अभियान के माध्यम से अनीमिया की पहचान कर समय पर उपचार एवं दवा उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।अनीमिया से प्रभावित बच्चों, युवाओं एवं महिलाओं में निचले पलक के अंदरूनी हिस्से की लालिमा में कमी, त्वचा एवं हथेली का पीलापन या लालिमा में कमी, नाखूनों में बदलाव, जीभ में सूजन, जल्दी थकान, सांस फूलना, पढ़ाई एवं खेलकूद में मन नहीं लगना, सुस्ती एवं अधिक नींद आना, बार-बार बीमार पड़ना तथा भूख नहीं लगना जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों में अनीमिया की स्थिति की यथाशीघ्र पहचान कर समय पर उपचार एवं आवश्यक दवा उपलब्ध कराना है, ताकि बच्चों, किशोर-किशोरियों, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को अनीमिया से बचाया जा सके तथा उनके स्वास्थ्य में सुधार सुनिश्चित किया जा सके।

श्रद्धा और उल्लास के साथ निकाला गया ईद-ए- मिलादुन्नबी का जुलूस

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के बोचहा प्रखंड क्षेत्र में ईद-ए-मिलादुन्नबी के मौके पर जुलूस-ए-मोहम्मदी पारंपरिक श्रद्धा और उल्लास के साथ निकाला गया। पूरा इलाका सरकार की आमद मरहबा और या रसूलअल्लाह , आमना के लाल के नारों से गुंजायमान रहा। जुलूस की शुरूआत पटियासा , सुल्तान बस्ती, भूसाही, हथौड़ी एतवारपुर ताज के शाही जामा मस्जिद से हुई, जो शर्फुद्दीनपुर, मैदापुर , सहित गुदरी बाजारों से होते हुए एवारपुर चौक पहुंचकर संपन्न हुई। जुलूस में शामिल लोग हाथों में हरे परचम लिए नबी की शान में नात-ए-पाक पढ़ते चल रहे थे। जुलूस का जगह-जगह अन्य समुदाय के लोगों और समाजसेवियों ने फूल बरसाकर स्वागत किया। विभिन्न कमेटियों की ओर से श्रद्धालुओं के लिए शरबत, फल और लंगर के स्टॉल लगाए गए थे, जो आपसी भाईचारे और कौमी एकता की मिसाल पेश कर रहे थे। इस मौके पर मौलाना इमामुद्दीन अली अहमद, एनायतुल्लाह अशरफी, मौलाना फखरे आलम, ने हजरत मोहम्मद साहब की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पैगंबर साहब ने दुनिया को अमन, मोहब्बत, और इंसानियत का पैगाम दिया। हमें उनके बताए रास्ते पर चलकर समाज में शांति और भाईचारा बनाए रखना चाहिए।

कृषि बजट का बड़ा हिस्सा खर्च नहीं होने से किसानो का हो रहा खेती से मोहभंग

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बिहार में कृषि बजट का बड़ा हिस्सा खर्च नहीं किए जाने और कृषि योजनाओं का लाभ वास्तविक किसानों तक नहीं पहुंचने को लेकर किसानों में नाराजगी बढ़ रही है। किसानों का कहना है कि खेती की बढ़ती लागत, मजदूरों के पलायन, प्राकृतिक आपदा और मौसम की मार के बीच सरकारी योजनाएं राहत देने में प्रभावी साबित नहीं हो रही हैं।बोचहां प्रखंड के रामपुर जयपाल निवासी किसान वीरेंद्र सिंह ने बताया कि पिछले वर्ष उन्होंने दो एकड़ में धान की खेती की थी। लागत और मेहनत के बावजूद अपेक्षित लाभ नहीं मिला। किसानों ने कृषि विभाग के बजट खर्च पर भी सवाल उठाए हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2020-21 में कृषि विभाग का बजट 3435.02 करोड़ रुपये था, जबकि वास्तविक खर्च 1498.54 करोड़ रुपये हुआ। इसी तरह 2021-22 में 476.38 करोड़ रुपये के बजट में 1927.93 करोड़ रुपये खर्च किए जाने का आंकड़ा दिया गया है। 2022-23 में 4379.62 करोड़ के बजट में 2571.44 करोड़ तथा 2023-24 में 4240.44 करोड़ के बजट में 2289.28 करोड़ रुपये खर्च किए गए।किसानों का कहना है कि बजट की बड़ी राशि खर्च नहीं होने का सीधा असर कृषि योजनाओं और किसानों को मिलने वाली सुविधाओं पर पड़ता है। उनका आरोप है कि योजनाओं का लाभ कई बार वास्तविक किसानों के बजाय बिचौलियों तक सीमित रह जाता है।किसानों ने मांग की है कि कृषि विभाग के अधिकारी नियमित रूप से पंचायत और गांवों में जाकर किसानों से संवाद करें तथा उनकी समस्याओं के आधार पर योजनाएं तैयार की जाएं। किसानों का कहना है कि खेती को बचाने के लिए अब कागजी योजनाओं के बजाय खेतों में जाकर काम करने की जरूरत है।

सकरा छिनतई कांड का उद्भेदन दो गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर। सकरा थाना क्षेत्र के दुबहा में महिला से हुई सोने की चेन और मंगलसूत्र छिनतई की घटना का पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर सफल उद्भेदन कर दिया। पुलिस ने मामले में वैशाली जिले के दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान महनार थाना क्षेत्र निवासी मो. साहिल कुमार और देसरी थाना क्षेत्र निवासी अमित कुमार उर्फ सन्नी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, 24 अगस्त को दुबहा में मोटरसाइकिल सवार दो अज्ञात बदमाशों ने रानी देवी के गले से सोने की चेन एवं मंगलसूत्र छीन लिया। घटना के बाद महिला के शोर मचाने और लोगों के जुटने पर पकड़े जाने के डर से दोनों बदमाश मोटरसाइकिल छोड़कर फरार हो गए। सूचना मिलते ही सकरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल से मोटरसाइकिल जब्त कर ली।रानी देवी के आवेदन के आधार पर सकरा थाना कांड संख्या 511/26 दर्ज किया गया। इसके बाद वरीय पुलिस अधीक्षक, मुजफ्फरपुर के निर्देशन, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के अनुश्रवण तथा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पूर्वी-02 के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई।गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना में संलिप्त मो. साहिल को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तारी के दौरान भागने के प्रयास में साहिल मोटरसाइकिल से गिरकर घायल हो गया। उसका इलाज एसकेएमसीएच में चल रहा है।

तिब्बत प्रभाग में एक ग्लेसियर फटने से गंडक नदी में जलस्तर बढ़ने की संभावना, अलर्ट जारी

मुजफ्फरपुर। अपराह्न 9 बजै तिब्बत प्रभाग में ग्लेसियर फटने के कारण नेपाल स्थित त्रिशूली नदी के जलस्तर में अचानक लगभग 3 मीटर का उछाल आया है। इस घटना के फलस्वरूप इसके निम्नप्रवाह में गंडक नदी के जलश्राव एवं जलस्तर में भी अप्रत्याशित वृद्धि सभावित है। आपदा-प्रबंधन विभाग द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार,बुधवार को मध्यान 12 बजे वाल्मीकिनगर स्थित गंडक बराज से 86 हजार क्यूसेक का जलश्राव प्रवाहित हुआ है, जिसकी प्रवृत्ति बढ़ने की है। नेपाल प्रभाग स्थित नारायणी नदी का देवघाट गेज स्थल पर वर्तमान जलस्तर 4.77 मीटर है। इस स्थल पर खतरे का निशान 9 मीटर एवं चेतावनी स्तर 7.30 मीटर है। यहां नदी में पानी बढ़ने पर गंडक बराज तक पहुंचने में लगभग 3.50 घंटा समय लगने की संभावना है। आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा इस घटना पर त्वरित सतर्कता बरतते हुए वाल्मीकिनगर स्थित गंडक बराज के सभी 36 गेटों को खोला गया है एवं गंडक बराज पर मुख्यालय स्तर से अधीक्षण अभियंता के नेतृत्व में एक तकनीकी दल को भेजा गया है। साथ ही गंडक नदी बेसिन में अवस्थित सभी जिलों में चेतावनी संवाद जारी कर दिया गया है। इस संबंध में विभागीय पदाधिकारियों को संभावित आकस्मिक स्थिति के मद्देनजर सभी आवश्यक तैयारियों सुनिश्चित करते हुए लगातार चौकसी एवं निगरानी बरतने हेतु निदेशित किया गया है। इस क्रम में बाढ की स्थिति से निपटने हेतु सामग्रियों के भंडारण एव तटबंधों के सतत निरीक्षण का पुख्ता इंतजाम किया गया है।इस संबंध में मुख्य सचिव के स्तर से संबंधित सभी जिला पदाधिकारी के साथ अकस्मात बैठक आहूत कर मामले से अवगत कराते हुए सभी आवश्यक तैयारियाँ यथा तटबंध के अंदर के आवासितों को माईकिंग कराकर अवगत कराना तथा ससमय सुरक्षित स्थान पर ले जाने हेतु आवश्यक तैयारी सुनिश्चित करने हेतु निदेशित किया गया। एनडीआरएफ एवं एसडीआरएफ की टीमों को संभावित प्रभावित क्षेत्रों में नियुक्त किया जा रहा है।

बाढ़ की स्थिति में बचाव हेतु सरकार द्वारा जारी एडवाइजरी का पालन करें: जिलाधिकारी

प्रात : किरण संवाददाता

नेपाल में गंडक नदी के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र में फ्लैश फ्लड की स्थिति उत्पन्न होने तथा परिणामस्वरूप गंडक नदी के जलप्रवाह में संभावित आकस्मिक वृद्धि को ध्यान में रखते हुए सरकार के निर्देश के आलोक में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। ज़िलाधिकारी, मुजफ्फरपुर एवं वरीय पुलिस अधीक्षक, मुजफ्फरपुर द्वारा स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। दोनों अधिकारियों ने आज विभिन्न विभागों के वरीय पदाधिकारियों के साथ रेवा घाट सहित गंडक नदी के किनारे अनेक स्थानों पर निरीक्षण किया तथा बाढ़ की स्थिति में तैयारियों की समीक्षा की। ज़िलाधिकारी एवं वरीय पुलिस अधीक्षक ने स्थानीय निवासियों से भी संवाद स्थापित किया एवं उनका सुझाव लिया। अधिकारियों को स्थिति पर लगातार नजर रखने; नदी के जलस्तर, तटबंधों, निचले इलाकों, पुल-पुलियों एवं अन्य संवेदनशील क्षेत्रों की लगातार निगरानी करने तथा स्थानीय निवासियों से सतत संपर्क स्थापित रखने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि आपदा की स्थिति में सामान्य जन-जीवन प्रभावित न हो यह सुनिश्चित करने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार सभी तैयारी की गई है। लोग एकदम पैनिक न हों लेकिन सजग एवं सतर्क रहें। सुरक्षित स्थानों पर रहें। बच्चों, गर्भवती महिलाओं, बीमार लोगों और बुजुर्ग व्यक्तियों का विशेष ध्यान रखें। जिलाधिकारी ने लोगों से आह्वान करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार के अफवाह पर ध्यान न दें। अपुष्ट, अप्रामाणिक एवं भ्रामक सूचनाओं को प्रसारित न करें। प्रशासन द्वारा दी जा रही सूचनाओं पर ही ध्यान दें तथा बाढ़ की स्थिति में बचाव हेतु सरकार द्वारा जारी एडवाइजरी का अनुपालन करें।ज़िलाधिकारी ने कहा कि उत्पन्न स्थिति के मद्देनजर तटबंधों की निगरानी, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ टीम की तैनाती, सामुदायिक रसोई केन्द्रों का संचालन, सूखा राशन का वितरण, स्वास्थ्य जाँच तथा दवाओं की उपलब्धता, कुट्टी-भूसा पशु चारा का वितरण एवं पशु चिकित्सा की उपलब्धता, स्वच्छ पेयजल, शौचालय की सुविधा सहित आपदा प्रबंधन के दृष्टिकोण से राहत एवं बचाव कार्य संबंधी सभी तैयारियाँ पूरी की गयी है। अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को लगातार क्षेत्र भ्रमण करने; बच्चों, महिलाओं, किसानों, बुजुर्गों सहित आम जनता से नियमित संवाद स्थापित करने एवं फीडबैक लेने तथा स्थिति के अनुसार तुरंत रिस्पॉन्ड करने का निदेश दिया गया है। जिलाधिकारी ने कहा कि बाढ़ प्रभावितों के जान-माल की सुरक्षा एवं ससमय राहत पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

रेलवे हाल्ट पर मिला युवक का शव , हत्या की आशंका

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। औराई प्रखंड अंतर्गत मुजफ्फरपुर - सीतामढ़ी रेल लाईन पर बेनीपुर रेलवे हॉल्ट के पास पगडंडी पर एक युवक का शव मिला है। मृतक की पहचान बेदौल गांव निवासी भागीरथ राय के पुत्र अशोक राय (38) के रूप में हुई है। शव की स्थिति और शरीर पर मिले चोट के निशान देखकर उसके साथ मारपीट के बाद हत्या किए जाने की आशंका जताई जा रही है।घटनास्थल के पास खून से सना एक पत्थर भी मिला है। आशंका है कि इसी पत्थर से सिर के पीछे वार किया गया है। हालांकि, हत्या की वजह और वारदात में शामिल लोगों की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। घटना औराई थाना क्षेत्र के जनार पंचायत की है।परिजनों के अनुसार, अशोक राय मंगलवार शाम घर के लिए सब्जी खरीदने निकले थे। इसके बाद वह घर नहीं लौटे। बुधवार सुबह बेनीपुर रेलवे हॉल्ट के पास शव मिलने की सूचना मिली तो परिजन मौके पर पहुंचे और उसकी पहचान की। अशोक के दो पुत्र हैं। समाचार लिखे जाने तक परिजनों की ओर से पुलिस में शिकायत नहीं की गई थी।

साली को लेकर जीजा फरार,पत्नी ने की पुलिस से शिकायत

मुजफ्फरपुर। बोचहां थाना क्षेत्र के आदिगोपालपुर निवासी महिला ने पति पर अपनी 16 वर्षीय छोटी बहन को बहला-फुसलाकर ले जाने और मंदिर में शादी करने का आरोप लगाया है। महिला ने थाने में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। महिला के अनुसार, उसकी शादी छह वर्ष पहले हुई थी और उसके दो बच्चे हैं। वह पति के साथ दिल्ली में रहती थी। आरोप है कि पति शराब पीकर उसके साथ मारपीट करता था और उसके खरीदे दो ई-रिक्शा भी बेच दिए। 18 अगस्त को पति उसकी छोटी बहन को लेकर चला गया। विरोध करने पर ससुराल वालों ने उसके साथ मारपीट कर दिल्ली से भगा दिया। महिला ने पति और ससुराल वालों पर साजिश में शामिल होने का आरोप लगाया है। थाना अध्यक्ष यशवंत कुमार मिश्रा ने बताया कि मामले की उन्हें जानकारी नहीं है।

औराई में सैनिक स्कूल की पहल तेज , जिला प्रशासन से प्रस्ताव भेजने को कहा

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बिहार में मुजफ्फरपुर के विद्यार्थियों के लिए शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी उम्मीद जगी है। केंद्र सरकार की देश में 100 नए सैनिक स्कूल खोलने की योजना के तहत मुजफ्फरपुर जिले के औराई में भी सैनिक स्कूल स्थापित करने की पहल शुरू हो गई है। राज्य के पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री रमा निषाद ने जिला प्रशासन से इस संबंध में प्रस्ताव तैयार कर भेजने को कहा है। प्रस्ताव भेजे जाने के बाद केंद्र स्तर पर आगे की प्रक्रिया शुरू होने की उम्मीद है। औराई में सैनिक स्कूल खोलने को लेकर मंत्री रमा निषाद पहले ही पहल कर चुके हैं। उन्होंने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को पत्र भेजकर पीपीपी (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) मोड में प्रस्तावित सैनिक स्कूल के लिए औराई का चयन करने का आग्रह किया था। मंत्री ने कहा था कि औराई क्षेत्र में पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों की बड़ी संख्या को देखते हुए यहां सैनिक स्कूल की स्थापना काफी उपयोगी साबित हो सकती है। मंत्री के अनुसार सैनिक स्कूल खुलने से ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ सैन्य प्रशिक्षण और अनुशासन आधारित शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। इससे क्षेत्र के विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक माहौल के लिए दूसरे जिलों की ओर जाने की आवश्यकता भी कम हो सकती है। इस संबंध में रक्षा मंत्रालय की ओर से मिले जवाब में बताया गया कि बिहार के मुजफ्फरपुर और मुंगेर जिले से सैनिक स्कूल की स्थापना के लिए प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है। इसके बाद औराई में सैनिक स्कूल की स्थापना के लिए जिला प्रशासन की ओर से प्रस्ताव तैयार कर संबंधित स्तर पर भेजने की कवायद शुरू की जा रही है। केंद्र सरकार की योजना के तहत प्रस्तावित नए सैनिक स्कूल पीपीपी मॉडल पर स्थापित किए जाने हैं। औराई का चयन होने पर यहां आधुनिक सुविधाओं के साथ विद्यार्थियों को शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में काम किया जा सकेगा। सैनिक स्कूल की स्थापना से क्षेत्र के विद्यार्थियों को अपने जिले में ही बेहतर शैक्षणिक अवसर मिलने की उम्मीद है। मंत्री रमा निषाद ने जिला पदाधिकारी को जल्द प्रस्ताव तैयार कर संबंधित स्तर पर भेजने को कहा है। जिला प्रशासन की ओर से प्रस्ताव भेजे जाने के बाद केंद्र स्तर पर आगे की कार्रवाई होगी। अब औराई के लोगों और विद्यार्थियों की नजर प्रस्ताव को मिलने वाली मंजूरी तथा सैनिक स्कूल की स्थापना की प्रक्रिया की गति पर टिकी है।

लाईन दोहरीकरण कार्य के कारण कई ट्रेनों के परिचालन में बदलाव

मुजफ्फरपुर। वाराणसी मंडल के गोरखपुर कैंट-पनियहवा रेलखंड पर गोरखपुर कैंट और उनौला स्टेशनों के बीच पैच दोहरीकरण के कमीशनिंग कार्य के लिए नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य

सम्पादकीय

शिक्षित राष्ट्र के बिना विश्व गुरु की अवधारणा बेमानी

हमारे देश में पिछले एक दशक से भारत को विश्वगुरु बनाने का ढोल पीटा जा रहा है। इसी विमर्श के समानांतर इस समय देश में शिक्षा को लेकर भी बड़ी बहस छिड़ी हुई है। अतः इसी सन्दर्भ में यह सवाल भी जरूरी हो गया है कि क्या शिक्षा के बिना या शिक्षित हुये बिना भी भारत विश्वगुरु बन सकता है ? नीति आयोग और शिक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट बताती है कि पिछले एक दशक में देशभर में लगभग 94,000 सरकारी स्कूल या तो पूरी तरह बंद किये जा चुके हैं या उनका अन्य स्कूलों में विलय कर दिया गया है। ।वउक्रए अर्थात यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इंफोर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन के हालिया आंकड़े व नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, एक साल के भीतर देश भर में 4,791 स्कूल बंद हुए हैं। इसकी वजह से शहरों के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी निजी स्कूलों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। परिणामस्वरूप शिक्षा गरीबों की पहुँच से दूर हो चुकी है। और जो स्कूल चल भी रहे हैं उनमें से अधिकांश की हालत किसी से छुपी नहीं है। यहाँ अक्टूबर 2022 की गुजरात की उस घटना का जिक्र भी प्रासंगिक है जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गांधीनगर के अडालज में ह्यमिशन स्कूल्स ऑफ एक्सीलेंसह्न के शुभारंभ के दौरान अस्थाई रूप से बनाये गये एक मॉडल क्लासरूम में बच्चों के साथ बैठे नजर आये थे। सरकार के अनुसार, इस योजना का उद्देश्य गुजरात के सरकारी स्कूलों में स्मार्ट क्लास, कंप्यूटर लैब और डिजिटल बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण करना बताया गया था। उस समय विपक्षी नेताओं ने दावा किया कि प्रधानमंत्री जिस क्लासरूम में बैठे थे, वह एक अस्थायी या कृत्रिम क्लासरूम था। संबंधित तस्वीरों का हवाला देते हुए दीवारों और खिड़कियों के पेंटिंग के स्टिकर होने का दावा किया गया था और इसे ह्यफोटो शूटह्न करार दिया था। परन्तु अधिकारियों ने इसके जवाब में यह कहा था कि यह आगामी डिजिटल स्मार्ट स्कूलों का एक मॉडल प्रस्तुतीकरण था जो यह प्रदर्शित करने के लिए था कि भविष्य के क्लास रूम कैसे नजर आयेंगे। तो सवाल यह है कि गत चार वर्षों में मिशन स्कूल्स ऑफ एक्सीलेंस योजना के तहत अब तक उन मॉडल क्लासरूम की तरह देश में कितने आधुनिक क्लासरूम व आधुनिक स्कूल बनाये गये ? दूसरी ओर इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि दिल्ली में अरविंद केजरीवाल सरकार के दौरान अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रम्प ने 25 फरवरी 2020 को नई दिल्ली के मोतीबाग स्थित सर्वोदय सह-शिक्षा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का दौरा किया था। दिल्ली के सरकारी स्कूलों और यहाँ की शिक्षा व्यवस्था को देखने के लिए कई अन्य विदेशी मेहमान और प्रतिनिधिमंडल भी आ चुके हैं। समय-समय पर विभिन्न देशों के शिक्षाविद, राजनयिक और प्रतिनिधिमंडल दिल्ली के सरकारी स्कूलों की बुनियादी संरचना, कक्षाओं और शैक्षणिक गतिविधियों का निरीक्षण करने दिल्ली आते रहे हैं। क्या इसी तरह के आधुनिक सरकारी स्कूल पूरे देश में संचालित नहीं हो सकते ? क्या वजह है कि देश के अधिकांश राज्यों में अनेकानेक सरकारी स्कूल भवन जर्जर हैं ? कहीं स्कूल में भैंसों के तबेले हैं तो कहीं पेड़ के नीचे व खुले आसमान तले क्लास लगाई जा रही है। कहीं क्लासरूम नहीं। कहीं अध्यापक नहीं तो कहीं बिजली व पीने का पानी नहीं तो कहीं शौचालय नहीं। कहीं बच्चे रोज नदी पार कर स्कूल आते जाते हैं तो कहीं कीचड़ और दलदल भरी गड्ढेदार सड़कों से गुजर कर स्कूल आना जाना होता है। यदि देश की सरकारें शिक्षा के प्रति गंभीर होतीं और उनका भारत को विश्वगुरु बनाने का ढिंढोरा महज ढोल पीटना न होता तो आज सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस प्रसन्ना बी. वराले को महाराष्ट्र में शिक्षा पर घटते बजट और सरकारी मराठी माध्यम के स्कूलों के बंद होने पर गहरी चिंता जताते हुये यह न कहना पड़ता कि ह्लनासिक कुंभ मेले के लिए लगभग 32,000 करोड़ का भारी-भरकम बजट तय किया गया है। अगर इस राशि का मात्र 0.1% यानी लगभग 32 करोड़ भी शिक्षा पर खर्च किया जाता, तो राज्य के 100 से 125 बंद हो रहे मराठी स्कूलों को बचाया जा सकता था। आखिर जस्टिस प्रसन्ना को क्यों कहना पड़ा कि देश में छात्रों की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन शिक्षा का बजट बढ़ने के बजाय घट रहा है, जो पिछले कई वर्षों से 13% के आंकड़े को भी नहीं छू सका है । उन्होंने गढ़चिरौली की एक घटना का उदाहरण भी दिया जहां जरूरी सुविधाओं की कमी के कारण फर्श पर सोने की वजह से तीन छात्राओं की सांप के काटने से मौत हो गई थी। जस्टिस प्रसन्ना ने यह भी बताया कि उन्होंने स्वयं 10वीं कक्षा तक की पढ़ाई जिला परिषद के मराठी मीडियम स्कूल से की थी, जिसने उनके करियर में कभी बाधा नहीं डाली बल्कि उनके दृष्टिकोण को और व्यापक बनाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार को यह नहीं भूलना चाहिए कि प्राथमिक शिक्षा और स्वास्थ्य हर नागरिक का मूलभूत अधिकार है।

बदलते समय का रक्षाबंधन

डॉ. सत्यवान सौरभ

रक्षाबंधन का धागा सिर्फ कलाई पर नहीं, दिल पर बंधता है। यह एक वादा है—साथ निभाने का, सुरक्षा का और बिना कहे समझ लेने का। बहन की राखी में वह मासूम दुआ होती है, जो शब्दों में नहीं कही जाती और भाई की आँखों में वह संकल्प होता है, जो हर चुनौती से लड़ने का हौसला देता है। समय चाहे जितना बदल जाए, दूरियाँ कितनी भी बढ़ जाएँ, यह धागा हर बार रिश्तों की गर्माहट लौटा लाता है। रक्षाबंधन महज एक उत्सव नहीं, बल्कि एक एहसास है—जो हर वर्ष हमें अपने रिश्तों की ओर लौटने का अवसर देता है। भारत विविधताओं से भरा देश है, जहाँ हर त्योहार केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं होता, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक रिश्तों को भी मजबूत करता है। इन्हीं विशेष पर्वों में से एक है रक्षाबंधन, जो भाई-बहन के रिश्ते की मिठास, प्रेम और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। हालांकि बदलते समय, समाज, तकनीक और सोच के साथ रक्षाबंधन के मायने भी बदल रहे हैं। यह परिवर्तन केवल रस्मों तक सीमित नहीं है, बल्कि इस पर्व की आत्मा, उद्देश्य और सामाजिक संदर्भ में भी स्पष्ट दिखाई देता है। रक्षाबंधन की जड़ें भारतीय इतिहास, पौराणिक कथाओं और सामाजिक परंपराओं में गहराई से जुड़ी हुई हैं। द्रौपदी और श्रीकृष्ण की कथा हो या रानी कर्णावती द्वारा हुमायूँ को राखी भेजने की लोकप्रिय ऐतिहासिक कथा—राखी लंबे समय से स्नेह, विश्वास और संरक्षण के भाव से जुड़ी रही है। परंपरागत रूप से बहन भाई की कलाई पर राखी बाँधती थी और भाई उसकी रक्षा करने का संकल्प लेता था। इस रिश्ते में प्रेम, विश्वास और समर्पण की गहरी भावना निहित थी। लेकिन आज रक्षाबंधन का दायरा केवल रक्त संबंधों तक सीमित नहीं रहा। कई महिलाएँ अपने मित्रों, सहकर्मियों, शिक्षकों, सैनिकों और यहाँ तक कि प्रकृति को भी राखी बाँधती हैं। यह बदलाव बताता है कि रक्षा अब केवल किसी एक व्यक्ति का दायित्व नहीं, बल्कि सामाजिक और भावनात्मक जिम्मेदारी का व्यापक भाव बन चुकी है। सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन यह है कि रक्षा का रिश्ता अब एकतरफा नहीं रहा। आज बहनें भी अपने भाइयों से कहती हैं—मैं भी तेरी रक्षा करूँगी। यह वाक्य बदलते सामाजिक संबंधों की पूरी तस्वीर सामने रखता है। भाई और बहन दोनों एक-दूसरे के सुख-दुख में सहभागी, सहायक और संरक्षक हो सकते हैं। तकनीक ने भी रक्षाबंधन मनाने के तौर-तरीकों को बदल दिया है। पहले राखी भेजने के लिए डाकघर जाना पड़ता था, जबकि आज डिजिटल राखियाँ, वीडियो कॉल, ऑनलाइन गिफ्टिंग और वर्चुअल समारोह रिश्तों को जोड़ने के नए माध्यम बन गए हैं। विदेशों या दूर-दराज के शहरों में रहने वाले भाई-बहन भले शारीरिक रूप से एक-दूसरे से दूर हों, लेकिन वीडियो कॉल के माध्यम से राखी बाँधने और शुभकामनाएँ देने की परंपरा ने दूरी को कम करने का नया रास्ता दिया है। कुछ लोग डिजिटल माध्यमों को भावनाओं की कमी से जोड़ सकते हैं, लेकिन वास्तविकता यह भी है कि तकनीक ने दूरियों के बीच भावनात्मक संपर्क बनाए रखना आसान किया है। माध्यम बदला है, भावना नहीं। उपहारों के संदर्भ में भी रक्षाबंधन की परंपरा बदल रही है। पहले भाई द्वारा बहन को मिठाई और उपहार देना प्रेम की अभिव्यक्ति माना जाता था। आज कई बहनों की प्राथमिकता अलग है। वे कहती हैं—भैया, गिफ्ट नहीं चाहिए, थोड़ा समय चाहिए; फुर्सत चाहिए; समझ चाहिए। यह बदलाव आधुनिक महिला की बदलती आकांक्षाओं को दशार्ता है। आज की बहन आत्मनिर्भर है। वह केवल आर्थिक उपहार नहीं, बल्कि भावनात्मक सुरक्षा, मानसिक सहयोग, सम्मान, संवाद और बराबरी की भागीदारी चाहती है। इसलिए रिश्तों में वस्तुओं की जगह समय और संवेदनशीलता का महत्व बढ़ रहा है। परंपरागत रूप से रक्षाबंधन का अर्थ था—भाई बहन की रक्षा करेगा। आज यह अवधारणा व्यापक हो रही है। लड़कियाँ आत्मनिर्भर हैं और अपने भाइयों की आर्थिक, भावनात्मक, शैक्षणिक तथा सामाजिक रूप से मदद कर रही हैं। भाई भी बहनों के सपनों और निर्णयों का साथ दे रहे हैं। इस प्रकार रक्षाबंधन अब केवल संरक्षण का नहीं, बल्कि परस्पर सहयोग और साझेदारी का पर्व बनता जा रहा है। इसी बदलाव का एक सुंदर विस्तार प्रकृति और समाज के प्रति जिम्मेदारी में भी दिखाई देता है।

चीनी की मिठास पर महंगाई की कड़वाहट

वैश्विक चीनी कीमतों का भी चीनी की कीमतों और बाजार की भावना पर प्रभाव पड़ सकता है। हालांकि, इस पूरी कहानी का एक महत्वपूर्ण पहलू देश का इथेनॉल अनिवार्य नियम है। भारत में पेट्रोल में इथेनॉल का मिश्रण एक क्रमिक प्रक्रिया रही है, जिसके तीन उद्देश्य हैं: आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम करना, किसानों को एक और बाजार उपलब्ध कराना और चीनी मिलों को आय का एक और स्रोत प्रदान करना। इसलिए, चीनी की कीमतों में वृद्धि का एकमात्र कारण इथेनॉल को नहीं माना जाना चाहिए। लेकिन घरेलू चीनी की उपलब्धता पर इसके प्रभाव को नजरअंदाज करना भी एक गलती होगी अगर उपलब्ध चीनी का इस्तेमाल इथेनॉल उत्पादन के लिए किया जाता है, तो चीनी की कीमतों पर और दबाव पड़ सकता है, जिससे घरेलू चीनी भंडार प्रभावित होंगे। अब सरकार के नीतिगत फैसलों की असली परीक्षा है। खाद्य मुद्रास्फीति का सीधा असर परिवारों पर पड़ेगा, और ऊर्जा सुरक्षा एक दीर्घकालिक लक्ष्य है। इथेनॉल कार्यक्रम को बंद करने की मांग नहीं की जा रही है, बल्कि इसे बाजार की स्थितियों के अनुरूप ढालने के लिए अधिक लचीला बनाने की मांग की जा रही है।

डॉ. प्रियंका सौरभ
(लेखक)

भारत में त्योहारों का मौसम न केवल साल का एक खास समय होता है, बल्कि जीवन का भी एक अहम हिस्सा होता है। मिठाइयाँ, पारंपरिक भोजन, धार्मिक अनुष्ठान, मेहमाननवाजी और उपभोग में बढ़ोतरी। यही कारण है कि चीनी की कीमतों में हाल ही में हुई बढ़ोतरी पर गहराई से नजर डालना बेहद जरूरी है। कुछ शहरों में खुदरा चीनी की कीमतें 42-45 से बढ़कर 62-65 हो जाना और थोक व मिल से चीनी की कीमतें ऊँची बनी रहना, इसे महज एक मौसमी घटना कहना बहुत सरल व्याख्या होगी। यहाँ एक बड़ा नीतिगत मुद्दा है: क्या भारत खाद्य अनाज, कच्चे माल और ऊर्जा नीति के एक हिस्से के रूप में चीनी के बीच सही संतुलन बना पा रहा है? लागत में वृद्धि कई कारकों के कारण होती है। पहला कारण मौसमी मांग है—यानी गर्मियों में होने वाली अतिरिक्त मांग। त्योहारों के दौरान चीनी की खपत में उल्लेखनीय वृद्धि होती है, जिससे आपूर्ति पर भारी दबाव पड़ता है। वहीं दूसरी ओर, चीनी उत्पादन के मौसम के अंत में चीनी मिलों में स्टॉक कम होने लगता है, जिससे आपूर्ति और मांग का अंतर कम हो जाता है। वैश्विक चीनी कीमतों का भी चीनी की कीमतों और बाजार की भावना पर प्रभाव पड़ सकता है। हालांकि, इस पूरी कहानी का एक महत्वपूर्ण पहलू देश का इथेनॉल अनिवार्य नियम है। भारत में पेट्रोल में इथेनॉल का मिश्रण एक क्रमिक प्रक्रिया रही है, जिसके तीन उद्देश्य हैं: आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम करना, किसानों को एक और बाजार उपलब्ध कराना और चीनी मिलों को आय का एक और स्रोत प्रदान करना। इसलिए, चीनी की कीमतों में वृद्धि का एकमात्र कारण इथेनॉल को नहीं माना जाना चाहिए। लेकिन घरेलू चीनी की उपलब्धता पर इसके प्रभाव को नजरअंदाज करना भी एक गलती होगी अगर उपलब्ध चीनी का इस्तेमाल इथेनॉल उत्पादन के लिए किया जाता है, तो चीनी की कीमतों पर और दबाव पड़ सकता है, जिससे घरेलू चीनी भंडार प्रभावित होंगे। अब सरकार के नीतिगत फैसलों की असली परीक्षा है। खाद्य मुद्रास्फीति का सीधा असर परिवारों पर पड़ेगा, और ऊर्जा सुरक्षा एक दीर्घकालिक लक्ष्य है। इथेनॉल कार्यक्रम को बंद करने की मांग नहीं की जा रही है, बल्कि इसे बाजार की स्थितियों के अनुरूप ढालने के लिए अधिक लचीला बनाने की मांग की जा रही है। घरेलू चीनी भंडार स्थिर होने पर, इथेनॉल उत्पादन के लिए अधिक गुंजाइश रखी जा सकती है। हालांकि, खाद्य आपूर्ति सीमित होने और कीमतें बढ़ने की आशंका को देखते हुए, घरेलू खाद्य उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए अल्पकालिक अनुकूलन उपायों के लिए गुंजाइश होनी चाहिए। सरकार द्वारा 10 लाख टन चीनी के आयात और स्टॉक सीमा जैसे अन्य उपायों की घोषणा से त्योहारी मौसम से पहले बाजार को कुछ समय के लिए राहत मिलेगी और बाजार में स्थिरता आएगी। लेकिन एक सवाल उठता है जिस पर विचार करना जरूरी है: क्या कीमतें बढ़ने के बाद ही हस्तक्षेप करना चाहिए? कृषि उत्पादों से संबंधित नीतियों की प्रभावशीलता का एक संकेतक कमी का पूवार्नुमान लगाने की क्षमता है। यदि सरकार के पास उत्पादन, घरेलू खपत और इथेनॉल की ओर संभावित बदलाव का विश्वसनीय अनुमान हो, तो संभावित स्टॉक की कमी का आसानी से पता लगाया जा सकता है। इसलिए चीनी आयात को केवल एक प्रतिक्रिया के रूप में नहीं, बल्कि एक नीतिगत दृष्टिकोण के रूप में देखा जाना चाहिए, जो पूवार्नुमानित और समयबद्ध हो। अनावश्यक आयात किसानों और मिलों के लिए हानिकारक हो सकता है और उत्पाद की कमी होने पर इससे बचना चाहिए; हालांकि, आवश्यकता पड़ने पर आयात न करने से उपभोक्ता को अधिक कीमतों का सामना करना पड़ सकता है। पारदर्शिता भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। कमोडिटी बाजार केवल बाजार में उपलब्ध वस्तुओं तक ही सीमित नहीं है; यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि बाजार में उनकी छवि कैसी है। देश के भंडार की स्थिति जाने बिना, व्यापारी और उपभोक्ता अटकलों, अफवाहों और अपेक्षाओं से प्रभावित हो सकते हैं। इसलिए, सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि इथेनॉल के उत्पादन, भंडार, खपत और डायवर्जन से संबंधित अधिक विश्वसनीय और नियमित जानकारी उपलब्ध हो। अधिक जानकारी से जमाखोरी और कृत्रिम कमी का पता लगाने में मदद मिलेगी और नीति निमार्ताओं को किसी भी वास्तविक कमी के बारे में प्रारंभिक चेतावनी मिल सकेगी। कुछ मामलों में, स्टॉक सीमा आवश्यक हो सकती है, लेकिन केवल स्टॉक सीमा ही बाजार की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त नहीं है। चीनी की बढ़ती कीमतों का एक और पहलू सामाजिक प्रभाव है। खाद्य मुद्रास्फीति का असर अक्सर सभी पर समान रूप से नहीं पड़ता। प्रति किलोग्राम कुछ रुपये की अतिरिक्त कीमत भी निम्न और मध्यम आय वर्ग के परिवारों के बजट पर भारी पड़ सकती है, जबकि उच्च आय वर्ग के परिवार शायद इसे वहन कर सकें। यह त्योहारों के मौसम की बात है, जब भोजन और मिठाइयों पर खर्च का दबाव स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। छोटे मिठाई की दुकानों, बेकरियों और स्थानीय खाद्य व्यवसायों के लिए एक और चुनौती है। बड़ी कंपनियों के विपरीत, उनके पास कच्चे माल की लगातार बढ़ती लागत को वहन करने के लिए पर्याप्त क्षमता नहीं होती है।

वंदेमातरम - राष्ट्र भावना, इतिहास और सियासत

बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय की रचना ने भारत की धरती को मां के रूप में देखने और उसके प्रति श्रद्धा व्यक्त करने की भावना को व्यापक बनाया। स्वतंत्रता आंदोलन में यह गीत अंग्रेजी शासन के विरुद्ध राष्ट्रीय चेतना का महत्वपूर्ण प्रतीक बना। इसलिए वंदेमातरम को केवल शब्दों और धुनों में सीमित कर देना उसके ऐतिहासिक महत्व को छोटा करना होगा। इसके साथ स्वतंत्रता संग्राम की स्मृतियां, बलिदान की कहानियां और देश के प्रति भावनात्मक समर्पण जुड़ा हुआ है। लेकिन किसी भी राष्ट्रीय प्रतीक का सम्मान तभी सार्थक होता है, जब उसे राजनीतिक हथियार बनाने के बजाय राष्ट्रीय एकता के सूत्र के रूप में देखा जाए। वर्तमान राजनीतिक विवाद का सबसे गंभीर प्रश्न यही है कि क्या राष्ट्रवाद किसी एक राजनीतिक दल की संपत्ति हो सकता है? भारत का राष्ट्रवाद किसी पार्टी के कार्यालय से पैदा नहीं हुआ। इसकी जड़ें हजारों वर्षों की सांस्कृतिक चेतना, स्वतंत्रता आंदोलन, संविधान और देश के करोड़ों नागरिकों की आकांक्षाओं में हैं। भारतीय जनता पार्टी ने अपने राजनीतिक विकास के साथ राष्ट्रवाद और सनातन सांस्कृतिक चेतना को अपनी राजनीति का प्रमुख आधार बनाया। दूसरी ओर कांग्रेस की राजनीति का स्वर समय के साथ बदलता रहा है।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
(लेखक)

मानवीय जीवन में जब अहंकार को हकीकत से बड़ा बना दिया जाता है, सत्य सामने दिखाई देने के बावजूद लोभ या स्वार्थ के कारण असत्य का साथ दिया जाता है और पूर्वजों की कृतियों को क्षुद्र राजनीतिक या व्यक्तिगत हितों की अग्नि में स्वाहा किया जाता है, तब दुर्भाग्य को आमंत्रण मिलता है। धर्मग्रंथों और भारतीय चिंतन परंपरा का मूल संदेश भी यही है कि सत्य, मयार्दा और कर्तव्य को क्षणिक स्वार्थ से ऊपर रखना चाहिए। आज भारतीय राजनीति जिस दौर से गुजर रही है, उसमें यह सवाल और अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। राष्ट्र भावना जैसे विषय भी राजनीतिक दलों की विचारधारात्मक प्रतिस्पर्धा के केंद्र में आते जा रहे हैं। वंदेमातरम इसका सबसे प्रमुख उदाहरण बनता दिखाई दे रहा है। जिस गीत ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान करोड़ों भारतीयों में मातृभूमि के प्रति भाव जगाया, वही आज राजनीतिक बहस का केंद्र बन गया है। वंदेमातरम का इतिहास भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन से गहराई से जुड़ा हुआ है। बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय की रचना ने भारत की धरती को मां के रूप में देखने और उसके प्रति श्रद्धा व्यक्त करने की भावना को व्यापक बनाया। स्वतंत्रता आंदोलन में यह गीत अंग्रेजी शासन के विरुद्ध राष्ट्रीय चेतना का महत्वपूर्ण प्रतीक बना। इसलिए वंदेमातरम को केवल शब्दों और धुनों में सीमित कर देना उसके ऐतिहासिक महत्व को छोटा करना होगा। इसके साथ स्वतंत्रता संग्राम की स्मृतियां, बलिदान की कहानियां और देश के प्रति भावनात्मक समर्पण जुड़ा हुआ है। लेकिन किसी भी राष्ट्रीय प्रतीक का सम्मान तभी सार्थक होता है, जब उसे राजनीतिक हथियार बनाने के बजाय राष्ट्रीय एकता के सूत्र के रूप में देखा जाए। वर्तमान राजनीतिक विवाद का सबसे गंभीर प्रश्न यही है कि क्या राष्ट्रवाद किसी एक राजनीतिक दल की संपत्ति हो सकता है? भारत का राष्ट्रवाद किसी पार्टी के कार्यालय से पैदा नहीं हुआ। इसकी जड़ें हजारों वर्षों की सांस्कृतिक चेतना, स्वतंत्रता आंदोलन, संविधान और देश के करोड़ों नागरिकों की आकांक्षाओं में हैं। भारतीय जनता पार्टी ने अपने राजनीतिक विकास के साथ राष्ट्रवाद और सनातन सांस्कृतिक चेतना को अपनी राजनीति का प्रमुख आधार बनाया। दूसरी ओर कांग्रेस की राजनीति का स्वर समय के साथ बदलता रहा है। कभी उसका राष्ट्रवादी स्वर स्वतंत्रता आंदोलन का प्रमुख आधार था, तो बाद के दशकों में उसने धर्मनिरपेक्षता, सामाजिक न्याय और विविधता को अपनी राजनीतिक पहचान के महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में सामने रखा। यह राजनीतिक दृष्टिकोणों का अंतर हो सकता है, लेकिन राष्ट्र को किसी दल की वैचारिक सीमा में बांध देना उचित नहीं होगा। वंदेमातरम को लेकर कांग्रेस की ओर से ऐतिहासिक संदर्भ, 1937 के निर्णय और समावेशिता का तर्क सामने आता है। इतिहास को समझने के लिए इन संदर्भों की चर्चा निश्चित रूप से होनी चाहिए। लेकिन सवाल यह है कि क्या इतिहास का कोई पुराना निर्णय आज की राष्ट्रीय भावना के लिए अंतिम और अपरिवर्तनीय राजनीतिक हथियार बन सकता है? 1937 में परिस्थितियां अलग थी। स्वतंत्रता आंदोलन अपने निर्णायक चरण में था। विभिन्न समुदायों और राजनीतिक धाराओं को साथ लेकर चलने की आवश्यकता थी। उस समय वंदेमातरम के कुछ अंशों को लेकर जो राजनीतिक समझ बनी, उसका अपना ऐतिहासिक संदर्भ था। आज परिस्थितियां अलग हैं। भारत एक स्वतंत्र, संप्रभु और लोकतांत्रिक गणराज्य है। उसके पास अपना संविधान है, संसद है और लोकतांत्रिक संस्थाएं हैं। इसलिए इतिहास को समझना चाहिए, लेकिन इतिहास को वर्तमान राजनीति का स्थायी हथियार बनाना कितना उचित है, यह प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र में सरकार के फैसलों का विरोध विपक्ष का अधिकार ही नहीं, बल्कि उसकी जिम्मेदारी भी है। सरकार गलत करे तो विपक्ष को सवाल उठाने चाहिए। संसद में बहस होनी चाहिए। जनता के बीच वैकल्पिक दृष्टिकोण रखा जाना चाहिए। लेकिन समस्या तब पैदा होती है जब विरोध का आधार केवल यह रह जाए कि फैसला सरकार ने किया है। यदि कोई निर्णय राष्ट्रीय हित में है, तो केवल इसलिए उसका विरोध नहीं किया जा सकता है कि उसे विरोधी दल की सरकार ने लिया है। इसी प्रकार यदि सरकार कोई गलत निर्णय लेती है, तो केवल इसलिए उसका समर्थन नहीं किया जा सकता कि वह अपनी पार्टी की सरकार है। राष्ट्रहित को दलहित से ऊपर रखने की कसौटी यहीं से शुरू होती है। वंदेमातरम के मामले में सबसे अधिक चिंता इस बात की होनी चाहिए कि कहीं राष्ट्रीय भावना राजनीतिक ध्रुवीकरण की शिकार न हो जाए। भाजपा के लिए यह राष्ट्र सम्मान और राष्ट्रवाद का प्रश्न हो सकता है। कांग्रेस इसे ऐतिहासिक परंपरा, संवैधानिकता और समावेशिता के संदर्भ में देख सकती है। अन्य दलों के अपने दृष्टिकोण हो सकते हैं। लेकिन आम भारतीय के लिए वंदेमातरम इन राजनीतिक व्याख्याओं से कहीं बड़ा है। एक किसान के लिए राष्ट्र उसकी मिट्टी है। एक सैनिक के लिए राष्ट्र उसकी मातृभूमि है। एक विद्यार्थी के लिए राष्ट्र उसके सपनों का भविष्य है। एक श्रमिक के लिए राष्ट्र उसकी मेहनत का मैदान है। एक नागरिक के लिए राष्ट्र उसके अधिकारों और कर्तव्यों का साझा घर है। इसलिए राष्ट्रीय प्रतीकों को राजनीतिक प्रतिस्पर्धा से बचाना सभी दलों की जिम्मेदारी होनी चाहिए। एक और महत्वपूर्ण प्रश्न सामने आता है कि क्या संसद और संसद द्वारा बनाए गए कानून व्यक्तिगत अथवा दलगत हितों से ऊपर हैं? लोकतंत्र का उत्तर स्पष्ट है कि हां। संसद जनता की संप्रभु इच्छा का प्रतिनिधि संस्थान है। वहां बनाए गए कानूनों और लिए गए निर्णयों पर बहस, आलोचना और न्यायिक समीक्षा की व्यवस्था संविधान ने स्वयं दी है।

कहानी : छत वाला कमरा और इश्क वाला लव

अंजू शर्मा

ये कमबख्त मन भी ना, कोई किताब होती तो झट से बंद कर रख देती शेल्फ पर, पर मन तो मन है। नहीं होना बंद, नहीं टंगना शेल्फ पर। तो क्या चाहिए इसे? अब कहां की सैर पर निकलना चाहता है? कभी-कभी काम में डूबे रहने के बाद आंखें आराम मांगती हैं पर सोने जाओ तो निद्रालोक के द्वार पर बड़ा-सा ताला टंगा मिलता है। ऐसी ही एक रात, यूं ही अनमने ही, नैना ने फेसबुक पर लॉगिन किया। रात का एक बज चुका था। घरवालों के साथ घर भी नींद के आगोश में डूब चुका है पर ये दिल है कि मांगें मोर। चैटिंग? उंह, बोरिंग! तो...? बस यूं ही की-बोर्ड पर खेलते होम पर कुछ खास लगा नहीं नैना को जो मन को राहत मिलने का सबब बनता। काफी दिन से मित्र बनने के लिए ढेरों रिक्वेस्ट पेंडिंग थी। उसने फ्रेंड रिवेस्ट चेक करने के लिए क्लिक किया। दूसरे ही नंबर पर एक नाम से नैना की अर्धसुप्त चेतना को हल्का सा झटका लगा। सांसों के स्पंदन ने इस एक झटके के बाद गति पकड़ ली और तभी जैसे कमरे में कही से इलायची की भीनी-भीनी महक घुलते हुए हौले से उसे छूकर गुजर गई। अनुराग मिश्रा! वह लगभग चीख उठी। धत्त पगली... पर अनुराग मिश्रा तो जाने कितने होंगे। दिल की धड़कनें चलते-चलते अनायास-सी मानों ट्रेड मिल पर सवार थी। नैना कुछ पल रुकी और फिर दिल थामकर उसने प्रोफाइल पिक पर क्लिक कर दिया। पिक में एक दीवार से टेक लगाकर खड़े सुदर्शन पुरुष की पूरी फोटो थी। धाड़-धाड़ बजती धड़कनों के बीच कांपते हाथों से जूम किया तो लगा दिल उछलकर हलक में फंस गया हो। फैले हुए पिक्सेल के बावजूद ये वही था। वही माने अनु, यानि अनुराग मिश्रा। वही बेतरतीब दाढ़ी-मूंछ से झांकती चमकीली, भूरी आंखें जो सदा से जाने किस तलाश में थी और जो जाने एक वक्त में कितनी बातें कह जाने में माहिर थी। वही निकोटिन की परत चढ़े पतले और खामोश, आलसी, निठल्ले होंठ जो बोलने का काम अक्सर आंखों को सौंप पर निश्चित हो जाते थे। शायद अब भी उनके पीछे एक इलाइची दबी होगी जिसे सिगरेट की बू को धोखे से पीछे धकेलने का कांट्रैक्ट मिला होगा। गोरा रंग वक्त की सलवटों में कुछ दब सा गया था। बाल पहले जैसे घने तो नहीं थे, पर थे उतने ही काले और चमकदार। अजीब बात थी दाढ़ी में चांदी यहां-वहां से चमक कर उम्र के सरक गए डेढ़ दशकों की चुगली कर रही थी। कंधे कुछ झुक गये थे अलबत्ता इकहरा जिस्म अब भी उम्र के दबाव में आने से साफ इनकार करता मालूम होता था। तसवीर को निहारती नैना जैसे जड़ हो गई थी। उसे लगा उसके पांव जैसे एक बीते समय में लौटती टाइम मशीन पर बांध दिए गए थे। अगले कुछ पलों में दशकों का फासला यूं तय हुआ मानों यह कभी था ही नहीं। बीता समय धुंध के एक बादल में बदल गया जिसे चीरते हुए टाइम मशीन अब वही थी, उसी छत वाले कमरे में जहां 15 साल पहले नैना थी। वे दो घर थे पर दो जैसे नहीं थे। उन्हें अलग करने की शायद कोशिशें ही नहीं हुई कभी और इतिहास गवाह है कि शायद होती तो कामयाब ही नहीं होती। उन्हें खून के रिश्ते या जात-बिरादरी ने नहीं खालिस दुनियावी दिल से जुड़े संबंधों ने जोड़ा हुआ था जिसकी तसदीक करता था साझा आंगन और छतों को जोड़ता वो रास्ता को मुंडेर के ऐन बीचों-बीच बना था। और वही छत पर बना था वह कमरा जो युवा पीढ़ियों का साझा कमरा था। तीन पीढ़ियां एक दूसरे से दोस्ती के धागे में बंधी हर नई पीढ़ी को विरासत में ये संबंध सौंप देती थी। चैथी पीढ़ी ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई जब सिंह फैमिली के बड़े बेटे के यहां बेटा आदित्य जन्मा। दोनों घर जश्न के माहौल में डूब गए। नैना, दुबे परिवार की तीसरी पीढ़ी से थी। बिन मां-बाप की बच्ची कब सिंह फैमिली के अपने से बड़े बेटों को मां पुकारते देख उनकी मां को मां कहने लगी उसे याद नहीं। फिर होश संभालने पर भी कोई और संबोधन जांच ही नहीं। तो अब उनकी मां उसकी मां थी और बाऊजी उसके बाऊजी। मां दूधपीती बच्ची को छोड़ इस दुनिया से रुखसत हो गई। पता नहीं पिता के जाने के बाद रुखसती ने मां को चुना या मां ने रुखसती को पर नैना अकेली रह गई। निःसंतान चाची ने मां बनकर उसे सीने से लगा जरूर लिया था पर अकेलापन तो उसे विरासत में मिला था और यही अकेलापन उसे किताबों की दुनिया में ले गया उसका किताबी कीड़ा होना अक्सर दूसरों के लिए कौतूहल का विषय था। देवेन भैया, सिंह परिवार के सबसे छोटे-बेटे, अक्सर नैना को चिढ़ाते, नैना खाए बिना रह जाएगी पर किताबों में इसकी जान बसती है। अलग किया कि नैना खल्लास। देवेन भैया के दोस्त तो स्कूल के समय से अक्सर घर आते थे। नैना सबको जानती थी पर उसका संकोची स्वभाव कारण रहा होगा कि कभी किसी से कोई बात नहीं होती थी। शब्द उसके इर्द-गिर्द चक्कर लगाते पर मौका काम ही पाते।

संक्षिप्त खबरें

शिक्षकों को सरकार दे पूर्ण वेतनमान : डॉ. आनंद

सिवान। बिहार विद्यालय अध्यापक संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. आनंद ने राज्य के मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी से राज्यकर्मी का दर्जा प्राप्त साढ़े पांच लाख शिक्षकों को सातवें वेतन आयोग की अनुशंसाओं के अनुरूप पूर्ण वेतनमान तथा वास्तविक फिटमेंट मैट्रिक्स का लाभ अविलंब देने की पुरजोर मांग की है, बुधवार को प्रदेश अध्यक्ष डॉ . आनंद ने प्रेस बयान जारी कर कहा कि तीन माह पूर्व संघ के द्वारा लाखों विशिष्ट शिक्षक, विद्यालय अध्यापकों, प्रधान शिक्षकों, प्रधानाध्यापकों एवं पुस्तकालयाध्यक्षों को सातवें वेतन आयोग के अनुरूप पूर्ण वेतनमान और फिटमेंट मैट्रिक्स का लाभ देने हेतु लिखित मांगपत्र सौंपा गया था, इसके बावजूद अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया जाना, अत्यंत खेदजनक और पीड़ादायक है. प्रदेश अध्यक्ष आनंद ने मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री से अपील की है कि वे सभी कोटि के शिक्षकों को सातवें वेतन आयोग का वास्तविक वित्तीय लाभ प्रदान करने हेतु संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के लिए आवश्यक दिशा निर्देश जल्द जारी करने की मांग की है।

सुदामा हार्डवेयर एंड जेनरल स्टोर्स का हुआ उद्घाटन

सीवान/दरौंदा प्रखंड क्षेत्र के लीला साह के पोखरा के समीप बुधवार को सुदामा हार्डवेयर एंड जेनरल स्टोर्स का भव्य उद्घाटन हुआ। सामाजिक कार्यकर्ता सुभाष कुमार शाही उर्फ मुन्ना शाही, जिला पार्षद धर्मेंद्र कुमार यादव उर्फ छुन्नी बाबू, सुदामा गुप्ता सहित अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं ने संयुक्त रूप से फीता काटकर प्रतिष्ठान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सुभाष कुमार शाही ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में होलसेल हार्डवेयर एवं जेनरल स्टोर्स खुलने से आसपास के दुकानदारों को सुविधा मिलेगी। अब उन्हें सामान की खरीदारी के लिए दूर बाजार नहीं जाना पड़ेगा। स्थानीय स्तर पर उचित मूल्य पर सामान उपलब्ध होने से समय व पैसे की बचत होगी। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रतिष्ठान ग्रामीण बाजार को मजबूती देने के साथ स्थानीय व्यवसायियों के लिए भी उपयोगी साबित होंगे। प्रतिष्ठान के संचालक सचिन एवं मुकुल गुप्ता ने ग्राहकों को उचित मूल्य पर गुणवत्तापूर्ण सामान उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया। मौके पर शशिकांत राय, मोहम्मद हक, जितेंद्र सिंह, गुड्डू यादव, कौशलेश सिंह, राजेश सिंह, कृष्णा यादव सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग व दुकानदार उपस्थित थे।

सीएचसी में एनीमिया के लक्षण, बचाव और उपचार का दिया गया प्रशिक्षण

मशरक। मशरक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मे बुधवार को एनीमिया मुक्त भारत अभियान के तहत इस बीमारी के लक्षण, बचाव और उपचार का प्रशिक्षण स्वास्थ्य कर्मियो को दिया। और इसके सफलतापूर्ण क्रियान्वयन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। चिकित्सा पदाधिकारी सह प्रभारी डॉ कबीता सिंह के नेतृत्व मे आयोजित बैठक सह प्रशिक्षण मे स्टाफ नर्स, सभी एएनएम, सीएचओ एवं बीएमएसआईएल के एरिया मैनेजर एनीमिया संबंधित स्वास्थ्यकर्मी शामिल हुए. इस दौरान एनीमिया की स्क्रीनिंग, आवश्यक जांच, उपचार, रेफरल एवं रिपोर्टिंग से संबंधित डिजिटल एनीमिया जांच मशीन पर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई। और इसका प्रशिक्षण दिया गया।अभियान को प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से संचालित करने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

अमनौर में अकीदत के साथ मनाया गया ईद-ए-मिलादुन्नबी, निकला भव्य जुलूस-ए-मोहम्मदी

अमनौर। प्रखंड के अमनौर में बुधवार को ईद-ए-मिलादुन्नबी का त्योहार पूरी अकीदत और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह त्योहार पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद साहब के यौमे पैदाइश के मौके पर मनाया जाता है। इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने हाथों में इस्लामी झंडा लेकर जामा मस्जिद से भव्य जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला। जुलूस अमनौर बाजार, कॉलेज रोड, ब्लॉक रोड सहित दर्जनों मोहल्लों का भ्रमण करते हुए वापस मस्जिद पर समाप्त हुआ। जुलूस में बिना डीजे के नात-ए-पाक पढ़ते हुए लोग चल रहे थे। शोभायात्रा में आकर्षक मस्जिद की झांकी बनाई गई थी, जिस पर पैगंबर साहब के संदेश लिखे हुए थे। सुबह से ही मस्जिदों और घरों को रोशनी से सजाया गया था। बच्चे, नौजवान और बुजुर्ग नए कपड़े पहनकर झंडा लिए खुशी-खुशी जुलूस में शामिल हुए। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए जगह-जगह पुलिस बल तैनात रहा। इस मौके पर उलेमाओं ने अपनी तकरीर में कहा कि पैगंबर हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम का मुख्य संदेश इंसानियत, अमन, सच्चाई और भाईचारे का था। उन्होंने कहा कि सभी इंसान बराबर हैं और किसी को नस्ल, रंग या धन के आधार पर श्रेष्ठता हासिल नहीं है।

मढ़ौरा में सैयद आदिल मोहसिन ने एसडीओ के रूप में संभाला अपना कार्यभार

प्रात : किरण संवाददाता

मढ़ौरा में पहली बार भारतीय प्रशासनिक सेवा 2024 बैच के अधिकारी सैयद आदिल मोहसिन ने मंगलवार को अपराहन मढ़ौरा के 23वे नए एसडीओ के रूप में पदभार ग्रहण कर लिया। पदभार ग्रहण करने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए नए एसडीओ ने कहा कि सरकार की लाभकारी योजनाओं को समाज के आखिरी व्यक्ति तक पहुंचाने को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि राशन कार्ड, पेंशन सहित अन्य छोटी-मोटी जरूरी सेवाओं पर भी विशेष ध्यान रखा जाएगा। उन्होंने अनुमंडल वासियों से ईद मिलादुन्नबी को शांतिपूर्वक और आपसी भाईचारे के वातावरण में मनाते हुए विधि व्यवस्था बनाये रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि वे अभी कुछ ही देर पहले मढ़ौरा एसडीओ का पदभार ग्रहण किए हैं यहां की सभी परिस्थितियों और जरूरतो को समझ रहे हैं।

बाबा हरिहरनाथ धाम पहुंचे कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा, पत्नी संग की पूजा-अर्चना

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। पूर्व उपमुख्यमंत्री सह बिहार सरकार के कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा बुधवार को पत्नी के साथ सोनपुर स्थित प्रसिद्ध बाबा हरिहरनाथ धाम पहुंचे। मंदिर पहुंचकर उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना की और बाबा हरिहरनाथ से बिहार की सुख-शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। पूजा-अर्चना के दौरान बाबा हरिहरनाथ मंदिर ट्रस्ट के सचिव विजय लल्ला ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच बाबा हरिहरनाथ का पंचामृत स्नान कराया। इसके बाद जलाभिषेक एवं पुष्पमाला से बाबा का श्रृंगार किया गया। मंत्री ने श्रद्धापूर्वक बाबा के चरणों में माथा टेककर राज्यवासियों के उत्तम स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि की प्रार्थना की।इस अवसर पर मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि बाबा हरिहरनाथ हर विपत्ति को हरने वाले और दीन-दुखियों के कष्ट दूर करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने बाबा के पावन चरणों में समस्त बिहारवासियों के उत्तम स्वास्थ्य, सुख, शांति और समृद्धि की कामना की है। उन्होंने कहा कि बिहार को विकास के नए आयाम तक पहुंचाना सरकार का संकल्प है। बिहार कृषि, बुनियादी ढांचे और जनकल्याण के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़े तथा देश के अग्रणी राज्यों में शीर्ष स्थान प्राप्त करे, यही उनकी कामना है। राकेश सिंह ने किया स्वागत मंत्री के मंदिर पहुंचने पर भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सह सांसद प्रतिनिधि राकेश सिंह ने उनका स्वागत किया। राकेश सिंह ने मंत्री को अंगवस्त्र, चुनरी एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान दोनों के बीच क्षेत्र एवं राज्य के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी चर्चा हुई।मंदिर परिसर में मंत्री के पहुंचने पर भाजपा कार्यकताओं एवं समर्थकों में उत्साह देखा गया।कार्यकताओं ने उनका स्वागत करते हुए बाबा हरिहरनाथ के जयकारे लगाए।इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष बबलू सिंह, शैलेश कुमार, महामंत्री संजीव सिंह, वार्ड पार्षद अरुण सिंह, दिव्यांशु गौतम समेत दर्जनों भाजपा नेता, कार्यकर्ता एवं श्रद्धालु मौजूद रहे। पूजा-अर्चना के बाद मंत्री ने मंदिर की धार्मिक महत्ता को लेकर भी जानकारी ली और बाबा हरिहरनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया।

घोघवलिया चंवर में कंकाल मिलने से सनसनी, हत्या की आशंका

जलालपुर/कोपा। जलालपुर प्रखंड के कोपा थाना क्षेत्र अंतर्गत घोघवलिया चंवर में चार चिमनियों के बीच सुनसान इलाके में एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव की हालत बेहद खराब थी और काफी समय बीत जाने के कारण वह लगभग कंकाल में तब्दील हो चुका था। घटनास्थल पर मृतक का एक चप्पल और खून से सना गमछा पड़ा मिला। इसके अलावा जमीन पर भी खून के निशान पाए गए हैं। इन परिस्थितियों को देखते हुए प्रथम दृष्टया हत्या की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, मौत की वास्तविक वजह पुलिस जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस और प्रशासन को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल को सुरक्षित कर जांच शुरू कर दी। फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया है, जो घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य जुटाने में लगी हुई है। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है और न ही यह स्पष्ट हो पाया है कि वह व्यक्ति कौन था तथा उसकी मौत यहां कैसे हुई। पुलिस घटनास्थल से मिले सामान और अन्य सुरागों के आधार पर मृतक की पहचान करने के साथ-साथ पूरे मामले की जांच कर रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि घोघवलिया चंवर का यह इलाका काफी सुनसान है और यहां आम लोगों की आवाजाही बहुत कम रहती है। ऐसे स्थान पर शव मिलने की घटना से आसपास के गांवों में भय और चिंता का माहौल है। पुलिस की जांच के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि मामला हत्या का है या मौत की कोई अन्य वजह है। फिलहाल पुलिस और फॉरेंसिक टीम की जांच जारी है।

ईद मिलादुन्नबी पर निकला जुलूस भाईचारे का दिया संदेश

प्रात : किरण संवाददाता

इसुआपुर । पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिन के अवसर पर बुधवार को प्रखंड के 9 स्थानों से ईद मिलादुन्नबी का जुलूस निकाला गया। जुलूस में हिन्दू समुदाय के लोगों समेत बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग शामिल हुए। शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में निकाले गए जुलूस के दौरान इंसानियत, प्रेम, शांति और भाईचारे का संदेश दिया गया। इसुआपुर ईदगाह परिसर में तकरीर का भी आयोजन हुआ। जिसमें वक्ताओं ने पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के व्यक्तित्व, कृतित्व तथा आदर्शों की चर्चा की गई। साथ ही उनके उपदेशों तथा उनके द्वारा बताए गए रास्तों पर चलते हुए आपसी भाईचारा और सामाजिक सद्भाव बनाए रखने की अपील की गई। जुलूस का नेतृत्व राजद के प्रखंड अध्यक्ष हाजी अमजद खान, मुखिया प्रतिनिधि अजमल रहमानी, पूर्व सैनिक एमडी वारिस, मुखिया अजय राय, बबलू अंसारी, गुड्डू अंसारी, मजहर नेसार, अरशद रहमानी, मौलाना इजहार अशरफ, जुल्फिकार अली, हाजी साबिर अली, राज पेंटर, एमडी राजू, अजमत अली, एम. हाफीज व अन्य ने किया। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एसडीएम मढ़ौरा ट्रेनी आईएएस सईद आदिल मोहसिन, एसडीपीओ मढ़ौरा-2 संजय कुमार सुधांशु, बीडीओ इंजीनियर सत्यम सिंह, सीओ रवि रंजन, थानाध्यक्ष धीरेंद्र कुमार, एसआई पूजा कुमारी पुलिस बल के साथ मुस्तैद थे।

रसूलपुर में मुहम्मदसाहब के जन्मदिन पर निकले जुलूस में दिखा सामाजिक सद्भाव

प्रात : किरण संवाददाता

रसूलपुर ।थाना क्षेत्र में मोहम्मद साहब का जन्मदिन सामाजिक सद्भाव के साथ बुधवार को मना। रसूलपुर चट्टी पर मुस्लिम समुदाय द्वारा निकले जुलूस में हिन्दू धर्म के लोग ने भी भाग लिया और एक दूसरे को बधाई दी ।कादरी जामा मस्जिद से निकला जुलूस रसूलपुर मठिया पीर बाबा स्थान पहुंचा, जहां पहले से पहुंचे विभिन्न वर्गों के लोगों ने मुखिया प्रतिनिधि मिथिलेश प्रसाद, उपमुखिया,मनोज सोनी नन्हें ,सरपंच प्रतिनिधि विकास कुमार की अगुआई में स्वागत किया ।मौके पर थानाध्यक्ष प्रिंस राज पुलिस बल के साथ मौजूद रहे और शांति व सद्भाव रूप से सम्पन्न जूलूस के लिए बधाई दी ।जूलूस में मस्जिद के इमाम मौलाना मो शब्बीर मिस्बाही,वार्ड सदस्य फिरोज, पूर्व सरपंच मुर्तजा,सदर सेकेंड्री आरिफ मंसूर, सद्दाम सिद्दीकी, फिरोज सिद्दीकी ,बाबू राजा आदि ने जुलूस का नेतृत्व किया।

एसकेएफआई के मंच पर प्रदान किया गया कई विभूतियों को राष्ट्र गौरव अवार्ड

- हिमाचल प्रदेश के विलासपुर में सम्पन्न हुआ 9वां राष्ट्र गौरव सम्मान
- सम्मानित हुए छपरा के वरिष्ठ पत्रकार डॉ. विद्या भूषण श्रीवास्तव एवं समाजसेवी डॉ. अभिजीत कुमार श्रीवास्तव

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। भाषा, कला एवं संस्कृति विभाग हिमाचल प्रदेश के तत्वावधान में समाज कल्याण फेडरेशन ऑफ इंडिया का 9वां राष्ट्रीय प्रतिभा सम्मान समारोह बिलासपुर में संपन्न हो गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपायुक्त (डीएम बिलासपुर) आईएएस राहुल कुमार ने समारोह में 32 विभूतियों को ह्यराष्ट्र गौरवह्न अवार्ड एवं नौ अन्य अलग-अलग प्रतिभाओं को उनके उल्लेखनीय कार्य के लिए ह्यराष्ट्रीय प्रतिभाह्न सम्मान से नवाजा है। भव्य सम्मान समारोह का शुभारंभ उपायुक्त राहुल कुमार, समाज कल्याण फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसकेएफआई) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पत्रकार जितेन्द्र बच्चन, विशिष्ट अतिथि कर्नल (रि.) जसवंत सिंह चंदेल और जिला भाषा अधिकारी श्रीमती नीलम चंदेल ने मां सरस्वती की मूर्ति के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर फेडरेशन के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष एवं समाजसेवी डॉ. अभिजीत कुमार श्रीवास्तव, राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष राम स्वरूप भटनागर और बिहार के प्रदेश अध्यक्ष व वरिष्ठ पत्रकार तथा कायस्थ परिवार के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ .विद्या भूषण श्रीवास्तव बतौर अतिथि उपस्थित रहे। हिमाचल प्रदेश की अध्यक्ष ललिता कश्यप और बिलासपुर जिलाध्यक्ष सुभाष गुप्ता ने सभी अतिथियों का हिमाचली टोपी पहनाकर शॉल एवं पुष्पुच्छ के साथ उनका स्वागत-सत्कार किया। मुख्य अतिथि उपायुक्त राहुल कुमार ने जहां कुल सम्मानित 41 प्रतिभाओं को बधाई देते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन से अन्य लोगों को भी सामाजिक कार्य करने की प्रेरणा मिलती है, वहीं कार्यक्रम की अतिथि जिला भाषा अधिकारी (डीएलओ) श्रीमती नीलम चंदेल ने समाज कल्याण फेडरेशन ऑफ इंडिया के कार्यों की प्रशंसा की है। विशिष्ट अतिथि कर्नल जसवंत सिंह चंदेल ने संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश अध्यक्ष की भी सराहना करते हुए भविष्य में पूर्ण सहयोग देने की घोषणा की ।इसके पूर्व फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेंद्र बच्चन ने संस्था के उद्देश्यों एवं कार्यक्रमो की चर्चा करते हुए कहा कि 77 सामाजिक सांस्कृतिक,साहित्यिक एवं शैक्षणिक संस्थाओं को जोड़ते हुए फेडरेशन देश के करीब दर्जन भर राज्यों में सक्रिय रूप से कार्य कर रही है ।विगत 05 मार्च 2019 से प्रारम्भ होकर देश के कई राज्यो में इस तरह के आयोजन कर विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले विभूतियों को राष्ट्र गौरव से नवाजा है तथा दलगत भावना से ऊपर उठकर ज्वलन्त समस्याओ पर चर्चा किया है ।यही नहीं सरकारी एवं गैर सरकारी योजनाओं को आम लोगो तक पहुंचने में सहयोग भी प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि रचनात्मक कार्य के रूप में समाज के वंचितों असहायों गरीब लोगों की सेवा करते आया है। मुख्य अतिथि एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सहित अन्य अतिथियों ने दिल्ली के प्रदेश अध्यक्ष डॉ.अभिजीत कुमार श्रीवास्तव,बिहार प्रदेश अध्यक्ष डॉ. विद्या भूषण श्रीवास्तव एवं राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष राम स्वरूप भटनागर को अंग वस्त्र एवं पुष्प गुच्छ देकर विशेष रूप से सम्मानित किया गया। जबकि छपरा के जिला अध्यक्ष कमल किशोर सहाय एवं जिला संगठन मंत्री ओम प्रकाश सिंह पराशर को भी उनके प्रतिनिधि के माध्यम से अंगवस्त्र एवं हिमालयी टोपी देकर सम्मानित किया गया। इस आशय की जानकारी समारोह में शरीक होकर छपरा लौटने पर बिहार प्रदेश अध्यक्ष डॉ विद्या भूषण श्रीवास्तव ने दी तथा कहा कि कार्यक्रम होने से पहले कई लोगों ने एसकेएफआई की सदस्यता ग्रहण की और प्रदेश अध्यक्ष ललिता कश्यप ने प्रदेश व जिला कार्यकारिणी की घोषण भी की थी, जिससे इस अवसर पर पदाधिकारियों और सदस्यों में दोगुना उत्साह और जोश देखने को मिला। उन्होंने एक स्वर में कहा कि वे सभी संस्था के कार्यों को आगे बढ़ाएंगे।

प्रधान शिक्षकों की बैठक सम्पन्न

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। स्वास्तिका पब्लिक स्कूल,उत्तरी दहियाँवा टोला,छपरा में प्रधान शिक्षकों की एक बैठक आयोजित हुई जिसकी अध्यक्षता त्रिभुवन कुमार जी के द्वारा की गई जिसमें जिला के सभी प्रखंड से प्रधान शिक्षक शामिल हुए । इस बैठक में प्रधान शिक्षक के विभिन्न समस्याओं पर चर्चा हुई जिसमें मुख्य रूप से प्रधान शिक्षकों के अंतर वेतन बकाया राशि , पे प्रोटेक्शन का लाभ जैसे लंबित समस्या का निदान कैसे हो तथा प्रधान शिक्षक एक संगठित रूप से जिला स्तर पर रहे इसका रूप रेखा तय हुआ ताकि जो प्रधान शिक्षकों की मुख्य समस्या एवं मांग है वेतन निर्धारण एवं सेवाशर्त इसको राज्य स्तर पर उठाया जा सके। सभी उपस्थित प्रधान शिक्षकों के सहमति से आपसी समन्वय एवं विभागीय समन्वय हेतु जिला स्तर पर 11 सदस्यीय कोर कमेटी बनाया गया जिसमें त्रिभुवन कुमार भीष्म प्रसाद यादव, रविशंकर उपाध्याय, प्रशांत कुमार सिंह, उमेश कुमार, बलिराम कुमार,शिवा कुमारी, रानी कुमारी, रीता कुमारी, रितेश कुमार का नाम प्रस्तावित किया गया। इस बैठक में लालकिशोर राम , मनोज कुमार ,शैलेन्द्र सिंह, लीला कुमारी, धर्मेंद्र दास, बिजेन्द्र मांझी, एवं समस्त प्रधान शिक्षक शामिल हुए ।अंत में भीष्म प्रसाद यादव जी के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन कर सभा को समाप्त करने की घोषणा की गई।

विधि व्यवस्था के लिए पुलिस बल रहे मुस्तैद

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा सदर। सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक निदेर्शानुसार ईद मिलाद-उन-नबी पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने हेतु विधि-व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की गई। पर्व के दौरान जुलूस के निर्धारित मार्ग, चौक-चौराहों एवं संवेदनशील स्थानों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस पदाधिकारियों एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है। सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों को अपने-अपने ड्यूटी स्थल पर मुस्तैद रहते हुए विधि-व्यवस्था बनाए रखने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं ।जुलूस के दौरान सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। साथ ही, असामाजिक एवं उपद्रवी तत्वों पर कड़ी नजर रखते हुए किसी भी प्रकार की विधि-व्यवस्था संबंधी समस्या उत्पन्न होने पर त्वरित एवं आवश्यक कार्रवाई के निर्देश पुलिस कैप्टन ने दे रखी थी। सारण पुलिस द्वारा आमजनों से ईद मिलाद-उन-नबी पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं भाईचारे के वातावरण में मनाने तथा पुलिस-प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों का पालन करने की अपील की गई थी

कुर्की मामले में बगौरा गांव से आरोपित गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

प्रतिनिधि, दरौंदा। थाना पुलिस ने बुधवार को बगौरा गांव में छापेमारी कर कुर्की मामले में फरार चल रहे एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तार आरोपित की पहचान बगौरा गांव निवासी बीरेंद्र मिश्रा के रूप में हुई है. पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे न्यायालय में भेज दिया. थानाध्यक्ष विकास कुमार सिंह ने बताया कि कुर्की से संबंधित मामले में बीरेंद्र मिश्रा की गिरफ्तारी की गई है. पुलिस को उसकी गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद टीम ने बगौरा गांव में छापेमारी कर उसे दबोच लिया. पुलिस की अचानक हुई कार्रवाई से गांव एवं आसपास के क्षेत्र में कुछ देर के लिए हड़कंप मचा रहा. पुलिस ने बताया कि फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा।

बगौरा गांव में ईद-ए-मिलाद-उन-नबी का जुलूस

मस्जिद से शुरू होकर पूरे गांव का भ्रमण करते हुए शांतिपूर्ण संपन्न हुआ

सीवान/दारौंदा प्रखंड क्षेत्र के बगौरा गांव में बुधवार को ईद-ए-मिलाद-उन-नबी का त्योहार अकीदत और शांतिपूर्ण माहौल में मनाया गया। यह त्योहार पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के यौम-ए-पैदाइश के अवसर पर मुस्लिम समुदाय द्वारा मनाया जाता है। इस अवसर पर एक जुलूस निकाला गया ।यह जुलूस बगौड़ा स्थित मस्जिद से शुरू हुआ। इसने पूरे गांव और स्थानीय बाजार का भ्रमण किया और वापस मस्जिद प्रांगण में आकर शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। जुलूस के दौरान लोग हाथों में इस्लामी परचम लिए हुए थे। वे ह्यमजहबीह्न नारों के साथ पैगंबर साहब के शांति और भाईचारे के संदेश को बुलंद कर रहे थे। बाजार और गांव में जगह-जगह जुलूस का स्वागत भी किया गया। इस मौके पर सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ जुलूस को सफल बनाने में स्थानीय ग्रामीणों की सक्रिय भूमिका रही। जुलूस में रिजवान अंसारी, पेंटर अली, समीर अंसारी, नौशाद अली, अफरोज खान, फिरोज खान सहित सैकड़ों की संख्या में स्थानीय ग्रामीण और युवा मौजूद थे।

विगत 24 37 अभियुक्त किये गये गिरफ्तार अवैध शराब भी किये गये जब्त

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा सदर। सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक द्वारा दिये गये निर्देश के आलोक में असामाजिक तत्वों, अपराधकर्मियों की गिरफ्तारी एवं शराब के सेवन, बिक्री,भंडारण, निर्माण और परिवहन आदि पर पूर्ण रूप से पाबंदी लगाने तथा देशी शराब भट्टी ध्वस्त करने हेतु कार्रवाई को दृष्टिगत रखते हुए 25 अगस्त को विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान में कुल-37 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया ।वही अपराध नियंत्रण एवं यातायात सुरक्षा के दृष्टिकोण से कुल 13 वाहनों से 32,000 रूपए जुमार्ना राशि वसूली गई। साथ ही जिला अंतर्गत कुल शराब-442.44 लीटर, पिकअप-01, टेम्पू-01 अपहृत-01 एवं चार पहिया वाहन-01 बरामद किए गए।

शिक्षक रेवा पुल से लापता गंडक नदी से तलाश जारी

भेल्दी। छपरा-मुजफ्फरपुर एनएच 722 पर स्थित रेवा पुल से संगीत शिक्षक शेखर सुमन मंगलवार की रात से लापता है ।रेवा पुल से कार बरामद हुई है जबकि शिक्षक गायब हैं। संगीत शिक्षक शेखर सुमन(30) भेल्दी थाने के शोभेपुर गांव के उपेंद्र राय का पुत्र बताया जाता है। मिली जानकारी के अनुसार भेल्दी थाने के शोभेपुर गांव के शेखर सुमन उच्च माध्यमिक विद्यालय कोरेया में संगीत शिक्षक के पद पर कार्यरत थे ।शिक्षक शेखर सुमन कार से कही नेवता करने के लिए मंगलवार को अपने घर से निकले थे ।रात्रि तक घर नहीं लौटने पर जब परिजन फोन किए तो मोबाइल बंद था ।परिजन जब रेवा पुल पर पहुंचे तो देखा कि कार लगी हुई है और शेखर सुमन गायब हैं ।लोग आशंका जता रहे हैं कि कहीं वह गंडक नदी में छलांग तो नहीं लगा दिया ।परिजन मकेर थाने की पुलिस को घटना की सूचना दे दी है ।बुधवार की अहले सुबह से गंडक नदी में खोजबीन जारी है।

निकाली गई जुलूसे मोहम्मदिया सैकड़ों दिखे लोग जुलूस मे

बनियापुर । प्रखंड के सभी मुस्लिम समुदाय के गावो में पैगम्बरे आजम मोहम्मद साहब के यौमे पैदाइश पर हर्षोल्लास के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया,वही गावो के सभी मस्जिदों,बस्ती में बारहवीं शरीफ का जलसा का आयोजन कर जिक्र ए सरकार का भव्य आयोजन किया,जहां रात भर ओलमाओ ने मोहम्मद साहब की जीवनी और उनके मर्तबा का जिक्र नात शरीफ व तकरीर के रूप में किया ।जहां उनलोग ने बताया कि हजरत मोहम्मद साहब सारी कायनात के लिए रहमत बन कर आए और दुनिया को शांति,सद्भाव आपसी प्रेम,विश्व बंधुत्व का पाठ पढ़ाया ।जिनके व्यक्तित्व कृतित्व से पूरे आलम में सादगी,प्रेम सद्भाव तथा विश्व मानवता का विकास हुआ ।जहां सुबह बूढ़े नवजवान सभी झंडे के साथ जश्ने ईद मिलादुन नबी पर जुलूस मोहम्मदिया का आयोजन कर मुस्लमानों ने शांति सद्भाव प्रेम का पैगाम दिया,मौके पर पैगंबरपुर पिठौरी हरपुर कराह इब्राहिमपुर सतुआ सरैया पुच्छरी नदौवा सुहई हरिहरपुर हंसराजपुर सहजीतपुर धनगरहा भीठी आदि सभी गांवों में भव्य जुलूसे मोहम्मदिया का आयोजन कर उत्सवी माहौल में पर्व मनाया गया।

ईद मिलाद-उल-नबी पर्व के मद्देनजर सारण पुलिस रही अलर्ट

जिले में विशेष वाहन जांच एवं सघन चेकिंग अभियान रहा जारी

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा सदर। बुधवार को सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक के निदेर्शानुसार ईद मिलाद-उल-नबी पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने तथा सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान प्रमुख चौक-चौराहों एवं महत्वपूर्ण मार्गों पर वाहनों की सघन जांच की गई। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की गई तथा जुलूस के निर्धारित मार्गों पर यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने हेतु पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिसकर्मी मुस्तैद रहे।

खैरा पुलिस ने मवेशी चोरी करते एक आरोपी को पकड़ा,पिकअप जब्त

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। सदर ।खैरा थाना क्षेत्र के महम्मद पट्टी गांव में मवेशी चोरी करने के प्रयास के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है.पुलिस ने उनके पास से मवेशी लदे एक पिकअप वाहन भी जब्त किया है.बताया जाता है कि महम्मद पट्टी गांव निवासी टुनटुन राय ने खैरा थाना में लिखित शिकायत दी थी कि कुछ लोग उनके बथान से भैंस को पिकअप पर लाद रहे थे.इसी दौरान उनकी नजर पड़ गई और शोर मचाने पर सभी आरोपी भागने लगे.ग्रामीणों के सहयोग से एक आरोपी को मौके पर ही पकड़ लिया गया.गिरफ्तार आरोपी की पहचान नगरा थाना क्षेत्र के महम्मद पट्टी गांव निवासी अखिलेश नट के पुत्र डबल नट के रूप में हुई.पुलिस पूछताछ एवं उसकी निशानदेही पर दूसरे आरोपी भेल्दी थाना क्षेत्र के शोभेपुर गांव निवासी संतोष नट के पुत्र भोला नट को दाउदपुर से पिकअप के साथ गिरफ्तार किया गया.वहीं इस संबंध में खैरा थानाध्यक्ष मुकेश कुमार ने बताया कि घटना के बाद अन्य आरोपी मौके से फरार हो गए थे. पकड़े गए आरोपी की निशानदेही पर दूसरे आरोपी को पिकअप के साथ गिरफ्तार किया गया.पूछताछ के बाद दोनों गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है.पुलिस

संक्षिप्त खबरें

जगदीशपुर नगर के वार्ड नंबर 1 बोधा टोला में अज्ञात चोरों ने तीन मवेशी की चोरी

जगदीशपुर। नगर पंचायत के वार्ड नंबर एक स्थित बोधा टोला में बीती रात अज्ञात चोरों ने दुस्साहस दिखाते हुए। तीन मवेशियों पर हाथ साफ कर लिया। इस घटना के बाद से पूरे इलाके के पशुपालकों में हड़कंप और भय का माहौल व्याप्त है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़ित पशुपालक शिव बालक चौधरी प्रतिदिन की तरह अपने मवेशियों को बांधकर सोए हुए थे। आज बुधवार की सुबह जब वे मवेशियों को चारा देने के लिए अपने मवेशी घर पहुंचे, तो वहां का नजारा देखकर दंग रह गए। तीनों मवेशी गायब थी। घटना के तुरंत बाद शिव बालक चौधरी ने आसपास के क्षेत्रों में काफी खोजबीन की, लेकिन मवेशियों का कोई अता-पता नहीं चला। अंत में उन्होंने धनगाई थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराकर पुलिस से न्याय और मवेशियों की बरामदगी की गुहार लगाई है। पीड़ित शिव बालक चौधरी ने बताया कि लगभग 2 साल पहले भी गांव में इसी तरह मवेशियों की चोरी की घटना घटी थी। एक बार फिर चोरी की इस वारदात से स्थानीय ग्रामीणों और पशुपालकों में भारी रोष और डर का माहौल है।फिलहाल धनगाई थाना पुलिस शिकायत मिलने के बाद मामले की जांच-पड़ताल में जुट गई है।

इफ्तेखार ने संभाला उर्दू विभागाध्यक्ष का पद

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा के पीजी उर्दू विभाग में डॉ. इफ्तेखार अहमद अंसारी ने विभागाध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करने पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों, प्रोफेसरों, सहायक प्राध्यापकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं।इस अवसर पर डॉ. अंसारी ने कहा कि किसी भी विभाग की प्रगति केवल एक व्यक्ति के प्रयास से संभव नहीं है। विभाग को आगे बढ़ाने के लिए शिक्षकों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों और कर्मचारियों का सामूहिक सहयोग जरूरी है। उन्होंने कहा कि आपसी समन्वय और सहयोग से उर्दू विभाग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने विभाग में तालीमी मयार (शैक्षणिक स्तर) को बेहतर बनाने, शोध एवं तहकीक को प्रोत्साहित करने तथा गुणवत्तापूर्ण तदरीस (शिक्षण) को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना और शोध कार्यों की गुणवत्ता में सुधार करना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा। पदभार ग्रहण के अवसर पर मानविकी संकाय के डीन प्रो. शंभू शरण, प्रो. अलाउद्दीन अजीजी, असिस्टेंट प्रोफेसर अरमान आलम, प्रो. सद्दाम हुसैन, निवर्तमान विभागाध्यक्ष डॉ. सूफिया परवीन, डॉ. विनय कुमार तथा देशसी भूषण राय सहित कई शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने डॉ. अंसारी को बधाई दी।

पुलिस ने ज्ञानपुर के समीप 15 लीटर देशी शराब के साथ दो को किया गिरफ्तार

कोईलवर। गीधा थाने की पुलिस ने शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत ज्ञानपुर गांव के समीप से 15 लीटर देशी शराब के साथ दो कारोबारियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान ज्ञानपुर गांव निवासी अर्जुन कुमार यादव, पिता बटेश्वर राय, और गणेश राय, पिता पचित राय के रूप में हुई है। इस संबंध में जानकारी देते हुए गीधा थानाध्यक्ष टिंकू कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने ज्ञानपुर गांव के समीप कार्रवाई करते हुए दोनों को 15 लीटर देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया। थानाध्यक्ष ने बताया कि दोनों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस द्वारा क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार और बिक्री के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शराब के धंधे में शामिल लोगों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

घटा जलस्तर, अब राहत-बचाव कार्यों के साथ प्रशासन की निगरानी जारी

आरा। जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जलस्तर में लगातार कमी आने से स्थिति में सुधार हो रहा है। प्रभावित इलाकों में जनजीवन धीरे-धीरे सामान्य होने लगा है। हालांकि, जिला प्रशासन अभी भी पूरी तरह अलर्ट है और राहत एवं बचाव कार्यों के साथ प्रभावित क्षेत्रों की लगातार निगरानी की जा रही है। जिलाधिकारी मनेश कुमार मीणा ने स्थिति पर नजर रखते हुए संबंधित पदाधिकारियों को क्षेत्र में सक्रिय रहने तथा जरूरत के अनुसार राहत एवं बचाव की व्यवस्था जारी रखने का निर्देश दिया है। उत्तर बिहार में गंडक नदी के जलस्तर में वृद्धि को देखते हुए प्रशासन ने भी सतर्कता बढ़ा दी है। क्षेत्रीय टीमों को अलर्ट मोड में रहने और जलस्तर या स्थानीय परिस्थितियों में बदलाव की सूचना मिलते ही तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। प्रभावित क्षेत्रों में प्रशासनिक टीमों द्वारा लगातार स्थिति का जायजा लिया जा रहा है।

वीकेएसयू में बनेगा मानवाधिकार सेल, छात्रावासों में गठित होंगे ह्यूमन राइट्स क्लब

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) के विशेष मॉनिटर प्रोफेसर कन्हैया त्रिपाठी ने बुधवार की देर रात वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा के नूतन परिसर का भ्रमण किया। वे रात करीब 8:30 बजे विश्वविद्यालय पहुंचे, जहां कुलपति प्रो. शैलेंद्र कुमार चतुर्वेदी ने विभिन्न विभागाध्यक्षों, संकायाध्यक्षों एवं विश्वविद्यालय अधिकारियों के साथ उनका स्वागत किया। प्रो. त्रिपाठी आयोग में विशेष रूप से मानवाधिकार वकालत, मानवाधिकार शिक्षा एवं लैंगिक समानता से जुड़े विषयगत क्षेत्र की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। विश्वविद्यालय भ्रमण के दौरान उन्होंने मानवाधिकार शिक्षा और लैंगिक समानता को लेकर कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने विश्वविद्यालय में एक समर्पित मन राइट्स सेल स्थापित करने तथा छात्रावासों में मन राइट्स क्लब गठित करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयासों से विद्यार्थियों के बीच मानवाधिकारों, संवैधानिक मूल्यों और लैंगिक समानता के प्रति जागरूकता को जमीनी स्तर तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। प्रो. कन्हैया त्रिपाठी ने कुलपति से मानवाधिकार एवं लैंगिक समानता के विषय पर डिप्लोमा स्तरीय पाठ्यक्रम शुरू करने का भी सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों में मानवाधिकार संबंधी अध्ययन को बढ़ावा देने से विद्यार्थी सामाजिक जिम्मेदारियों और अधिकारों के प्रति अधिक संवेदनशील बनेंगे। उन्होंने विश्वविद्यालय में मानवाधिकार आधारित शैक्षणिक गतिविधियों और जागरूकता कार्यक्रमों को नियमित रूप से आयोजित करने पर भी जोर दिया। कुलपति प्रो. शैलेंद्र कुमार चतुर्वेदी ने उनके सुझावों को महत्वपूर्ण बताते हुए विश्वविद्यालय स्तर पर आवश्यक पहल करने की बात कही। इस अवसर पर प्रो. शंभू शरण शर्मा, प्रो. अवध बिहारी सिंह, कुलसचिव प्रो. राम कृष्ण ठाकुर, परीक्षा नियंत्रक, कुलानुशासक, प्रो. आभा सिंह, प्रो. संजय सिंह, प्रो. अजय कुमार, प्रो. अनवर इमाम, ललित सागर, अहमद मसूद, आमिर महमूद, आनंद भूषण पाण्डेय, लक्ष्मी कुमारी सहित अन्य अधिकारी एवं शिक्षक उपस्थित थे।

NHRC के विशेष मॉनिटर प्रो. कन्हैया त्रिपाठी ने दिए महत्वपूर्ण सुझाव, विश्वविद्यालय में मानवाधिकार सेल बनाने की मांग

आरा। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) के विशेष मॉनिटर प्रो. कन्हैया त्रिपाठी ने मंगलवार देर रात वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के नूतन परिसर का दौरा किया। देश के प्रमुख शैक्षणिक, चिकित्सा और तकनीकी संस्थानों के लगातार भ्रमण के क्रम में वे रात करीब 8:30 बजे आरा पहुंचे। विश्वविद्यालय परिसर में कुलपति प्रो. शैलेंद्र कुमार चतुर्वेदी के नेतृत्व में विभिन्न संकायाध्यक्षों, विभागाध्यक्षों एवं अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। प्रो. त्रिपाठी वर्तमान में NHRC में मानवाधिकार वकालत के तहत मानवाधिकार शिक्षा एवं लैंगिक समानता से जुड़े विषयगत क्षेत्र की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के बीच मानवाधिकारों की जमीनी समझ विकसित करने और लैंगिक समानता के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन को कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। इनमें विश्वविद्यालय स्तर पर ह्यूमन राइट्स सेल की स्थापना प्रमुख है। उन्होंने कहा कि सेल के माध्यम से विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को मानवाधिकारों, कर्तव्यों और लैंगिक समानता के प्रति जागरूक किया जा सकता है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय के सभी छात्रावासों में ह्यूमन राइट्स क्लब गठित करने का सुझाव दिया गया, ताकि छात्र स्वयं मानवाधिकार जागरूकता एवं वकालत से जुड़ी गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभा सकें। प्रो. त्रिपाठी ने वीकेएसयू में मानवाधिकार एवं लैंगिक समानता पर डिप्लोमा स्तरीय पाठ्यक्रम शुरू करने की भी सलाह दी। इससे विद्यार्थियों को मानवाधिकार के सैद्धांतिक ज्ञान के साथ सामाजिक स्तर पर उसके व्यावहारिक पक्ष को समझने का अवसर मिलेगा।इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. राम कृष्ण ठाकुर, परीक्षा नियंत्रक, कुलानुशासक प्रो. शम्भू शरण शर्मा, प्रो. अवध बिहारी सिंह, प्रो. आभा सिंह, प्रो. संजय सिंह, प्रो. अजय कुमार, प्रो. अनवर इमाम सहित अन्य अधिकारी व शिक्षक मौजूद रहे। ललित सागर, अहमद मसूद, आमिर महमूद, आनन्द भूषण पाण्डेय और लक्ष्मी कुमारी सहित कई गणमान्य लोगों की भी उपस्थिति रही।

चांदी में पुलिस ने सात गैर-जमानती वारंटियों को किया गिरफ्तार

कोईलवर। भोजपुर जिले के चांदी थाने की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए सात गैर-जमानती वारंटियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई न्यायालय के आदेश के आलोक में की गई। गिरफ्तारी के बाद सभी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। थानाध्यक्ष राकेश कुमार रौशन ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस को वारंटियों के संबंध में गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए सात वारंटियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार वारंटियों में बुद्धा राम, पिता- शिवदास राम, ग्राम जलपुरा; बुलु यादव, पिता- मोहन यादव तथा अवलदीन यादव, पिता- स्वर्गीय सरीमन यादव, दोनों ग्राम बिसुनपुर; जितेंद्र चौधरी, सुरेंद्र चौधरी एवं अजय शर्मा, तीनों ग्राम नरबीरपुर; तथा सुरेश पांडेय, ग्राम खनगांव,सभी थाना चांदी शामिल हैं। गिरफ्तारी के बाद सभी वारंटियों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के उपरांत जेल भेज दिया गया। थानाध्यक्ष राकेश कुमार रौशन ने कहा कि न्यायालय से जारी वारंटों के निष्पादन को लेकर पुलिस की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

एक्स-रे लिखने को लेकर मरीज से भिड़ीं डॉक्टर, अभद्र व्यवहार का आरोप

प्रात: किरण संवाददाता

पीरो (आरा)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पीरो में बुधवार को ओपीडी के दौरान एक्स-रे कराने को लेकर मरीज और चिकित्सक के बीच विवाद का मामला सामने आया। पैर में मोच और सूजन की शिकायत लेकर अस्पताल पहुंची पीरो निवासी रंजना देवी ने ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ. अर्चना पर अभद्र व्यवहार करने और अस्पताल के बजाय बाहर से एक्स-रे कराने की बात कहने का आरोप लगाया है। मामले की शिकायत प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रवि से की गई है। रंजना देवी के अनुसार, वह करीब 10:30 बजे इलाज के लिए सीएचसी पहुंची थीं। ऑनलाइन टोकन कटाने के बाद टोकन के आधार पर डॉ. अर्चना के पास गईं। चिकित्सकीय जांच के बाद पैर में काफी दर्द होने की बात कहते हुए उन्होंने एक्स-रे लिखने का आग्रह किया। आरोप है कि इस पर चिकित्सक ने बाहर से एक्स-रे कराने की बात कही। मरीज ने अस्पताल में ही एक्स-रे कराने के लिए लिखने का अनुरोध किया तो चिकित्सक नाराज हो गईं। मरीज का आरोप है कि चिकित्सक ने कहा कि अस्पताल में इलाज उनके हिसाब से होता है और उसे वहां से जाने को कहा। चिकित्सक के व्यवहार से आहत रंजना देवी ने तत्काल इसकी शिकायत प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रवि से की। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने दूसरे चिकित्सक से दिखाने की दी सलाह शिकायत मिलने के बाद डॉ. रवि ने मरीज को दूसरा टोकन कटाकर दूसरे चिकित्सक से जांच कराने की सलाह दी। उन्होंने दूसरे चिकित्सक से एक्स-रे लिखवाने और आवश्यक दवा उपलब्ध कराने की बात कही। बाहर से जांच कराने की शिकायत पर भी उठे सवाल प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रवि ने बताया कि डॉ. अर्चना द्वारा मरीजों को बाहर से जांच कराने की बात कहे जाने की शिकायत उन्हें पहले भी मिली है। इसको लेकर उन्होंने चिकित्सक को सख्त हिदायत दी है कि भविष्य में ऐसी शिकायत नहीं मिलनी चाहिए। डॉ. रवि ने कहा कि मरीज के साथ चिकित्सक ने किस परिस्थिति में ऐसा व्यवहार किया, इसकी पूरी जानकारी उन्हें नहीं है। यदि मरीज द्वारा लगाए गए आरोप सही पाए जाते हैं तो चिकित्सक से स्पष्टीकरण मांगा जाएगा। जांच में शिकायत सही मिलने पर विभागीय कार्रवाई के लिए वरीय अधिकारियों को लिखा जाएगा। सरकारी अस्पताल में इलाज कराने पहुंचने वाले मरीजों के साथ चिकित्सकों का व्यवहार एक बार फिर सवालों के घेरे में है। अब देखना है कि शिकायत की जांच के बाद स्वास्थ्य विभाग इस मामले में क्या कार्रवाई करता है।

20 लीटर देशी शराब बरामद छह पर प्राथमिकी

प्रात: किरण संवाददाता

कोईलवर। जिले के गीधा थाना क्षेत्र के गीधा महादलित टोले में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर 20 लीटर देशी शराब बरामद की है। पुलिस की इस कार्रवाई से अवैध शराब के कारोबारियों में हड़कंप मच गया। पुलिस के पहुंचते ही शराब बेचने और सेवन करने वाले लोग मौके से फरार हो गए। गीधा थानाध्यक्ष टिंकू कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि महादलित टोले में अवैध रूप से देशी शराब की बिक्री और सेवन किया जा रहा है। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने मौके पर छापेमारी की। पुलिस को देखते ही शराब के धंधे में शामिल लोग वहां से भाग निकले। हालांकि, पुलिस ने उनकी पहचान कर ली है। थानाध्यक्ष ने बताया कि मामले में छह लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है। छापेमारी के दौरान मौके से पांच बाइक भी बरामद हुई हैं, जिन्हें पुलिस ने जब्त कर लिया है। जब्त बाइकों के संबंध में भी आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद इलाके में अवैध शराब के कारोबार से जुड़े लोगों के बीच हड़कंप की स्थिति है। थानाध्यक्ष टिंकू कुमार ने स्पष्ट किया कि थाना क्षेत्र में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री, परिवहन और सेवन के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा और सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

जगदीशपुर में अकीदत और उत्साह के साथ मनाया गया बारावफात पैगंबर साहब के यौम-ए-पैदाइश पर निकला भव्य जुलूस

प्रात: किरण संवाददाता

जगदीशपुर। ऐतिहासिक नगरी जगदीशपुर में बारावफात कमेटी के तत्वाधान में पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के यौम-ए-पैदाइश (जन्मदिन) के मुबारक मौके पर एक भव्य और ऐतिहासिक जुलूस निकाला गया। इस पावन अवसर पर पूरा शहर इश्क-ए-रसूल के रंगों में रंगा नजर आया और शहर का कोना-कोना पैगंबर साहब की शान में गूंज उठा। शहीद बाबा के मजार पर कुरान खानी से हुई शुरूआत जुलूस की शुरूआत से पहले वीर कुंवर सिंह किला परिसर स्थित शहीद बाबा के मजार पर विशेष कुरान खानी का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने शिरकत कर मुल्क में अमन, चैन और भाईचारे की दुआ मांगी। इसके पश्चात, नगर की सभी मस्जिदों से छोटे-छोटे जत्थों में जुलूस निकलकर वीर कुंवर सिंह किला परिसर में एकत्रित हुआ, जहां से एक विशाल जुलूस निर्धारित समय पर रवाना हुआ। सरकार की आमद, मरहबा के नारों से गूंजा इलाका जुलूस के दौरान फिजाओं में गूंजते नारे-तकबीर, अल्लाह हू अकबर और सरकार की आमद, मरहबा के पुरजोश नारों से पूरा जगदीशपुर इलाका गूंज उठा। इस रूहानी और उत्साह से भरे माहौल ने हर किसी का दिल मोह लिया। जुलूस में शामिल बच्चे, युवा और बुजुर्ग सभी के हाथों में हरे झंडे और पैगंबर साहब की सीरत-उन-नबी के संदेश वाले खूबसूरत बैनर नजर आए। प्रमुख मार्गों से गुजरा कारवां, हुआ भव्य स्वागत यह भव्य जुलूस मुख्य मार्गों से होता हुआ सदर बाजार, स्वारथ साह खेल मैदान और डीएम रोड से गुजरते हुए कर्बला तक पहुंचा। रास्ते में जगह-जगह स्थानीय नागरिकों और विभिन्न कमेटियों द्वारा जुलूस में शामिल अकीदतमंदों का फूलों से और जलपान कराकर भव्य स्वागत किया गया, जो गंगा-जमुनी तहजीब और आपसी सौहार्द की एक बेहतरीन मिसाल पेश कर रहा था। अंत में कर्बला पर फतेहा पढ़कर देश और दुनिया की भलाई के लिए विशेष दुआ मांगी गई, जिसके बाद जुलूस वापस किला परिसर पहुंचकर संपन्न हुआ। बारावफात कमेटी के द्वारा वीर कुंवर सिंह किला परिसर में लंगर की व्यवस्था की गई थी। इंसानियत और भाईचारा ही पैगंबर साहब की सच्ची सीख इस मौके पर वक्ताओं ने पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद साहब के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे इस दुनिया में पूरी कायनात के लिए रहमत बनकर आए थे। उनकी पूरी जिंदगी इंसानियत, भाईचारे, सच्चाई और न्याय का पाठ पढ़ाती है। आज के दौर में जब समाज में नफरत और दूरियां बढ़ रही हैं, यह बेहद जरूरी है कि हम उनकी तालीम और जीवनी को अपनाएं। अपने मोहल्लों, समाज और देश में अमन, शांति और मोहब्बत का पैगाम फैलाएं—यही उनके यौम-ए-पैदाइश पर हमारी तरफ से सबसे सच्ची खिराज-ए-अकीदत होगी। इस आयोजन को सफल बनाने में कमेटी के सदस्यों और स्थानीय प्रशासन की भूमिका सराहनीय रही। जुलूस के दौरान पुलिस प्रशासन की सक्रियता देखी गई और हर पहलुओं पर प्रशासन की पैनी नजर थी। मजिस्ट्रेट के साथ-साथ महिला पुलिस कर्मियों की नियुक्ति की गई थी जो जुलूस के साथ-साथ चल रहे थे अधिकारियों ने भी जुलूस पर नजर बनाए हुए थे।

मिलाद-उन-नबी को लेकर कृष्णगढ़ व सिन्हा थाना पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

बड़हरा। मिलाद-उन-नबी पर्व को लेकर क्षेत्र में शांति एवं सौहार्दपूर्ण माहौल बनाए रखने के लिए कृष्णगढ़ थाना एवं सिन्हा थाना पुलिस ने संवेदनशील इलाकों में फ्लैग मार्च किया। इस दौरान पुलिस पदाधिकारियों एवं जवानों ने विभिन्न क्षेत्रों में पैदल मार्च कर लोगों से आपसी भाईचारे के साथ पर्व मनाने की अपील की। फ्लैग मार्च के माध्यम से पुलिस ने असामाजिक तत्वों को स्पष्ट संदेश दिया कि पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की अशांति या उपद्रव बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस की विशेष निगरानी रखी जा रही है। अधिकारियों ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की। मिलाद-उन-नबी पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। पुलिस बल की लगातार गश्ती और संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी जारी रहेगी।

लूट कांड मामले में दो वर्ष फरार चल रहे दो आरोपित गिरफ्तार

पीरो(आरा)। पीरो थाना की पुलिस द्वारा लूट कांड मामले में दो वर्ष से फरार चल रहे दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपितों में जगदीशपुर थाना क्षेत्र के बभनियांव गांव निवासी राजकुमार सिंह का पुत्र दीपक कुमार एवं उदवंतनगर थाना क्षेत्र के मसाढ़ के टोला निवासी निर्मल यादव का पुत्र कमलेश कुमार शामिल है। इनमें कमलेश कुमार की गिरफ्तारी नवादा थाना क्षेत्र के धोबी घटवा पास से एवं दीपक कुमार की गिरफ्तारी जगदीशपुर थाना क्षेत्र के बभनियांव गांव स्थित उसके घर से मंगलवार को हुई। इसकी जानकारी पुलिस कप्तान अवधेश दीक्षित ने प्रेस नोट जारी कर दी। बता दे कि बीते 19 अप्रैल 2024 को कृष्णगढ़ थाना क्षेत्र के शाहजहांपुर गांव निवासी रामनिवास सिंह के पुत्र राहुल कुमार अपनी मां के साथ बाइक द्वारा अगिआवं बाजार थाना क्षेत्र के तार गांव अपने भाई के ससुराल तिलक समारोह में शामिल होने के लिए जा रहे थे। तब जाने के क्रम में जैसे ही वह औरैया टोला के पास पहुंचे। तभी एक बाइक पर सवार चार हथियारबंद बदमाशों ने उनकी बाइक के हैंडल को जबरन पड़कर उन्हें रोका। उसके बाद हथियार का भय दिखा कर उनकी मां के गले में रहे सोने के चैन, अंगूठी एवं अन्य सामग्री लूट ली थी। जिसके पश्चात राहुल कुमार द्वारा पीरो थाना में चार अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। अनुसंधान के क्रम में कमलेश कुमार एवं दीपक कुमार का नाम आया था। उसी समय से दोनों फरार चल रहे थे।

गुड्डू सिंह बाबुआन बने टेनिस क्रिकेट एसोसिएशन की सलाहकार समिति के चेयरमैन

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। टेनिस क्रिकेट स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ बिहार ने संगठन के विस्तार और राज्य में टेनिस क्रिकेट की गतिविधियों को और प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। एसोसिएशन ने गुड्डू सिंह बाबुआन को सलाहकार समिति का चेयरमैन नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति चेयरमैन सूफी खान, अध्यक्ष डॉ. एमडी महबूब आलम और सचिव ज्योति प्रकाश की मौजूदगी में की गई। इस अवसर पर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कहा कि गुड्डू सिंह बाबुआन के अनुभव, सक्रियता और मार्गदर्शन से बिहार में टेनिस क्रिकेट को नई दिशा मिलेगी। उनके नेतृत्व में संगठन को मजबूत करने के साथ-साथ राज्य के विभिन्न जिलों में खेल गतिविधियों के विस्तार पर विशेष जोर दिया जाएगा। बैठक में खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण और प्रतिस्पर्धा का मंच उपलब्ध कराने तथा प्रतिभावान खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने को लेकर भी चर्चा हुई। नवनियुक्त सलाहकार समिति के चेयरमैन गुड्डू सिंह बाबुआन ने कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी दी गई है, उसका वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निर्वहन करेंगे। उनका मुख्य उद्देश्य बिहार के प्रतिभावान टेनिस क्रिकेट खिलाड़ियों को जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर अवसर उपलब्ध कराना होगा। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की प्रतिभा को उचित मंच मिलने से बिहार के खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बना सकते हैं।एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने उम्मीद जताई कि नई जिम्मेदारी के साथ गुड्डू सिंह बाबुआन के मार्गदर्शन में संगठन की गतिविधियों को गति मिलेगी और बिहार में टेनिस क्रिकेट को व्यापक स्तर पर बढ़ावा मिलेगा।

संस्कृत के मूल ग्रंथों का अध्ययन जरूरी, ताकि कोई गलत व्याख्या न कर सके : प्रो. डॉ. आभा सिंह

आरा। संस्कृत भारती, आरा, वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग एवं सहजानंद ब्रह्मर्षि महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को द्विदिवसीय संस्कृत समारोह का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन सत्र के साथ माध्यमिक, उच्च माध्यमिक तथा स्नातक-स्नातकोत्तर स्तर की भाषण, सस्वर स्तोत्रपाठ, एकल एवं समूह गीत तथा एकल एवं समूह नृत्य प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विभिन्न विद्यालयों से पहुंचे छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन, मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण तथा वैदिक एवं लौकिक मंगलाचरण से हुई। समारोह की अध्यक्षता स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. श्रीप्रकाश राय ने की। मुख्य अतिथि के रूप में जगजीवन कॉलेज, आरा की प्रधानाचार्या प्रो. डॉ. आभा सिंह तथा विशिष्ट अतिथि संस्कृत भारती के बिहार प्रांत के उपाध्यक्ष वेद निधि शर्मा उपस्थित रहे।मुख्य अतिथि प्रो. डॉ. आभा सिंह ने विद्यार्थियों को संस्कृत के मूल ग्रंथों का अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि मूल ग्रंथों को पढ़ने से उनके वास्तविक अर्थ और संदेश को समझा जा सकता है तथा कोई व्यक्ति उनकी गलत व्याख्या नहीं कर सकता। उन्होंने शास्त्रीय उद्धरणों के माध्यम से जातिगत भेदभाव और स्त्री उत्पीड़न जैसे विषयों पर भी प्रकाश डाला। वेद निधि शर्मा ने कहा कि संस्कृत केवल भाषा नहीं, बल्कि माता के समान है, जो अपने अध्येता का मातृवत पालन-पोषण करती है।

रमना मंदिर में संघ परिवार ने किया सामूहिक रुद्राभिषेक

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। धार्मिक एवं आध्यात्मिक उल्लास के बीच आरा के ऐतिहासिक रमना मंदिर स्थित शिव प्रांगण में संघ परिवार की ओर से सामूहिक रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ संपन्न हुए इस धार्मिक अनुष्ठान में संघ सेवकों, संघ परिवार के सदस्यों तथा बड़ी संख्या में शिव भक्तों ने श्रद्धापूर्वक भाग लिया। रुद्राभिषेक के दौरान पूरा मंदिर परिसर हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजता रहा। अनुष्ठान के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का विधिवत पूजन-अभिषेक किया। वैदिक मंत्रों के बीच शिवलिंग पर जल, दूध सहित विभिन्न पूजन सामग्री अर्पित कर भगवान शिव की आराधना की गई। श्रद्धालुओं ने देश, समाज और समस्त लोगों के सुख, शांति, समृद्धि एवं कल्याण की कामना की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से गुड्डू बाबुवान, संघ सेवक उत्तम, अमित सिंह राजपूत, रोशन, रूपेश, हिमांशु, राणा सहित संघ परिवार के अन्य सदस्य एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग किया। धार्मिक अनुष्ठान के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला।आयोजकों ने कहा कि सामूहिक धार्मिक आयोजन समाज में आपसी भाईचारा, सद्भाव और आध्यात्मिक चेतना को मजबूत करने का माध्यम हैं। रुद्राभिषेक के समापन के बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। अंत में हर-हर महादेव के जयघोष के साथ सामूहिक रुद्राभिषेक कार्यक्रम संपन्न हुआ।

पीजी प्रवेश परीक्षा फिर स्थगित अभ्यर्थियों की बढ़ी परेशानी

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा में पीजी सत्र 2026-28 में नामांकन के लिए 27 अगस्त को प्रस्तावित प्रवेश परीक्षा एक बार फिर अगले आदेश तक स्थगित कर दी गई है। परीक्षा की तिथि दूसरी बार टलने से 10,881 अभ्यर्थियों की परेशानी बढ़ गई है। इससे पहले परीक्षा 25 अगस्त को निर्धारित थी, जिसे तैयारियां पूरी नहीं होने के कारण 27 अगस्त तक बढ़ाया गया था। विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग के अनुसार, परीक्षा के लिए समर्थ पोर्टल से उपस्थिति पत्र सहित अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने की मांग की गई थी। परीक्षा में महज 48 घंटे शेष रहने के बावजूद सामग्री उपलब्ध नहीं हो सकी। इसके कारण निर्धारित तिथि पर परीक्षा कराना संभव नहीं था। विश्वविद्यालय प्रशासन ने परीक्षा को अगले आदेश तक स्थगित करने का निर्णय लिया।पीजी प्रवेश परीक्षा के प्रवेश पत्र 23 अगस्त को जारी कर दिए गए थे। प्रवेश पत्र मिलने के बाद अभ्यर्थी परीक्षा की तैयारी में जुट गए थे। अब परीक्षा स्थगित होने से उन्हें नई तिथि की घोषणा का इंतजार करना पड़ेगा। परीक्षा नियंत्रक प्रो. लाल बाबू सिंह ने बताया कि आवश्यक परीक्षा सामग्री उपलब्ध होने के बाद ही प्रवेश परीक्षा की नई तिथि घोषित की जाएगी। पर

संक्षिप्त खबरें

ब्रह्मयोनि पर्वत की तलहटी में अनूठा राखी महोत्सव, पेड़ों और सैनिकों पर तैलिक साहु सभा अध्यक्ष ने भी बांधी राखी

गया। गया जी के ब्रह्मयोनि पर्वत की तलहटी में मॉर्निंग वॉकर्स की ओर से हमारा पेड़, हमारा पर्यावरण अभियान के तहत अनूठा राखी महोत्सव आयोजित किया गया है।इस कार्यक्रम में शहर के विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं के साथ बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों के अलावे समाज सेवी अजय साव तैलिक साहु सभा के जिलाअध्यक्ष ने उत्साहपूर्वक भाग लिया है।इस अवसर पर बच्चों और तैलिक साहु सभा जिलाअध्यक्ष अजय साव एवं स्थानीय लोगों ने पेड़ों को राखी बांधकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया है। वहीं, देश की सुरक्षा में तैनात सैनिकों के सम्मान में उन्हें भी राखी बांधी गई है। पेड़ों को परिवार के सदस्य की तरह मानते हुए उनकी रक्षा और संरक्षण का संकल्प लिया गया है।इस कार्यक्रम के दौरान अधिक से अधिक पौधे लगाने और पर्यावरण को सुरक्षित रखने का संदेश अजय साव और लोगों ने दिया है। आयोजकों ने कहा कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य बच्चों को पेड़ों के महत्व, पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी के प्रति जागरूक करना है।इस कार्यक्रम में बच्चों की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने आयोजन को भावनात्मक और यादगार बना दिया है। राखी के इस अनूठे पर्व के माध्यम से लोगों ने प्रकृति और देश की रक्षा करने वालों के प्रति सम्मान का संदेश दिया है।

केंद्र एवं राज्य के सहयोग से अरवल का होगा चौमुखी विकास:मनोज शर्मा

अरवल। जिले में रेलवे लाइन और बाईपास निर्माण को लेकर अरवल विधायक मनोज शर्मा लगातार प्रयासरत हैं। विधायक मनोज शर्मा के 5 साल के कार्यकाल में जिले में संपूर्ण और चहुंमुखी विकास देखने को मिलेगा। विधायक मनोज शर्मा ने बताया कि केंद्र सरकार, राज्य सरकार और संबंधित मंत्रालयों से लगातार वातार्लाप कर अरवल में रेलवे लाइन लाने और जिले को जाम की समस्या से मुक्ति दिलाने के लिए बाईपास निर्माण को लेकर पहल की है। इसको लेकर संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर डीपीआर तैयार करने की प्रक्रिया चल रही है। साथ ही विधायक मनोज शर्मा ने बताया कि 5 साल के कार्यकाल में जिले में संपूर्ण विकास शिक्षा स्वास्थ्य बिजली और रोजगार के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर कार्य किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद से जो काम अरवल में अब तक नहीं हुआ, वह हम करके दिखाएंगे। वहीं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता भास्कर कुमार ने कहा कि अरवल की जनता ने जिस विश्वास के साथ मनोज शर्मा को अपना विधायक चुना है, वे अपने हर वादे पर खरा उतरने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि आने वाले एक साल के अंदर अरवल में कई बड़े बदलाव और विकास कार्य धरातल पर दिखेंगे।

मिलाद-उन-नबी पर अरवल में पुलिस अलर्ट, एसडीपीओ ने जुलूस का लिया जायजा

अरवलः अरवल जिले मे पुलिस अधीक्षकःनवजोत सिमी,के निर्देशन पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारीः कुमार संजय के द्वारा अरवल थाना क्षेत्र में मिलाद-उन-नबी पर्व के अवसर पर निकाले जा रहे जुलूस का निरीक्षण किया गया।इस दौरान उपस्थित पुलिस पदाधिकारियों एवं जवानों को विधि-व्यवस्था बनाए रखने, पर्याप्त सतर्कता बरतने तथा जुलूस को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

मरछी देवी के निधन पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

औरंगाबाद। जिले के जम्होर थाना क्षेत्र के अमिलौना ग्राम पंचायत के तेंदुआ ग्राम निवासी श्रीमती मरछी देवी के आकस्मिक निधन के पश्चात आयोजित श्राद्ध कर्म के मौके पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित लोगों ने उनके सम्मान में दो मिनट का मौन रखा एवं उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई। श्रद्धांजलि सभा में राज्य महोत्सव संघ के प्रवक्ता सुरेश विद्यार्थी पहुंचे और उनके छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दिया,कहा कि वे एक कर्मठी, धर्म परायण,सामाजिक महिला के रूप में जानी जाती थी। सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया करती थी। शिक्षा के प्रति में उनकी गहरी अभिरुचि थी।श्रद्धांजलि सभा के मौके पर धानेश कुमार,अवधेश सिंह, विष्णु कुमार, महेश कुमार सिंह, जितेंद्र सिंह, सिकंदर सिंह,विशाल कुमार,आयुष, दक्ष,हर्ष एवं अन्य उपस्थित थे।

गया नगर निगम के शौचालय शुल्क वसूली में लापरवाही पर सिंधु मिश्रा से जवाब-तलब

पांच साल से निगम का पैसा जमा नही

नगर आयुक्त ने मांगा स्पष्टीकरण

प्रातः किरण संवाददाता

गया। नगर निगम की आय बढ़ाने को लेकर नगर आयुक्त डॉ. गगन कुमार ने अब राजस्व वसूली में लापरवाही बरतने वाले कर्मियों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। मंगलवार को अपने कार्यालय कक्ष में हुई राजस्व समीक्षा बैठक में शौचालय शुल्क और विभागीय स्रोतों से प्राप्त राशि की वसूली की स्थिति की समीक्षा की गई है। इसी दौरान करीब पांच वर्षों से शौचालय शुल्क की राशि निगम में जमा नहीं होने का मामला सामने आया, जिस पर संबंधित कर्मी सिंधु मिश्रा से स्पष्टीकरण मांगते हुए बकाया राशि की वसूली का निर्देश दिया गया है।

इस बैठक में सामने आया कि वर्ष 2021 में सिंधु मिश्रा को दो डीलक्स शौचालयों से शौचालय शुल्क की वसूली करने का आदेश दिया गया था। इसके बावजूद अब तक संबंधित राशि नगर निगम कार्यालय में जमा नहीं कराई गई है। लंबे समय तक निगम की राशि जमा नहीं होने को नगर आयुक्त ने गंभीरता से लिया और मामले में जवाब-तलब करते हुए बकाया राशि की वसूली सुनिश्चित करने को कहा गया है।

नगर निगम की राजस्व व्यवस्था में इस तरह की लापरवाही को लेकर अब सवाल उठने लगे हैं कि जब वर्ष 2021 में शुल्क वसूली की जिम्मेदारी तय कर दी गई थी, तो इतने लंबे समय तक राशि की वसूली और जमा की प्रक्रिया की निगरानी क्यों नहीं हुई है। पांच साल तक निगम की राशि लंबित रहना राजस्व व्यवस्था की निगरानी पर भी सवाल खड़ा करता है।

नगर आयुक्त डॉ. गगन कुमार ने स्पष्ट किया कि नगर निगम की आय बढ़ाना प्राथमिकता है। निगम के विभिन्न स्रोतों से होने वाली आय और लंबित राजस्व की वसूली में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नगर आयुक्त ने अधिकारियों को लंबित मामलों की समीक्षा कर शीघ्र कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है।

पांच साल पुराने मामले में अब खुली फाइल

वर्ष 2021 में दो डीलक्स शौचालयों से शुल्क वसूली की जिम्मेदारी दिए जाने के बावजूद राशि जमा नहीं होने का मामला अब राजस्व समीक्षा में सामने आया है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि पांच साल तक निगम की बकाया राशि पर कार्रवाई क्यों नहीं हुई? नगर आयुक्त द्वारा अब मामले में स्पष्टीकरण मांगने और बकाया राशि की वसूली का निर्देश दिए जाने से संबंधित कर्मी की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो गए हैं।

पैक्स चुनाव में बूथ बदलने पर विवाद नामांकन वापसी नहीं होने से आक्रोश

प्रात: किरण संवाददाता

अरवल। कुर्था प्रखंड की बारा पंचायत में पैक्स चुनाव को लेकर मंगलवार को समाहरणालय में दिनभर गहमागहमी रही। पैक्स अध्यक्ष पद के उम्मीदवार सुबोध शर्मा अपने समर्थकों के साथ समाहरणालय पहुंचे और जिला पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर मतदान केंद्र को पंचायत मुख्यालय में ही रखने की मांग की। उनका कहना था कि पूर्व के कई चुनावों में पंचायत मुख्यालय में मतदान केंद्र बनाया जाता रहा है, लेकिन इस बार बूथ को मुख्यालय से दूर नरही में कर दिया गया है। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला पदाधिकारी ने उप विकास आयुक्त शैलेश कुमार के नेतृत्व में टीम गठित कर मतदान केंद्र का निरीक्षण कराया। उप विकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी संजीव कुमार समेत अन्य अधिकारियों ने पंचायत पहुंचकर बूथ की स्थिति और विधि-व्यवस्था का जायजा लिया तथा जांच रिपोर्ट जिला पदाधिकारी को सौंपी। हालांकि निरीक्षण के बाद भी बूथ में बदलाव नहीं किया गया और मतदान केंद्र नरही में ही रखने का निर्णय कायम रहा। प्रत्याशी और उनके समर्थकों का आरोप है कि नरही बूथ पर पूर्व में मारपीट की घटनाएं हो चुकी हैं, जिससे चुनाव के दौरान विधि-व्यवस्था को लेकर आशंका बनी हुई है। मंगलवार को नामांकन वापसी की अंतिम तिथि भी थी। समर्थकों का कहना है कि वे नामांकन वापस लेने की मांग को लेकर समाहरणालय पहुंचे थे, लेकिन जांच के नाम पर मामले को टालते रहने से निर्धारित समय सीमा समाप्त हो गई और वे नामांकन वापस नहीं ले सके। इसको लेकर लोगों में प्रशासन के प्रति नाराजगी है। समर्थकों ने वर्तमान उप विकास आयुक्त पर दूसरे पक्ष से मिलीभगत का गंभीर आरोप भी लगाया है, आक्रोशित लोगों ने कहा कि बूथ को पंचायत मुख्यालय में नहीं किया गया तो बुधवार को सामूहिक रूप से मतदान का बहिष्कार किया जाएगा।

जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा का गया-बोधगया में उत्तम कुशवाहा के नेतृत्व में जोरदार स्वागत

प्रातः किरण संवाददाता

गया। जनता दल (यू) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा अपने दो दिवसीय गया-बोधगया दौरे के क्रम में गया पहुंचे। उनके आगमन को लेकर जदयू कार्यकताओं एवं समर्थकों में खासा उत्साह देखने को मिला है। इस दौरान जदयू के मगध विश्वविद्यालय अध्यक्ष एवं युवा नेता उत्तम कुशवाहा ने अपने समर्थकों के साथ उनका गर्मजोशी से स्वागत एवं अभिनंदन किया है।

उत्तम कुशवाहा ने संजय झा का स्वागत करते हुए कहा कि गया और बोधगया की पावन धरती पर आपका आगमन हम सभी कार्यकताओं के लिए गौरव और उत्साह का विषय है। आपके आने से गया में पार्टी संगठन को नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी। आपके कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन से जदयू का जनाधार और संगठनात्मक ढांचा और अधिक मजबूत होगा।

उन्होंने कहा कि गया-बोधगया की धरती ज्ञान, मोक्ष और आध्यात्मिक चेतना की भूमि है। ऐसे में पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व का यहां प्रवास कार्यकताओं के लिए नई प्रेरणा लेकर आया है। संजय झा के दौरे से जदयू कार्यकताओं में उत्साह का संचार हुआ है और संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूत करने में निश्चित रूप से मदद मिलेगी।

इस अवसर पर उत्तम कुशवाहा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में जदयू कार्यकताओं एवं समर्थकों ने संजय झा जिंदाबाद और जनता दल (यू) जिंदाबादह्व के नारों के साथ उनका भव्य स्वागत किया तथा उन्हें अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया है। उत्तम कुशवाहा ने कहा कि जदयू के राष्ट्रीय नेतृत्व के मार्गदर्शन में युवाओं को संगठन से जोड़ते हुए पार्टी को और अधिक मजबूत एवं जन-जन तक पहुंचाने का कार्य निरंतर जारी रहेगा। इस मौके पर पार्टी के महासचिव द्वारिका प्रसाद पार्टी के सादिक अख्तर, युवा जदयू अध्यक्ष सतीश पटेल ,भवन चंद्रवंशी,अवध बिहारी पटेल,ज्योति दागी, रोशन शक्ति सिंह राहुल प्रजापति समिति अन्य लोग रहे उपस्थित थे।

पटना-औरंगाबाद पथ का होगा चौड़ीकरण

औरंगाबाद। औरंगाबाद शहर स्थित सत्येन्द्र नगर के समाजसेवी प्रमोद रंजन द्विवेदी द्वारा पटना औरंगाबाद हरिहरगंज एन. एच 139 को 4 लेन में परिवर्तित करने के लिए प्रधानमंत्री से किये गये अनुरोध पर मंत्रालय ने संज्ञान लेते हुए कहा है कि यतायात की समस्या को देखते हुए अरवल बाईपास एवं दाउदनगर बाईपास का रेखांकन मंत्रालय से स्वीकृत हुआ है। वर्तमान में दोनो बाईपास निर्माण कार्य का निविदा प्रक्रिया में है। वही ओबरा एवं औरंगाबाद बाईपास का रेखांकन एवं शेष की लम्बाई को 4 लेन करने की स्वीकृति हेतु मंत्रालय को समर्पित किया गया है। स्वीकृति मिलने के उपरान्त निर्माण कार्य की प्रक्रिया की जायेगा। समाजसेवी प्रमोद रंजन द्विवेदी ने प्रधानमंत्री पटना औरंगाबाद हरिहरगंज एन. एच 139 को 4 लेन में परिवर्तित करने की मांग की है।

जीबीएम कॉलेज में जिला प्रशासन की ओर से लगाया गया विद्यार्थी सहयोग शिविर

प्रातः किरण संवाददाता

गया जी। गौतम बुद्ध महिला कॉलेज के सावित्री महाजन सभागार में जिला प्रशासन, गया के सहयोग से छात्राओं के लिए ह्यविद्यार्थी सहयोग शिविरह्ल लगाया गया, जिसमें छात्राओं को बिहार सरकार की नई पहल ह्लविद्यार्थी सहयोग पोर्टलह्व के बारे में बिंदुवार जानकारियाँ दी गयीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी प्रधानाचार्य डॉ सहदेब बाउरी ने की है। इस कार्यक्रम में डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम ऑफिसर डीपीओ पूनम कुमारी की उपस्थिति रही। उन्होंने छात्राओं से विद्यार्थी सहयोग शिविर के उद्देश्यों को साझा किया। कहा कि ह्लविद्यार्थी सहयोग पोर्टलह्व की शुरूआत अगस्त 2026 से की गई है, जिसके माध्यम से राज्य के शैक्षणिक संस्थानों और छात्रावासों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की समस्याओं, शिकायतों, और सुझावों का त्वरित तथा समयबद्ध तरीकों से समाधान किये जाने की योजना है। उन्होंने छात्राओं को कहा कि उन्हें अब अपनी शिकायत सुनाने के लिए सड़क पर प्रदर्शन करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। अपनी समस्याओं को वे पोर्टल द्वारा संबंधित अधिकारियों के समक्ष रख सकती हैं।इस कार्यक्रम का संचालन डॉ प्यारे माँझी ने किया। उन्होंने छात्राओं को इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए चरणबद्ध जानकारी दी। प्रभारी प्रधानाचार्य डॉ सहदेब बाउरी ने कहा कि छात्राएँ ह्लविद्यार्थी सहयोग पोर्टलह्व के अलावा टॉल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1100 के माध्यम से भी अपनी शिकायतें और सुझाव दर्ज करा सकती हैं। कॉलेज की मीडिया प्रभारी डॉ कुमारी रश्मि प्रियदर्शनी ने बताया कि ह्लविद्यार्थी सहयोग पोर्टलह्व द्वारा छात्र-छात्राओं द्वारा साझा की जा रही शिकायतों का निवारण 30 दिनों के भीतर किया जाएगा। यह शिविर प्रत्येक महीने के चौथे मंगलवार को कॉलेज ही नहीं, अपितु सभी सरकारी शैक्षणिक संस्थानों में लगाया जाएगा। विद्यार्थी अपनी शैक्षणिक समस्याओं एवं कॉलेज में इंफ्रास्ट्रक्चर एवं अन्य सुविधाओं की कमी संबंधित समस्याओं को दूर करने के लिए पोर्टल पर अपना अनुरोध व शिकायत दर्ज कर सकते हैं। वे छात्रवृत्ति, प्रमाण-पत्र, पेयजल, शौचालय, भोजन, सुरक्षा आदि के प्रभावी समाधान के लिए भी इस ऑनलाइन सुविधा का लाभ उठा सकते हैं।

30 अगस्त को गणेश महोत्सव में भाग लेने वाले कलाकारों का ऑडिशन

प्रात: किरण संवाददाता

औरंगाबाद । जिला मुख्यालय औरंगाबाद में शाहपुर धर्मशाला चौक के समीप अवस्थित गणपति मंदिर में 14 सितंबर से आयोजित होने वाली गणेश महोत्सव कार्यक्रम के निमित्त प्रतिदिन होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए कलाकारों का ऑडिशन 30 अगस्त को ब्लॉक मोड़ स्थित पृथ्वीराज चौहान स्मृति भवन में आयोजित किया गया है।इस आशय की जानकारी देते हुए गणेश महोत्सव के संरक्षक रणजीत कुमार सिंह ने बताया कि गणेश महोत्सव के दौरान होनेवाले सांस्कृतिक कार्यक्रम को उत्कृष्ट एवं बेहतर बनाने के लिए ऑडिशन का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

ऑडिशन में गणेश महोत्सव के सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ रविंद्र कुमार उर्फ दानिका महाराज निर्णायक मंडल की भूमिका निभाएंगे।

ऑडिशन कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन में संरक्षक रणजीत सिंह,अध्यक्ष विनय सिंह,मंदिर प्रशासक वीरेंद्र सिंह,सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के उपाध्यक्ष प्रवीण सिंह,मीडिया प्रभारी सुरेश विद्यार्थी,प्रसाद वितरण प्रभारी ओपी पांडेय, निशांत कुमार की सराहनीय भूमिका होगी। संरक्षक रणजीत सिंह ने बताया कि ऑडिशन के दिन जो भी कलाकार भाग लेना चाहते हैं वे निर्धारित समय से एक घंटा पूर्व स्थल पर पहुंचे और पंजीकरण करा कर ऑडिशन में भांग लेना सुनिश्चित करेंगे।

ऑडिशन में चयनित कलाकार ही गणेश महोत्सव के 10 दिनों के कार्यक्रम में हिस्सा ले सकते हैं।30 अगस्त को आडिशन का समय अपराह्न 1:00 बजे से 3:00 बजे तक निर्धारित किया गया है।

4 सितंबर को इस्कॉन गया में एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना

प्रात: किरण संवाददाता

गया जी। गया शहर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर को भव्य एवं सुव्यवस्थित रूप से मनाने के लिए इस्कॉन गया ने तैयारियाँ तेज कर दी हैं। आगामी *4 सितंबर 2026* को इस्कॉन गया में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का भव्य आयोजन किया जाएगा। मंदिर प्रशासन के अनुसार, इस वर्ष जन्माष्टमी पर *एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए पहुंचने की संभावना* है।इस्कॉन गया के मंदिर अध्यक्ष *जगदीश श्याम दास* ने बताया कि जन्माष्टमी की तैयारियाँ पूरे उत्साह के साथ चल रही हैं। मंदिर परिसर में *पंडाल निर्माण का कार्य प्रारंभ हो चुका है, भगवान के लिए विशेष पोशाकें तैयार की जा रही हैं तथा गया धामवासियों को जन्माष्टमी में आमंत्रित करने के लिए भक्त एवं स्वयंसेवक **घर-घर जाकर निमंत्रण* दे रहे हैं।

श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए विशेष व्यवस्था

जन्माष्टमी के अवसर पर भारी भीड़ को देखते हुए इस्कॉन गया द्वारा *विशेष बैरिकेडिंग एवं दर्शन व्यवस्था* की जा रही है। मंदिर प्रशासन ने जिला प्रशासन से भीड़ के सुचारु प्रबंधन, सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था में सहयोग का अनुरोध किया है।

जगदीश श्याम दास ने बताया कि इस्कॉन गया मंदिर जन्माष्टमी के अवसर पर गया शहर के सबसे अधिक भीड़ वाले स्थानों में से एक बन जाता है। इसलिए मंदिर प्रशासन द्वारा *सड़क से ही लंबी बैरिकेडिंग व्यवस्था* करने की योजना बनाई गई है, जिससे श्रद्धालुओं को व्यवस्थित रूप से भगवान के दर्शन कराए जा सकें और किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं का *तिलक एवं इत्र से स्वागत* किया जाएगा।

पांच भव्य झांकियां होंगी आकर्षण का केंद्र

इस वर्ष जन्माष्टमी महोत्सव में *पांच विशेष झांकियां* श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहेंगी। इनमें *दो झूला झांकियां एवं तीन मंदिर झांकियां* शामिल होंगी।

इस वर्ष विशेष आकर्षण के रूप में *वृंदावन वाले राधारमण * के दर्शन का अवसर भी श्रद्धालुओं को प्राप्त होगा। मंदिर परिसर को फूलों, आकर्षक रोशनी एवं रंगोली से भव्य रूप से सजाया जाएगा।

पूरे दिन *अखंड एवं मधुर हरिनाम संकीर्तन*, श्रीकृष्ण कथा तथा प्रसाद वितरण का आयोजन चलता रहेगा।

जन्माष्टमी के दिन का कार्यक्रम

जन्माष्टमी के दिन कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः *4:30 बजे मंगल आरती* से होगा। इसके बाद *5:30 बजे मंत्र ध्यान, **7:30 बजे गुरु पूजा* तथा *प्रातः 8 बजे श्रीकृष्ण कथा* होगी।

रात्रि में भगवान श्रीकृष्ण के प्राकट्य महोत्सव के अंतर्गत *रात्रि 9 बजे से महाभिषेक* प्रारंभ होगा। महाभिषेक में पंचगव्य, पंचामृत, विभिन्न प्रकार के फलों के रस, तीर्थ जल, गुलाब जल, चंदन आदि विभिन्न पवित्र द्रव्यों से भगवान का अभिषेक किया जाएगा।

रात्रि *11:30 बजे भगवान को 108 भोग अर्पित* किए जाएंगे तथा मध्यरात्रि *12 बजे महाआरती* होगी। महाआरती के पश्चात सभी श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण किया जाएगा।

5 सितंबर को नंदोत्सव एवं श्रील प्रभुपाद आविर्भाव दिवस

जन्माष्टमी के अगले दिन *5 सितंबर 2026* को नंदोत्सव एवं *श्रील प्रभुपाद आविर्भाव दिवस* मनाया जाएगा।

दोपहर *12 बजे पुष्पांजलि, भोग एवं आरती* का आयोजन होगा, जिसमें वैष्णव भजन एवं संकीर्तन होगा।शाम *4 बजे से 8 बजे तक विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम* आयोजित किए जाएंगे। इसमें हरिनाम संकीर्तन, सांस्कृतिक नृत्य, नाटक तथा श्रील प्रभुपाद की महिमा का गुणगान प्रमुख आकर्षण होंगे।

दो माह पहले हुई बहाली, चिकित्सक ने नहीं दिया योगदान

प्रात: किरण संवाददाता

औरंगाबाद। सदर अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार तो किया गया है, लेकिन पर्याप्त डॉक्टर और तकनीकी कर्मी उपलब्ध नहीं होने के कारण कई महत्वपूर्ण सेवाओं का मरीजों को समुचित लाभ नहीं मिल पा रहा है। इसका सबसे अधिक असर अल्ट्रासाउंड जांच सेवा पर देखने को मिल रहा है। अस्पताल में अल्ट्रासाउंड मशीन उपलब्ध होने के बावजूद रेडियोलॉजिस्ट का पद रिक्त रहने से यह सुविधा सीमित होकर रह गई है। इसके कारण मरीजों को जांच के लिए निजी अस्पतालों और जांच केंद्रों का रुख करना पड़ रहा है। वर्तमान में प्रतिदिन महज चार से पांच अल्ट्रासाउंड ही किए जा रहे हैं। यह सुविधा मुख्य रूप से गर्भवती महिलाओं के लिए उपलब्ध कराई जा रही है। पेट संबंधी बीमारी, किडनी, लिवर, पित्त की थैली समेत अन्य चिकित्सकीय जरूरतों के लिए अल्ट्रासाउंड कराने पहुंचने वाले मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सरकारी अस्पताल में जांच की सुविधा नहीं मिलने के कारण उन्हें निजी जांच केंद्रों में अधिक राशि खर्च करनी पड़ रही है। जानकारी के अनुसार सदर अस्पताल में गाइनकोलॉजिस्ट और रेडियोलॉजिस्ट दोनों के पद लंबे समय से रिक्त थे।गाइनकोलॉजिस्ट के पद पर अब नियुक्ति हो चुकी है, जिससे महिला मरीजों को कुछ राहत मिली है। वहीं रेडियोलॉजिस्ट के पद पर करीब दो माह पहले बहाली की प्रक्रिया पूरी हुई थी। संबंधित चिकित्सक की नियुक्ति होने के बावजूद उन्होंने अब तक अस्पताल में योगदान नहीं दिया है। इसके कारण पद दोबारा रिक्त स्थिति में बना हुआ है। अस्पताल में मशीन और अन्य आवश्यक संसाधन उपलब्ध होने के बावजूद विशेषज्ञ चिकित्सक के अभाव में पूरी क्षमता से अल्ट्रासाउंड जांच नहीं हो पा रही है। मरीजों का कहना है कि सरकारी अस्पताल में जांच की सुविधा उपलब्ध होने के बावजूद उसका लाभ नहीं मिलना परेशानी का कारण है। खासकर गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को निजी केंद्रों में जांच कराने पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ उठाना पड़ रहा है।

4 सितंबर को होगा जम्होर में गुलाबी देवी वैश्य धर्मशाला निर्माण के लिए भूमि पूजन

प्रात: किरण संवाददाता

औरंगाबाद। सदर प्रखंड स्थित ग्राम जम्होर में प्राचीन राधा कृष्ण ठाकुरवाड़ी मंदिर के प्रांगण में वैश्य समाज जम्होर की महत्वपूर्ण बैठक संस्था के अध्यक्ष अशोक कुमार गुप्ता के नेतृत्व में आयोजित किया गया। संचालन की जिम्मेवारी सुरेश विद्यार्थी द्वारा निभाई गई।सदस्यों ने आपसी विचार समन्वय किया एवं समाज के विकास के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए। सदस्यों के बहु प्रतीक्षित मांग धर्मशाला निर्माण की थी। जिसे जम्होर निवासी वर्तमान में औरंगाबाद निवासी यदुनंदन प्रसाद गुप्ता ने घोषणा किया कि वे अपनी जमीन पर वैश्य समाज के नाम से धर्मशाला बनाने के लिए तैयार हैं। सदस्यों द्वारा ध्वनि मत से उनका स्वागत करते हुए इस प्रस्ताव को पारित किया, धर्मशाला का नाम गुलाबी देवी वैश्य धर्मशाला होगा एवं धर्मशाला निर्माण के लिए भूमि पूजन 4 सितंबर जन्माष्टमी के दिन रखा गया है ।संस्था के वरीय सदस्य संजय गुप्ता, जितेंद्र गुप्ता, सुभाष गुप्ता, राजू कुमार वर्मा,नवनीत कुमार गुप्ता, पन्ना प्रसाद गुप्ता, मनीष कुमार गुप्ता ने यदुनंदन प्रसाद गुप्ता जी को इस कार्य के लिए शुभकामना दी। मौके पर गुड्डू गुप्ता ,धीरज कुमार गुप्ता, विकास कुमार, साहिल कुमार, शुभम कुमार ,अमित कुमार, अंशु कुमार, जितेश्वर प्रसाद गुप्ता,राजकुमार गुप्ता, दीपक कुमार गुप्ता,अनिल कुमार, रंजीत कुमार सहित अन्य उपस्थित थे। राधा कृष्ण मंदिर के पुजारी विवेक मिश्रा द्वारा यदुनंदन प्रसाद जी को अंग वस्त्र, पुष्प हार एवं तिलक सजाया गया।

शिक्षा में बदलाव की नई कहानी लिख रहा टीचर्स ऑफ बिहार

नवाचार, सहयोग और डिजिटल संसाधनों के माध्यम से सरकारी विद्यालयों को मिल रही नई दिशा

प्रात: किरण संवाददाता

गयाजी। बिहार के सरकारी विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने, शिक्षकों को एक-दूसरे से जोड़ने और बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए एक सशक्त मंच के रूप में उभरा है टीचर्स ऑफ बिहार झ द चेंज मेकर्स। यह केवल एक ऑनलाइन मंच नहीं, बल्कि हजारों शिक्षकों के अनुभव, नवाचार और सकारात्मक सोच को एक साथ जोड़ने वाला शिक्षा परिवर्तन का अभियान बन चुका है।

शिक्षकों के लिए बना ज्ञान और नवाचार का सशक्त मंच

टीचर्स ऑफ बिहार का उद्देश्य बिहार के शिक्षकों को ऐसा मंच उपलब्ध कराना है, जहां वे अपने विद्यालयों में किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों, नई शिक्षण विधियों, गतिविधियों और नवाचारों को साझा कर सकें। इस मंच के माध्यम से शिक्षक एक-दूसरे के अनुभवों से सीखते हैं और बेहतर शिक्षण पद्धतियों को अपनाकर बच्चों की सीखने की प्रक्रिया को और प्रभावी बनाते हैं।

सरकारी विद्यालयों के बच्चों के लिए उपयोगी पहल

यह मंच विद्यार्थियों के लिए भी अनेक शैक्षणिक अवसर उपलब्ध करा रहा है। विभिन्न प्रतियोगिताओं, शैक्षणिक गतिविधियों, डिजिटल शिक्षण सामग्री, ई-पत्रिकाओं और सीखने-सिखाने के संसाधनों के माध्यम से बच्चों में रचनात्मकता, जिज्ञासा और आत्मविश्वास को बढ़ावा मिल रहा है।

विद्यालयों की बदल रही तस्वीर

बिहार के सरकारी विद्यालयों में शिक्षक अब केवल पाठ्यक्रम पूरा करने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि गतिविधि आधारित शिक्षण, परियोजना कार्य, शिक्षण सहायक सामग्री निर्माण और नवाचारों के माध्यम से बच्चों को बेहतर सीखने का अवसर दे रहे हैं। टीचर्स ऑफ बिहार ऐसे उत्कृष्ट प्रयासों को पहचान और मंच प्रदान कर उन्हें समाज तक पहुंचाने का कार्य कर रहा है।

डिजिटल युग में शिक्षा का मजबूत सहयोगी

वर्तमान समय में जब शिक्षा तेजी से डिजिटल माध्यमों की ओर बढ़ रही है, टीचर्स ऑफ बिहार शिक्षकों को आवश्यक संसाधन, मार्गदर्शन और सहयोग उपलब्ध कराकर शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने का कार्य कर रहा है। इस मंच के माध्यम से शैक्षणिक लेख, ई-पत्रिकाएं, शिक्षण सामग्री और विभिन्न शैक्षणिक पहल उपलब्ध कराई जा रही हैं, जो शिक्षकों और विद्यार्थियों दोनों के लिए उपयोगी साबित हो रही हैं।

शिक्षा परिवर्तन की सामूहिक पहल

टीचर्स ऑफ बिहार यह संदेश दे रहा है कि सरकारी विद्यालयों में बदलाव केवल संसाधनों से नहीं, बल्कि शिक्षकों के समर्पण, नवाचार और सामूहिक प्रयासों से संभव है। यह मंच उन हजारों शिक्षकों की आवाज बन चुका है, जो अपने छोटे-छोटे प्रयासों से बिहार की शिक्षा व्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहे हैं।

टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार एवं प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय कुमार ने बताया कि यह मंच बिहार के सरकारी विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता, नवाचार और सकारात्मक बदलाव को बढ़ावा देने के उद्देश्य से निरंतर कार्य कर रहा है।

उन्होंने कहा कि शिक्षकों के अनुभवों को साझा करने, बच्चों के लिए बेहतर सीखने के अवसर उपलब्ध कराने और विद्यालयों में हो रहे उत्कृष्ट कार्यों को समाज तक पहुंचाने में टीचर्स ऑफ बिहार महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।जहां शिक्षक सीखते हैं। साझा करते हैं और नवाचार करते हैं, वहीं से शिक्षा में वास्तविक परिवर्तन की शुरूआत होती है।टीचर्स ऑफ बिहार झ शिक्षा परिवर्तन का सशक्त मंच, जो बिहार के सरकारी विद्यालयों को नई दिशा दे रहा है।

अनुमंडलीय अस्पताल में एनीमिया मुक्त बिहार विशेष अभियान का शुभारंभ

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। एनीमिया से बचाव और लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से मंगलवार को अनुमंडलीय अस्पताल बगहा में एनीमिया मुक्त बिहार विशेष अभियान का शुभारंभ किया गया। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एवं स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने रिमोट के माध्यम से राज्यस्तरीय अभियान की शुरूआत की। इस अवसर पर अस्पताल में अधिकारियों, चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों ने कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देखा। कार्यक्रम के दौरान चिकित्सकों ने एनीमिया के कारण, लक्षण, बचाव और उपचार के संबंध में लोगों को जानकारी दी। महिलाओं को संतुलित एवं पौष्टिक आहार लेने तथा आयरन युक्त खाद्य पदार्थों का नियमित सेवन करने के लिए प्रेरित किया गया। स्वास्थ्यकर्मियों ने एनीमिया की समय पर जांच और चिकित्सकीय सलाह के महत्व पर भी प्रकाश डाला। करीब पांच दर्जन महिलाओं की हुई जांच विशेष अभियान के तहत अनुमंडलीय अस्पताल में करीब पांच दर्जन महिलाओं की एनीमिया जांच की गई। जांच के बाद स्वास्थ्यकर्मियों ने महिलाओं को आवश्यक परामर्श दिया और खान-पान तथा स्वास्थ्य के प्रति विशेष सावधानी बरतने की जानकारी दी। इस मौके पर जिलाधिकारी तरनजोत सिंह, सिविल सर्जन डॉ. विजय कुमार, डॉ. आरएस मुन्ना, प्रभारी उपाधीक्षक डॉ. एके तिवारी, डॉ. एसपी अग्रवाल, डॉ. राजीव कुमार सहित अन्य चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे। 25 अगस्त से 30 नवंबर तक चलेगा अभियान स्वास्थ्य विभाग के अनुसार विशेष अभियान 25 अगस्त से 30 नवंबर तक चलेगा। इस दौरान 5 से 9 वर्ष के बच्चों, 10 से 19 वर्ष के किशोर-किशोरियों, प्रजनन आयु वर्ग की महिलाओं, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं के साथ पुरुषों की भी एनीमिया जांच की जाए।

नगर निगम के बहुउपयोगी सम्राट अशोक भवन का 97.25 लाख से होगा नवीनीकरण, निविदा जारी:गरिमा

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया। नगर निगम कार्यालय परिसर में स्थापित बहुउपयोगी सम्राट अशोक भवन के जीर्णोद्धार एवं मॉडिफिकेशन कार्य को लेकर नगर निगम ने निविदा आमंत्रित की है। महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि जारी निविदा के तहत नगर निगम द्वारा स्वीकृत कार्य की कुल प्राक्कलित राशि 97 लाख 25 हजार 200 रुपये निर्धारित है। कार्य पूरा करने की अवधि तीन माह रखी गई है। निविदा प्रक्रिया ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल के माध्यम से होगी। महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने बताया कि रिनोवेशन के बाद यह भवन नगर निगम क्षेत्र में सार्वजनिक आयोजनों के लिए और अधिक उपयोगी संसाधन के रूप में नई और आधुनिक सुविधाओं के साथ नगर निगम के साथ ही आम जनता के लिए भी उपलब्ध होगा। महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि जिला मुख्यालय एवं नगर निगम क्षेत्र में आधुनिक सुविधाओं से युक्त वातानुकूलित सभागार के रूप में इसकी उपयोगिता पहले से ही महत्वपूर्ण रही है। भवन में फॉल्स सीलिंग, बेहतर साउंड सिस्टम एवं साउंड-प्रूफ व्यवस्था जैसी सुविधाएं बढ़ जाने से यह सम्राट अशोक भवन बैठक, संगोष्ठी, सांस्कृतिक कार्यक्रम और अन्य सामूहिक आयोजनों के लिए और अधिक उपयुक्त बन जाएगा। महापौर ने बताया कि नगर निगम की स्वीकृति के आधार पर आम जनता को महज दो हजार के शुल्क में इस भवन को मांगलिक अथवा सामाजिक आयोजनों के लिए उपलब्ध कराने की व्यवस्था है। महापौर श्रीमती सिकारिया ने दावे के साथ बताया कि इसकी जनोपयोगिता प्रस्तावित नवीनीकरण से और कई गुना बढ़ जाएगी। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों तथा सामाजिक हित से जुड़े कार्यक्रमों के लिए भी निर्धारित प्रक्रिया के तहत भवन का उपयोग किया जा सकता है। महापौर श्रीमती सिकारिया ने कहा कि ऐसे में नगर निगम बोर्ड द्वारा पारित प्रस्ताव के आलोक में जारी निविदा के अनुसार प्रस्तावित रिनोवेशन केवल भवन के सौंदर्य एवं संरचनात्मक सुधार तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि शहरवासियों को कम लागत में आधुनिक और सुव्यवस्थित सार्वजनिक सभागार उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कामयाबी मिलेगी।

संक्षिप्त खबरें

मैनाटांड के बाजारों में दिखा रक्षाबंधन का उत्साह, राखियों और मिठाइयों की बढ़ी मांग

मैनाटांड। रक्षाबंधन पर्व को लेकर मैनाटांड प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न बाजारों में खासा उत्साह देखने को मिला। पर्व को लेकर बाजारों में राखियों, मिठाइयों और उपहारों की दुकानों पर लोगों की भीड़ उमड़ी। बहनों ने भाइयों के लिए आकर्षक राखियां खरीदीं, वहीं मिठाई और उपहार की दुकानों पर भी ग्राहकों की चहल-पहल रही। बाजारों में रंग-बिरंगी और अलग-अलग डिजाइन की राखियां लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी रहीं। मिठाई दुकानों पर पर्व को लेकर विशेष तैयारियां की गई थीं। रक्षाबंधन को लेकर दूर-दराज में रहने वाली बहनों के घर पहुंचने का सिलसिला भी जारी रहा। बाजारों में खरीदारी के दौरान लोगों में पर्व को लेकर उत्साह साफ नजर आया। दुकानदारों के अनुसार, पर्व के कारण राखी, मिठाई और उपहारों की बिक्री में तेजी आई।

घर में घुसने की कोशिश कर रहा था विशालकाय पायथन, वनकर्मियों ने किया सुरक्षित रेस्क्यू

बगहा। बिसहा गांव में बुधवार की रात एक विशालकाय पायथन सांप के मिलने से ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। पायथन गांव के बीच स्थित पीसीसी सड़क पर रेंगते हुए ललन प्रसाद के घर में घुसने की कोशिश कर रहा था। सांप को देखते ही ग्रामीणों ने शोर मचाया, जिसके बाद आसपास के लोग मौके पर जुट गए और वन विभाग को इसकी सूचना दी। स्थानीय निवासी श्रवण कुमार ने बताया कि रात करीब 10 बजे ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने काफी सावधानी और कुशलता के साथ पायथन का रेस्क्यू किया। ग्रामीणों के अनुसार रेस्क्यू के दौरान पायथन बार-बार अपने बड़े जबड़े से हमला करने का प्रयास कर रहा था, लेकिन वनकर्मियों ने बिना किसी नुकसान के उसे सुरक्षित पकड़ लिया। रेंजर सत्यम कुमार ने बताया कि रेस्क्यू किए गए पायथन को सुरक्षित रूप से वीटीआर के घने जंगल में छोड़ दिया गया है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि किसी भी वन्यजीव या सांप के दिखाई देने पर उससे सुरक्षित दूरी बनाए रखें और उसे नुकसान पहुंचाने के बजाय तत्काल वन विभाग को सूचना दें। उन्होंने कहा कि वन्यजीवों की सुरक्षा के साथ-साथ लोगों की सुरक्षा भी विभाग की प्राथमिकता है।

रानीनगर में एक सितंबर को लगेगा निःशुल्क आंख जांच शिविर

बगहा। रानीनगर स्थित दुर्गा मंदिर परिसर में आगामी एक सितंबर, मंगलवार को निःशुल्क आंख जांच एवं मोतियाबिंद शल्यक्रिया शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर का आयोजन बुटवल लायंस आई हॉस्पिटल, बुटवल के सहयोग से किया जा रहा है। स्थानीय स्तर पर एमबीजन युवा क्लब, रानीनगर सह-आयोजक की भूमिका निभाएगा। स्थानीय आयोजक सदस्यों ने बताया कि शिविर में लोगों की आंखों की जांच विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा की जाएगी। जांच के दौरान मोतियाबिंद की पुष्टि होने वाले मरीजों के लिए निःशुल्क दवा और ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। आयोजकों के अनुसार, अन्य आंख संबंधी रोगों से पीड़ित मरीजों को डॉक्टर द्वारा लिखी गई दवा और चश्मे के लिए निर्धारित शुल्क देना होगा। आयोजकों ने क्षेत्र के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर आंखों की जांच कराने की अपील की है। शिविर का आयोजन रानीनगर स्थित दुर्गा मंदिर में किया जाएगा और इसकी तिथि एक सितंबर 2026 निर्धारित की गई है।

छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में मेहसी में डीवाईएफआई का प्रदर्शन

प्रात : किरण संवाददाता

मेहसी। पटना में 70वीं इढरउ परीक्षा में कथित अनियमितताओं, निगेटिव मार्किंग समाप्त करने, इररउ परीक्षाओं को नियमित कराने, संविदा प्रथा समाप्त करने तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस लाठीचार्ज के विरोध में मंगलवार को मेहसी में भारत की जनवादी नौजवान सभा (ऊऋक्क) के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकताओं और युवाओं ने बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का पुतला फूंका तथा सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने छात्र-युवाओं की मांगों पर सरकार से गंभीरता से विचार करने और परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग की। सभा को संबोधित करते हुए ऊऋक्क राज्य कमिटी सदस्य इम्तियाज अहमद ने कहा कि छात्रों पर लाठीचार्ज लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांग रखने के अधिकार का दमन है। उन्होंने कहा कि परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, रोजगार की गारंटी, संविदा प्रथा की समाप्ति और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा युवाओं की प्रमुख मांगें हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों की आवाज को दबाने के बजाय सरकार को उनसे बातचीत करनी चाहिए। उढक्ट राज्य कमिटी सदस्य एवं पिपरा विधानसभा से महागठबंधन के पूर्व प्रत्याशी राजमंगल प्रसाद ने प्रदर्शन को समर्थन देते हुए कहा कि छात्र अपने भविष्य और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इढरउ और इररउ जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने सरकार से दमन की कार्रवाई के बजाय छात्रों की समस्याओं के समाधान के लिए संवाद का रास्ता अपनाने की अपील की। कार्यक्रम में ऊऋक्क जिला अध्यक्ष विक्की कुमार, अमन यादव, राजेश राम, जहीर आलम, शफीकुर रहमान, चिरागुद्दीन, मुकेश राम तथा ऊऋक्क के पूर्व राज्य अध्यक्ष मुकेश कुमार यादव सहित अन्य कार्यकर्ता और युवा मौजूद रहे। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यदि छात्रों की मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं की गई और आंदोलनकारियों के खिलाफ दमनात्मक कार्रवाई जारी रही, तो संगठन आंदोलन को और व्यापक करने की दिशा में कदम उठाएगा।

सीमा क्षेत्र से यूरिया खाद की तस्करी का आरोप, जांच की मांग

- इनरवा और भंगहा के कई रास्तों से नेपाल भेजे जाने की शिकायत, कृषि विभाग ने कार्रवाई का दिया भरोसा

प्रात : किरण संवाददाता

मैनाटांड (अजय कुमार)। भारत-नेपाल सीमा से सटे इनरवा और भंगहा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर यूरिया खाद की तस्करी किए जाने की शिकायत सामने आई है। स्थानीय लोगों के अनुसार इनरवा के हनुमान गली और निजी विद्यालय के समीप नदी मार्ग से रोजाना खाद नेपाल भेजी जा रही है। वहीं, भंगहा क्षेत्र के दीपेंद्र घाट और पगडंडी के रास्ते से भी यूरिया खाद की तस्करी किए जाने का आरोप है। स्थानीय लोगों का दावा है कि तस्करी से जुड़े कई वीडियो और फुटेज उनके मोबाइल कैमरे में कैद हैं। लोगों का आरोप है कि सीमा पर निगरानी के बावजूद खाद की तस्करी का सिलसिला जारी है। उन्होंने मामले की जांच कर तस्करी पर रोक लगाने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।इस संबंध में मैनाटांड के कृषि पदाधिकारी रमेश कुमार गुप्ता ने बताया कि उपलब्ध फोटो और वीडियो के आधार पर दुकानदारों तथा अवैध रूप से खाद की बिक्री या तस्करी में शामिल लोगों की पहचान की जाएगी। पहचान होने पर संबंधित लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

भोटेकोशी में भीषण बाढ़ के बाद गंडक बराज कंट्रोल रूम हाई अलर्ट पर

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। तिब्बत की ओर से भोटेकोशी नदी में अचानक बड़ी मात्रा में बाढ़ का पानी आने के बाद नेपाल में त्रिशूली नदी के तटीय इलाकों में हाई अलर्ट जारी किया गया है। बाढ़ का पानी रसुवा से आगे नुवाकोट की ओर बढ़ने की सूचना के बाद धादिङ, नुवाकोट, गोरखा और चितवन के नदी किनारे बसे लोगों को सतर्क रहने और सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की गई है। बताया जा रहा है कि भोटेकोशी में आई बाढ़ का असर त्रिशूली नदी के जलप्रवाह पर भी पड़ा है। नेपाल के बाढ़ पूवार्नुमान एवं आपदा प्रबंधन अधिकारियों ने नदी के तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को विशेष सावधानी बरतने की चेतावनी दी है। प्रशासन की ओर से नदी किनारे जाने, मछली पकड़ने और अन्य गतिविधियों से बचने की अपील की गई है। गंडक नदी के निचले इलाकों में भी बढ़ी चिंता त्रिशूली नदी आगे चलकर गंडक नदी प्रणाली से जुड़ती है। ऐसे में नेपाल में आई इस अचानक बाढ़ को लेकर गंडक नदी के निचले इलाकों में भी सतर्कता बढ़ाई गई है। गंडक बराज के कंट्रोल रूम और संबंधित जल संसाधन अधिकारियों द्वारा नदी के जलस्तर एवं प्रवाह की निगरानी की जा रही है। हालांकि, त्रिशूली डैम या किसी बांध के टूटने की आधिकारिक पुष्टि फिलहाल नहीं हुई है। उपलब्ध सूचनाओं में तिब्बत की ओर से भोटेकोशी में अचानक आए बड़े बाढ़ प्रवाह की बात कही गई है और बाढ़ के वास्तविक कारण का आकलन किया जा रहा है। तटीय इलाकों को सुरक्षित स्थान पर जाने की अपील नेपाल के राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण ने भोटेकोशी, त्रिशूली और नारायणी नदी के किनारे रहने वाले लोगों को हाई अलर्ट पर रहने की अपील की है।

ईद मिलादुन्नबी पर निकला जश्ने आमद जुलूस

सुगौली, पू.च.। ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर बुधवार को नगर के लाइन सुगौली से मुस्लिम समुदाय के लोगों ने जश्ने आमद जुलूस निकाला। जुलूस में बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साह के साथ भाग लिया। धार्मिक उत्साह के बीच निकला जुलूस नगर के विभिन्न मार्गों से होकर गुजरा और शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। जुलूस को लेकर प्रशासन एवं पुलिस की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। जुलूस के दौरान अंचल पुलिस निरीक्षक मुन्ना कुमार, थानाध्यक्ष अनिष कुमार सिंह, एसआई ज्योति कुमारी सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं जवान मौजूद रहे। पुलिस पदाधिकारियों ने जुलूस के मार्ग पर निगरानी रखते हुए विधि-व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी संभाली। अधिकारियों ने लोगों से शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में पर्व मनाने की अपील की। जश्ने आमद जुलूस लाइन सुगौली से प्रारंभ होकर थाना चौक, बाजार क्षेत्र एवं स्टेशन चौक होते हुए पुनः लाइन सुगौली पहुंचा, जहां जुलूस का समापन किया गया। इस दौरान मार्ग में लोगों ने धार्मिक उत्साह के साथ जुलूस में सहभागिता निभाई। जुलूस को लेकर स्थानीय स्तर पर भी विशेष व्यवस्था की गई थी, ताकि आवागमन एवं आम लोगों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो। जुलूस में समाजसेवी मो. इरशादुल्लाह उर्फ राजा, अजय कुमार, अरबाज राय, कमरुल उर्फ छोटू, तबरेज आलम, मो. आमीर सहित कई गणमान्य लोग एवं समुदाय के लोग शामिल हुए। आयोजन के दौरान आपसी भाईचारे, शांति एवं सामाजिक सौहार्द का संदेश देखने को मिला। पुलिस एवं प्रशासन की सतर्कता तथा आयोजकों और स्थानीय लोगों के सहयोग से जश्ने आमद जुलूस शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। अधिकारियों ने आयोजन के दौरान सहयोग के लिए स्थानीय लोगों का आभार व्यक्त किया।

मेहसी में अकीदत के साथ मना जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी निकला भव्य जुलूस-ए-मोहम्मदी

प्रात : किरण संवाददाता

मेहसी (पूर्वी चम्पारण)। हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के यौमे विलादत के मुबारक अवसर पर बुधवार को मेहसी प्रखंड क्षेत्र में जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी बड़े ही हर्षोल्लास, अकीदत और पाकीजगी के माहौल में मनाया गया। इस अवसर पर नगर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक उत्सवी माहौल देखने को मिला। जगह-जगह सजावट की गई और जुलूस-ए-मोहम्मदी में शामिल लोगों ने नात और नारों से वातावरण को रूहानी बना दिया। हुजूर की आमद मरहबा, मुस्तफा की आमद मरहबा, ताजदार की आमद मरहबा तथा रबीउल अव्वल आया, खुश नजर सारा जहां आया जैसे नारों से मेहसी की गलियां गूंजती रहीं। बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने जुलूस में शामिल होकर अपनी मोहब्बत और अकीदत का इजहार किया। अरबी महीने 12 रबीउल अव्वल के मौके पर दाता अब्दुल हलीम शाह की मजार के निकट सहित करीब एक दर्जन गांवों से जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला गया। जुलूस मुगलपुरा, पुरानी मेहसी, मोतीझील, मिजार्पुर, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और घरयारी चक होते हुए समदपुरा, चकलालु, बड़ा कुरैशी मोहल्ला तथा काजीचक पहुंचा। इसके बाद जुलूस पुनः दाता अब्दुल हलीम शाह की मजार पर पहुंचकर संपन्न हुआ। जुलूस में बड़ी संख्या में बच्चे, युवा और बुजुर्ग शामिल हुए। कई स्थानों पर लोगों ने जुलूस का स्वागत किया। पूरे मार्ग में अकीदतमंदों में खासा उत्साह देखने को मिला। आयोजन के दौरान आपसी भाईचारे, मोहब्बत और सौहार्द का संदेश भी दिया गया। जुलूस-ए-मोहम्मदी का आयोजन जामिया रिजविया बड़ा कुरैशी मोहल्ला, मदरसा तजविदुल कुरान समदपुरा, मदरसा तेगिया दारुल इस्लाम बिशम्भरपुर, नौजवान कमेटी मिजार्पुर, मदरसा हलीमिया जामिया दरगाह शरीफ सहित दामोदरपुर, मुगलपुरा, काजीचक, परतापुर, हरपुर नाग, मैन मेहसी, नया टोला समदपुरा और मोतीझील समेत दर्जनों गांवों के लोगों की ओर से किया गया। कार्यक्रम में मौलाना तस्लीम रजा, अनवर मकरानी, मोहम्मद निसार नूरी, हाजी महबूब अली, नईम-उल-हक, हाफिज इरशाद, मौलाना कौसर, मौलाना सादिक रिजवी, अरकम चम्पारनी, मुफ्ती कुतबुद्दीन, हाफिज अबुजर, सजाद अनसारी,रिजवान अहमद, अल्फाज अली, मोहम्मद चंचल, शाहिद रजा, मेराज अहमद, मकसूद आलम, लाल बाबू,अ१ रहमान ,सद्दाम अन्सारी मोहम्मद मुराद, शफी अहमद खान, अफजल अंसारी, मोहम्मद अली, मोहम्मद हसनैन, सैयद शमीम अहमद रिजवी, अबुल कलाम आजाद,जाहिद रजा, जफर इकबाल रजा और कासिम रजा सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। जुलूस के दौरान लोगों ने शांतिपूर्ण एवं अनुशासित तरीके से अपनी अकीदत का इजहार किया। आयोजन ने मेहसी में धार्मिक आस्था के साथ-साथ आपसी भाईचारे और सामाजिक सौहार्द की खूबसूरत तस्वीर पेश की।

भूमि विवाद में महिला समेत तीन से मारपीट, प्राथमिकी

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। पठखौली थाना क्षेत्र के अवसानी गांव के वार्ड संख्या पांच में भूमि विवाद को लेकर महिला समेत तीन लोगों के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। घटना को लेकर घायल महिला किरण देवी, पत्नी सुनील पांडेय ने पठखौली थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। दर्ज प्राथमिकी में किरण देवी ने आरोप लगाया है कि रविवार की शाम बृजलाल ठाकुर उसकी जमीन पर जबरन कब्जा करने की नीयत से निर्माण कार्य करा रहे थे। इसकी जानकारी मिलने पर वह अपने स्वजनों के साथ मौके पर पहुंची और निर्माण कार्य के संबंध में पूछताछ करने लगी। इसी दौरान बृजलाल ठाकुर, विनोद ठाकुर, छोटेलाल ठाकुर, अमीन ठाकुर की पत्नी, मुन्ना राम, अप्पू राम और संदीप राम ने एकराय होकर उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। महिला ने आरोप लगाया कि उसके साथ मारपीट होते देख बीच-बचाव करने पहुंचे उसके बेटे और बेटी के साथ भी आरोपियों ने मारपीट की। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, जिसके बाद सभी आरोपी वहां से भाग गए। महिला ने पुलिस को दिए आवेदन में आरोप लगाया है कि जाते समय आरोपियों ने प्राथमिकी दर्ज कराने पर गलत मुकदमे में फंसाकर बर्बाद करने की धमकी भी दी। घटना के बाद घायल महिला समेत अन्य लोग पठखौली थाना पहुंचे। पुलिस ने सभी को इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल भेजा। पठखौली थानाध्यक्ष उत्पल कांत ने बताया कि महिला के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बदहाली से तंग दोनवासियों का प्रदर्शन, जनप्रतिनिधियों पर लगाया क्षेत्र से उदासीन और गायब रहने का आरोप

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। दोन क्षेत्र की बदहाल व्यवस्था और वर्षों से विकास की अनदेखी से नाराज ग्रामीणों ने एक बार फिर सड़क पर उतरकर अपना आक्रोश जताया। अति पिछड़े और आदिवासी थारू बहुल दोन क्षेत्र के 22 गांवों के ग्रामीणों ने प्रदर्शन मार्च निकालकर क्षेत्र की समस्याओं को लेकर आवाज बुलंद की। प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने जनप्रतिनिधियों के प्रति नाराजगी जताते हुए उनके क्षेत्र से लापता रहने जैसे आरोपों को नारों के जरिए उठाया। ग्रामीणों का कहना है कि वर्षों से दोन क्षेत्र विकास की राह देख रहा है। सड़क, पुल-पुलिया, बिजली, संचार और मोबाइल नेटवर्क, स्वास्थ्य एवं शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं का आज भी समुचित अभाव है। ग्रामीणों के अनुसार लगातार उपेक्षा के कारण क्षेत्र के लोगों की समस्याएं बढ़ती जा रही हैं, जबकि उनकी समस्याओं के समाधान के लिए कई बार आवाज उठाई जा चुकी है। प्रदर्शन में शामिल लोगों ने कहा कि बरसात के मौसम में दोन क्षेत्र की स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। हर वर्ष क्षेत्र के आपदाग्रस्त होने से आवागमन बाधित होता है और कई लोगों की जान तक चली जाती है। ग्रामीणों का आरोप है कि इसके बावजूद स्थायी समाधान की दिशा में गंभीर पहल नहीं की जा रही है। ग्रामीणों ने कहा कि क्षेत्र में सड़क और पुल-पुलिया का निर्माण, नियमित बिजली आपूर्ति, मोबाइल नेटवर्क एवं संचार सुविधा, बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था और शिक्षा की समुचित व्यवस्था उनकी प्रमुख मांगों में शामिल है।

त्रिवेणी संगम से दो क्विंटल प्लास्टिक कचरा निकाला

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। कवलेश्वर मंदिर के समीप सोनहा घाट त्रिवेणी संगम पर भारतीय वन्यजीव संस्थान की ओर से राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के तहत संचालित जलज परियोजना के अंतर्गत स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान त्रिवेणी संगम क्षेत्र से करीब दो क्विंटल प्लास्टिक कचरा नदी से बाहर निकाला गया। परियोजना सहायक मुकेश कुमार ने बताया कि नदी और उसके आसपास के पर्यावरण को प्लास्टिक प्रदूषण से मुक्त रखने के उद्देश्य से लगातार स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए लोगों को भी जागरूक किया जा रहा है, ताकि नदियों में प्लास्टिक और अन्य कचरा नहीं डाला जाए। उन्होंने बताया कि सोनहा घाट त्रिवेणी संगम क्षेत्र में अभियान के दौरान टीम के सदस्यों ने काफी मात्रा में नदी में जमा प्लास्टिक कचरे को एकत्रित कर बाहर निकाला। अभियान में गंगा प्रहरी मुरारी कुमार, रंजीत कुमार, सोनू कुमार और गोविंद कुमार ने अथक प्रयास किया। मंदिर के बाबा जी ने भी अभियान में सहयोग किया। परियोजना सहायक ने कहा कि नदियों की स्वच्छता केवल एक अभियान तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके लिए निरंतर प्रयास और आम लोगों की सहभागिता जरूरी है। नदी को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त रखने के लिए आगे भी ऐसे अभियान जारी रहेंगे।

नेपाल से होकर बहने वाली नदियों के जलस्तर में अचानक वृद्धि से बाल्मीकि नगर बैराज पर दबाव बढ़ाने की संभावना

मोतिहारी। बाल्मीकि नगर बैराज से अधिक मात्रा में पानी छोड़ने पर गंडक नदी के जलस्तर में भी अचानक वृद्धि की हो सकती है जिसको लेकर जिलाधिकारी के द्वारा गंडक नदी से जुड़े हुए अरेराज संग्रामपुर केसरिया और पहाड़पुर अंचल के लिए अलर्ट जारी किया गया है। आपदा प्रबंधन शाखा मोतिहारी के साथ-साथ बाढ़ प्रमंडल मोतिहारी के पदाधिकारी एवं स्थानीय पदाधिकारी के साथ बैठक कर जिलाधिकारी के द्वारा बताया गया है कि गंडक नदी में अचानक पानी बढ़ने से बाढ़ की संभावना बन सकती है। इसको लेकर सभी जरूरी तैयारी कर लिया जाए। जिलाधिकारी के द्वारा गंडक तटबंध सहित निचले इलाकों में लोगों को जागरूक और सचेत करने का निर्देश दिया गया है। उक्त अंचल के अंचल अधिकारी एवं थाना प्रभारी को सभी जरूरी व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया है। जिलाधिकारी के द्वारा एनडीआरएफ और एसडीआरएफ टीम को लगातार पेट्रोलिंग करने का निर्देश दिया गया है। सिविल सर्जन और जिला पशुपालन पदाधिकारी को सभी जरूरी मेडिसिन के साथ मेडिकल टीम को तैयार रहने और चिन्हित स्थानों पर प्रतिनियुक्त करने का निर्देश दिया गया है। जिला पंचायत राज पदाधिकारी को संबंधित प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी के साथ बैठक कर स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ ग्रामीण स्तर पर बैठक कर लेने का निर्देश दिया गया है ताकि क्षेत्र में लोग जल्द से जल्द जागरूक हो सकें। जिलाधिकारी के द्वारा निर्देश दिया गया है कि बाढ़ के अवसर पर की जाने वाली सभी व्यवस्था की मुकम्मल तैयारी कर ली जाए। सभी सम्बन्धित क्षेत्रीय पदाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े हुए थे।

प्रेमिका से मिलने पहुंचा युवक, संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। पटखौली थाना क्षेत्र के डीह डोमवलिया में मंगलवार शाम प्रेम प्रसंग से जुड़ा मामला सामने आया। मध्य प्रदेश से कथित प्रेमिका से मिलने पहुंचे 23 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में तबीयत बिगड़ गई। परिजन व स्थानीय लोगों की मदद से उसे अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति में जीएमसीएच बेतिया रेफर कर दिया। बेतिया ले जाने के दौरान रास्ते में उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान मध्य प्रदेश निवासी विराट सिंह राठौर के पुत्र शेखर राठौर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, शेखर का डीह डोमवलिया निवासी एक महिला से करीब तीन वर्षों से सोशल मीडिया के माध्यम से संपर्क था। महिला के अनुसार, दोनों करीब दो वर्षों तक साथ भी रहे थे। बताया गया कि मंगलवार को शेखर महिला से मिलने उसके घर पहुंचा था। परिजनों द्वारा मिलने नहीं दिए जाने के बाद वह घर के एक कमरे में चला गया। कुछ देर बाद उसकी तबीयत बिगड़ने की जानकारी हुई। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना डायल 112 को दी। टीम ने मौके पर पहुंचकर युवक को अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया। अनुमंडलीय अस्पताल के चिकित्सक डॉ. विनय कुमार ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जीएमसीएच बेतिया रेफर किया। बेतिया ले जाने के दौरान रास्ते में उसकी मौत हो गई। एसडीपीओ निहार भूषण ने बताया कि घटना की सूचना मृतक के परिजनों को दे दी गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना के वास्तविक कारणों और परिस्थितियों की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस की जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मामले में स्थिति और स्पष्ट होने की बात कही गई है।

तिब्बत में भूस्खलन से भोटेकोशी नदी में उफान, निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा

बगहा। तिब्बत की ओर से भारी बाढ़ के पानी और मलबा भोटेकोशी नदी में प्रवेश करने के बाद नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया है। नेपाल पुलिस ने नदी किनारे और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने तथा सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है। नेपाल पुलिस की ओर से जारी सूचना के अनुसार, भोटेकोशी नदी में अचानक बढ़े जलप्रवाह को देखते हुए आसपास के क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी गई है। नदी के किनारे अनावश्यक रूप से जाने और जोखिम वाले स्थानों पर रहने से लोगों को बचने की सलाह दी गई है। बताया गया है कि नदी में जलस्तर बढ़ने का असर निचले इलाकों में पड़ सकता है। संभावित खतरे को देखते हुए प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट किया गया है। लोगों से अपील की गई है कि वे नदी का जलस्तर बढ़ने की स्थिति में सुरक्षित स्थानों की ओर चले जाएं और प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करें। नेपाल पुलिस ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने और किसी भी आपात स्थिति में नजदीकी सुरक्षा निकाय या प्रशासन से संपर्क करने की अपील की है। प्रशासन की अपील: नदी किनारे, तटीय और निचले इलाकों में रहने वाले लोग विशेष सावधानी बरतें। बच्चों और बुजुर्गों को नदी के आसपास न जाने दें तथा जलस्तर बढ़ने पर तत्काल सुरक्षित स्थान पर चले जाएं।

ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी से मारपीट, आरोपी को पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

बगहा। नेपाल की राजधानी काठमांडू के नए बानेश्वर क्षेत्र में ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी के साथ मारपीट करने के आरोप में गिरफ्तार युवक के ख

कृषि मंत्री ने की पूजा अर्चना सांसद प्रतिनिधि ने किया स्वागत

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। सोनपुर सावन के पावन महीना मे दूसरे त्रियोदर्शी तिरोस्ती के दिन बाबा हरिहरनाथ मंदिर पहुंच कर पूर्व उप मुख्यमंत्री सह बिहार सरकार कृषि मंत्री विजय सिन्हा अपनी पत्नी संग मंदिर मे पहुंच कर विधिवत लघु रुद्राभिषेक पूजा अर्चना किया और प्रदेश की खुशहाली की कामना किया पूजा अर्चना सुशीलचंद्र शास्त्री और सदानंद बाबा ने करवाया । इस अवसर पर मंदिर परिषद मे भाजपा नेता सह सांसद प्रतिनिधि राकेश कुमार सिंह मंदिर सचिव विजय लाला ने मंदिर का प्रतीक चिन्ह और अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया और इस अवसर पर मंत्री विजय सिन्हा ने कहा की गंगा और गंडक नदी के संगम पर हरिहर क्षेत्र स्थित बाबा हरिहर नाथ मंदिर का हिंदू धर्म में अत्यधिक पौराणिक और ऐतिहासिक महत्त्व है। आज इस पवित्र धाम बाबा हरिहर नाथ मंदिर में आकर दर्शन पूजन करने का सौभाग्य मिला। यह एक अत्यंत पवित्र और ऐतिहासिक तीर्थ स्थान है। जिसका मुख्य महत्त्व यह है कि यहाँ हरि (भगवान विष्णु) और हर (भगवान शिव) एक ही शिवलिंग में संयुक्त स्वरूप में विराजमान हैं, जो इसे शैव और वैष्णव संप्रदाय की एकता का अद्वितीय प्रतीक बनाता है।इस अवसर पर विभाग के अधिकारी सोनपुर अंचल अधिकारी राजकुमार सोनपुर थानाध्यक्ष दिलीप कुमार हरिहरनाथ थानाध्यक्ष विकास कुमार मंडल अध्यक्ष मुकेश सिंह बबलू युवा मोर्चा दिव्यांशु गौतम भाजपा नेता नरेशु सिंह अविनाश शर्मा वार्ड अरुण सिंह रणधीर सिंह भाजपा मंडल महामंत्री संजीव सिंह मंडल अध्यक्ष मोनू सिंह युवा मोर्चा सुमंत तिवारी रत्नेश सिंह सचिन शर्मा सहित अनेक लोग उपस्थित थे, ज्ञात हो कि माननीय मंत्री विजय सिन्हा सोनपुर बाबा हरिहरनाथ मंदिर बराबर आते रहते है।

मुंगेर जिले में संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन सतर्क

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। जिले में संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह सजग एवं सतर्क है। बाढ़ सहित किसी भी आपदा की स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की जा रही हैं। जिलाधिकारी निखिल धनराज निप्पाणीकर द्वारा संभावित परिस्थितियों की लगातार निगरानी की जा रही है तथा संबंधित विभागों एवं पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं, ताकि आवश्यकता पड़ने पर आमजन को त्वरित सहायता एवं राहत उपलब्ध कराई जा सके। आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार द्वारा भी बाढ़ के दौरान आमलोगों की सुरक्षा के लिए आवश्यक सावधानियां जारी की गई हैं। जिला प्रशासन ने आमजनों से अपील किया है कि बाढ़ अथवा जलस्तर में वृद्धि की स्थिति में घबराएं नहीं तथा केवल प्रशासन एवं अधिकृत स्रोतों से प्राप्त सूचनाओं पर ही भरोसा करें। किसी भी प्रकार की अफवाह अथवा गलत जानकारी को सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से प्रसारित न करें। बाढ़ के दौरान विशेष सावधानी बरतते हुए नदी, नहर, तालाब, गड्ढे अथवा तेज बहाव वाले जलस्रोतों के समीप जाने से बचें। बच्चों एवं बुजुर्गों को विशेष रूप से सुरक्षित स्थान पर रखें। विद्युत प्रवाह से संबंधित संभावित खतरे को देखते हुए गिरे हुए बिजली के तारों एवं जलमग्न विद्युत उपकरणों से दूर रहें। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आपदा की स्थिति में आमजनों की सहायता के लिए प्रशासनिक तंत्र पूरी तरह तैयार है। आवश्यकता पड़ने पर राहत एवं बचाव कार्यों को तत्काल सक्रिय किया जाएगा। नागरिकों से अपील है कि वे प्रशासन के साथ सहयोग करें तथा किसी भी आपात स्थिति में उपलब्ध आधिकारिक हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क करें। आपातकालीन सहायता के लिए संपर्कः राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र हेल्पलाइनः 0612-2294204 /0612-2294205 आपातकालीन सहायता नंबरः 1070 जिला प्रशासन ने आमजनों से अपील किया है कि सतर्क रहें, सुरक्षित रहें और अफवाहों से बचें। आपदा के समय संयम एवं प्रशासन के निर्देशों का पालन ही स्वयं तथा अपने परिवार की सुरक्षा का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है।

संक्षिप्त खबरें

खेत में पटवन के दौरान करंट की चपेट में आने से किसान की मौत

एकमा।स्थानीय थाना क्षेत्र की माने पंचायत के नवतन गांव में बुधवार की सुबह सब्जी के खेत में पटवन करने गये 65 वर्षीय किसान सवलिया प्रसाद की विद्युत करंट की चपेट में आने से मौत हो गयी. मृतक नवतन गांव निवासी स्व. लालबहादुर प्रसाद के पुत्र थे. मिली जानकारी के अनुसार, सवलिया प्रसाद खेत में मोटर पंप चालू करने के लिए प्लग लगा रहे थे. इसी दौरान अचानक करंट की चपेट में आकर मौके पर ही उनकी मौत हो गयी. आसपास के खेतों में काम कर रहे लोगों ने उन्हें बेहोश पड़ा देखा और परिजनों को सूचना दी. सूचना मिलते ही परिजन घटनास्थल पर पहुंचे और शव देखते ही चीख-पुकार मच गयी. घटना की सूचना मिलने पर एकमा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए छपरा भेज दिया. हादसे के बाद गांव में भी मातम पसरा है. मृतक के तीन पुत्र अजय प्रसाद, संजय प्रसाद व गुड्डू प्रसाद तथा दो पुत्रियां रीना देवी व हीरा कुमारी हैं. सभी की शादी हो चुकी है. मृतक की पत्नी गायत्री देवी का करीब आठ वर्ष पहले बीमारी के कारण निधन हो चुका है. सवलिया प्रसाद की मौत की खबर मिलते ही उनके घर पर ग्रामीणों और रिश्तेदारों की भीड़ जुट गयी. परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. परिजनों के विलाप से माहौल गमगीन बना हुआ है. ग्रामीणों ने बताया कि सवलिया प्रसाद खेती-बाड़ी कर परिवार का भरण-पोषण करते थे. खेत में पटवन के दौरान हुई इस घटना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

एक अज्ञात शव बरामद

छपरा कार्यालय।कोपा थाना क्षेत्र के खोरोडीह घोघवालिया चवर में कोपा थाना द्वारा एक अज्ञात लाश बरामद किया गया घटनास्थल पर पहुंचे पुलिस पदाधिकारी एवं फॉरेंसिक लैब की टीम जांच में जुट गई है और मामले की छानबीन शुरू कर दी है अनुमान लगाया जा रहा है कि वह लाश बिल्कुल शर्चुका है और मानव कंकाल नुमा लाश है पैर में जींस पैंट और बॉडी में शॉर्ट है घटनास्थल के पास से मृतक का हवाई चप्पल एवं खून से सना हुआ एक गमछा पुलिस द्वारा बरामद किया गया है वहां मौजूद ग्रामीणों द्वारा बताया गया की सुनसान चवर में भेर चराने वाले ने लाश को देखा और कोपा थाना को सूचना दी सूचना मिलते ही थाना अध्यक्ष दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंच कर शवको अपने कब्जे में ले लिए उसके बाद फॉरेंसिक जांच टीम को सूचना दिए घटनास्थल फॉरेंसिक जांच टीम एवं थाना द्वारा गहन जांच की जा रही है ताकि अंजाम देने वाले के पास पहुंच सके शव को पहचानने के लिए लोगों की भीर उमर पड़ी अब जांच के बाद ही सही वजह पता चल पाएगी।

मांझी में निकला जुलूस-ए-मोहम्मदी, अमन-भाईचारे का दिया संदेश

मांझी। पैगंबर हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम साहब की यौम-ए-पैदाइश के मौके पर बुधवार को मांझी प्रखंड के विभिन्न गांवों में जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला गया। हसन अली बाजार, माली टोला, गुरदाह खुर्द, नरपलिया, डुमरी और गढ़ बाजार समेत कई गांवों से निकले जुलूस में बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए। जुलूस में लोग नात-ए-पाक और दरूद-व-सलाम पढ़ते हुए अमन, भाईचारे और आपसी सौहार्द का संदेश दे रहे थे। राजनीतिक एवं सामाजिक कार्यकताओं ने भी जुलूस में भाग लिया। विभिन्न गांवों से निकले जुलूस मांझी के नरपलिया मोड़ पर एकत्रित हुए, जहां से नारा लगाते हुए और सलातो-सलाम पढ़ते हुए जुलूस आगे बढ़ा। इस दौरान जगह-जगह लोगों ने राहगीरों और दुकानदारों के बीच पानी, शरबत, खजूर, केला व मिठाई वितरित की। यौम-ए-पैदाइश के अवसर पर लोगों को मिठाई भी बांटी गई। जुलूस के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मांझी पुलिस प्रशासन मुस्तैद रहा। जुलूस मुख्य मार्ग से होते हुए जलाल शाह रहमतुल्लाह अलैह के मजार पर पहुंचा, जहां अकीदतमंदों ने सलातो-सलाम पढ़ा और दुनिया में अमन-चैन व आपसी भाईचारे के लिए दुआ मांगी। इसके साथ ही जुलूस शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया।

मोहम्मद असजद इमाम ने नीट परीक्षा में लहराया परचम काउंसलिंग में पीएमसीएच मिलने की संभावना

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। जिले के मोहम्मद असजद जो इमाम ने नीट परीक्षा में परचम लहराया है, काउंसलिंग में पीएमसीएच मिलने की संभावना है। बताया गया कि शिक्षक मोहम्मद शाहिद इमाम जिनका पैतृक आवास लखीसराय सूर्यगढ़ा के रहने वाले अभी मौजूदा में अपना आवास मुंगेर शाह कॉलोनी में रह रहे हैं पुत्र मोहम्मद असजद इमाम ने नीट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर मुंगेर का मान बढ़ाया है असजद इमाम ने इंटर की परीक्षा मुंगेर सरस्वती विद्या मंदिर से नीट परीक्षा निकाल विद्या मंदिर स्कूल का भी नाम रोशन किया विद्या मंदिर के सभी शिक्षक एवं प्रिंसिपल ने भी शुभकामनाएं एवं उज्जवल भविष्य की कामना की असजद इमाम ने ऑल इंडिया रैंक 5575 और 617 अंक बिहार रैंक 115 मिला प्राप्त किया। मोहम्मद शाहिद इमाम अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा और संस्कार दी है। मेहनत इतनी खामोशी से करो कि सफलता शोर मचा दे, यही उदाहरण असजद इमाम ने पेश किया।असजद इमाम की खासियत रही है कि वो पढ़ाई के साथ-साथ अनुशासन और टाइमिंग के साथ मेहनत, लगन और ईमानदारी से पढ़ाई के लिए जाने जाते हैं।जहां नीट परीक्षा को लेकर पूरे देश में धरना-आंदोलन और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग उठी, वहीं अपनी मेहनत, लगन और ईमानदारी से असजद इमाम ने सफलता का परचम लहराया। पेपर लीक होने से पहले भी इन्होंने अच्छा रैंक लाया था लेकिन हिम्मत नहीं हरा असजद इमाम ने अपने पिता को इस उपलब्धि का श्रेय दिया जैसे ही इसकी जानकारी सामाजिक कार्यकर्ता, राजनीतिक कार्यकर्ता एवं वरीय पदाधिकारियों को मिली, उन्होंने असद इमाम को शुभकामनाएं दी एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।असजद इमाम ने कहा कि अगर आपके अंदर मेहनत, लगन और ईमानदारी हो तो आप कोई भी परीक्षा आराम से निकल सकते हैं।

गंडक के बढ़ते जलस्तर को लेकर सारण प्रशासन अलर्ट, तटबंधों पर 24 घंटे नजर

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। नेपाल के रसुवा क्षेत्र में बाढ़ के बाद गंडक नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए सारण जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट हो गया है। बिहार सरकार से मिले दिशा-निर्देश के बाद जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर बाढ़ से निपटने की तैयारियों की समीक्षा की। इसके बाद उन्होंने गंडक नदी के तटीय क्षेत्रों का निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में पूरी तत्परता के साथ काम करने तथा संभावित बाढ़ की स्थिति में राहत और बचाव कार्य के लिए पहले से तैयारी रखने का निर्देश दिया। उन्होंने आम लोगों से पैनिक नहीं करने और अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की। प्रशासन की ओर से लोगों तक समय पर सही और आधिकारिक जानकारी पहुंचाने की व्यवस्था करने को कहा गया है।तटबंधों की होगी लगातार निगरानी गंडक नदी के तटबंधों की सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। संवेदनशील स्थानों पर लगातार निगरानी रखने तथा जरूरत पड़ने पर बालू, बोरा, गैबियन सहित अन्य जरूरी सामग्री तत्काल उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है। जल संसाधन विभाग के अभियंताओं को तटबंधों के निरीक्षण में लगाया गया है।

राहत केंद्र और सामुदायिक किचन की तैयारी

सभी प्रखंडों में संभावित राहत केंद्र, सामुदायिक किचन तथा ऊंचे और सुरक्षित स्थानों को चिन्हित करने का निर्देश दिया गया है। सूखा राशन, गैस, टेंट, जनरेटर और अन्य आवश्यक सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया है। नाव परिचालन में सावधानी प्रशासन ने नाव परिचालन को लेकर भी विशेष निर्देश जारी किए हैं। अंधेरे में नाव चलाने पर रोक के साथ नावों पर क्षमता से अधिक लोगों को नहीं बैठाने और लाइफ जैकेट समेत आवश्यक सुरक्षा उपकरण रखने को कहा गया है।स्वास्थ्य विभाग भी अलर्ट संभावित बाढ़ को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग को मेडिकल टीम, आवश्यक जीवनरक्षक दवाएं, एंटी-वेनम, क्लोरीन टैबलेट और ब्लीचिंग पाउडर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रखने का निर्देश दिया गया है। अस्पतालों में स्वास्थ्य सुविधाओं की भी समीक्षा की जा रही है।जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन पूरी तरह तैयार है। लोगों से अपील की गई है कि वे केवल प्रशासन की ओर से जारी आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करें और अफवाहों से बचें।

माही नदी में दिखा मगरमच्छ, किनारे बसे ग्रामीणों में दहशत

प्रात : किरण संवाददाता

दरियापुर।स्थानीय प्रखंड क्षेत्र से होकर बहने वाली मही नदी में कई जगहों पर मगरमच्छ पानी में तैरते हुए देखे गए हैं।जिसके बाद नदी किनारे बसे लोगों में दहशत फैल गई है।नदी किनारे बसे सभी ग्रामीण अपने अपने बाल बच्चों को नदी किनारे नहीं जाने दे रहे हैं।यहां तक कि पशु पालक भी अपने मवेशियों को भी नदी की तरफ जाने से रोक रहे हैं।ग्रामीणों ने बताया कि बुधवार की सुबह में ककरहट व पुरदिलपुर गांवों के लोगों ने मही नदी में मगरमच्छ को तैरते हुए देखा गया।जिसके बाद काफी संख्या में लोग वहां जुट गए।पूरे इलाके में सनसनी फैल गई।वही मही की सहायक गंडकी व सुखमयी नदियां भी इस प्रखंड में बहती हैं।जिनका मही नदी से जुड़ाव है।इसलिए गंडकी व सुखमयी नदियों के किनारे बसे लोगों में भी दहशत बढ़ते जा रहा है।इन नदियों के किनारे बसे लोग भी अपने बाल बच्चों को नदी की तरफ नहीं जाने दे रहे हैं।बता दें कि इस क्षेत्र के अधिकांश गांव इन्हीं तीनों नदियों के किनारे बसे हुए हैं।ग्रामीण नहाने,बर्तन धोने,कपड़ा धोने व अपने मवेशियों को नहलाने तक का काम नदी से ही करते हैं।अब सभी लोगों को को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।चर्चा यह भी है कि कई संख्या में घड़ियाल गंगा या गंडक नदियों से होकर मही नदी में आ गए है।अपनी जानमाल की सुरक्षा को लेकर ग्रामीण काफी चिंतित हैं।विदित हो कि एक बार तीन दशक पूर्व भी इस नदी में मगरमच्छ देखा गया था।

दारौंदा में नबी की आमद मरहबा के नारों से गूंजा

प्रात : किरण संवाददाता

सीवान/दरौंदा। पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिवस के अवसर पर बुधवार को दरौंदा प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों में जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला गया। जुलूस के दौरान पूरा क्षेत्र नबी की आमद मरहबा- मरहबा के नारों से गूंज उठा। इसमें बड़ी संख्या में युवाओं, बच्चों और बुजुर्गों ने उत्साह के साथ भाग लिया। जुलूस में शामिल लोगों के हाथों में धार्मिक झंडे और पताके नजर आए। विभिन्न गांवों से निकला जुलूस निर्धारित मार्गों से होकर गुजरा। जगह-जगह स्थानीय लोगों ने जुलूस का स्वागत किया। कई स्थानों पर लोगों के लिए पानी, शरबत, कोल्ड ड्रिंक आदि की व्यवस्था की गई थी। जुलूस के दौरान नात-ए-पाक और धार्मिक नारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। लोगों ने आपसी भाईचारे, प्रेम और सौहार्द के साथ पर्व मनाया। रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगाया इलाकामौके को लेकर प्रखंड क्षेत्र की कई मस्जिदों, गली-मोहल्लों और प्रमुख स्थानों को रंग-बिरंगी झालरों और आकर्षक रोशनी से सजाया गया था। शाम होते ही पूरा इलाका रोशनी से जगमगा उठा। कई लोगों ने अपने घरों और प्रतिष्ठानों को भी आकर्षक ढंग से सजाया। सजावट और उत्सवी माहौल ने आयोजन की भव्यता बढ़ा दी।जुलूस को लेकर विभिन्न गांवों में कई दिनों से तैयारियां चल रही थीं। सुबह से ही लोगों में उत्साह देखा गया। निर्धारित समय पर लोग एकत्र हुए और शांतिपूर्ण तरीके से जुलूस निकाला गया। आयोजन के दौरान शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने पर भी विशेष ध्यान दिया गया। देर शाम तक प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों में उत्सवी माहौल बना रहा। जुलूस-ए-मोहम्मदी ने क्षेत्र में धार्मिक आस्था के साथ आपसी सद्भाव और सामाजिक सौहार्द की तस्वीर पेश की।

रेवा पुल से संगीत शिक्षक रहस्यमय तरीके से लापता, गंडक नदी में तलाश जारी

प्रात : किरण संवाददाता

भेल्दी। स्थानीय थाना क्षेत्र में एनएच 722 पर स्थित रेवा पुल से एक संगीत शिक्षक के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने का मामला सामने आया है,. भेल्दी थाने के शोभेपुर गांव निवासी 30 वर्षीय शेखर सुमन मंगलवार की रात से गायब हैं. पुल के पास से उनकी लावारिस कार बरामद हुई है, जिसके बाद से इलाके में हड़कंप मच गया है. लापता शिक्षक भेल्दी के शोभेपुर निवासी उपेंद्र राय के 30 वर्षीय पुत्र शेखर सुमन बताये जाते हैं, जो नगरा प्रखंड के उच्च माध्यमिक विद्यालय, कोरेया में संगीत शिक्षक के रूप में कार्यरत. घटनास्थल छपरा-मुजफ्फरपुर एनएच 722 स्थित रेवा पुल पर उनकी कार बरामद हुई है. मोबाइल स्विच ऑफ. गंडक नदी में गोताखोरों द्वारा तलाश जारी है. परिजनों के अनुसार, शेखर सुमन मंगलवार को स्कूल की छुट्टी के बाद गड़खा में फिजियोथेरेपी कराने गये थे. फिजियोथेरेपी के बाद अपने चालक विकास कुमार को बसंतपुर कटसा में उतार कर वह अकेले चार पहिया वाहन से रेवा घाट पुल पर पहुंचे थे. देर रात तक जब वे वापस नहीं लौटे और उनका मोबाइल फोन लगातार स्विच ऑफ मिला, तो परिजनों को अनहोनी की आशंका हुई. ढूंढते-ढूंढते जब परिजन रेवा पुल पर पहुंचे, तो उन्होंने शेखर सुमन की कार वहीं लावारिस हालत में खड़ी पाई, लेकिन उनका कहीं पता नहीं चला. संभावना है की गंडक नदी में छलांग लगा दी.बताया जा रहा है कि पूर्व में ट्रक-बाइक हादसे में उनका पैर और जांघ जख्मी हो गया था. उनके काफी तनाव मे होने की बात भाई पंकज ने बतायी. शेखर अविवाहित हैं. सूचना पर सीओ निर्मला कुमारी के प्रयास से एसडीआरएफ की टीम गंडक नदी मे सर्च अभियान में जुटी है. थानाध्यक्ष संग्राम सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद हैं. समाचार लिखे जाने तक शिक्षक का कोई सुराग नहीं मिल पाया है. पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है।

यूबीएल ने नदिया में सुरक्षित पेयजल परियोजना पूरी की

प्रात : किरण संवाददाता

नदिया। यूनाइटेड ब्रुअरीज लिमिटेड ने वॉटरएड इंडिया के साथ साझेदारी में पश्चिम बंगाल के नदिया जिले में अपनी सुरक्षित पेयजल परियोजना पूरी कर ली है, जिससे कल्याणी ब्लॉक के छह गांवों के 6,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित पेयजल तक बेहतर पहुंच प्राप्त हुई है। इस परियोजना के तहत आठ सौर-संचालित सामुदायिक पेयजल प्रणालियां शामिल हैं, जिनमें से प्रत्येक की भंडारण क्षमता 5,000 लीटर है और ये आर्सेनिक व आयरन हटाने की तकनीक से लैस हैं। इस बुनियादी ढांचे को औपचारिक रूप से संबंधित ग्राम पंचायतों को सौंप दिया गया, जिससे इसके प्रबंधन और रखरखाव की जिम्मेदारी स्थानीय संस्थाओं को हस्तांतरित हो गई। सामुदायिक भागीदारी और स्थानीय क्षमता निर्माण बेहद महत्वपूर्ण हैं। यूबीएल की कॉर्पोरेट अफेयर्स निदेशक गरिमा सिंह ने कहा कि परियोजना का उद्देश्य विश्वसनीय बुनियादी ढांचा तैयार करने के साथ-साथ समुदायों को इसका स्वामित्व लेने में सक्षम बनाना है। बता दें परियोजना वाले गांवों में भूजल में आर्सेनिक संदूषण के कारण सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता प्रभावित हुई थी, जिसके चलते कई परिवारों को अपनी दैनिक जरूरतों को पूरा करने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी या अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ता था। इस पहल के तहत प्रणाली संचालन, रखरखाव और जल गुणवत्ता निगरानी के लिए 42 महिलाओं को भी प्रशिक्षित किया गया।

किसी भी आकस्मिक स्थिति से निबटने के लिए प्रशासन तैयारः डीएम

मुजफ्फरपुर। गंडक नदी में संभावित फ्लैश फ्लड के आलोक में संवेदनशील क्षेत्रों एवं जिला आपातकालीन संचालन केन्द्र, मुजफ्फरपुर का जिलाधिकारी ने निरीक्षण किया।निरीक्षण के पश्चात मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए जिला प्रशासन पूर्णतः तैयार है। जान-माल की सुरक्षा एवं ससमय राहत पहुँचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। लोग पैनिक न हों लेकिन सजग एवं सतर्क रहें। सुरक्षित स्थानों पर रहें। बच्चों, गर्भवती महिलाओं, बीमार लोगों और बुजुर्ग व्यक्तियों का विशेष ध्यान रखें। किसी भी प्रकार की आवश्यकता पड़ने पर आम लोगों द्वारा नियंत्रण कक्ष में संपर्क स्थापित किया जा सकता है।

स्वास्थ्य विभाग ने टीबी उन्मूलन को लेकर जांच एवं स्कैनिंग अभियान चलाया

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। केंद्र एवं राज्य सरकार के महत्वाकांक्षी टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत जिलाधिकारी निखिल धनराज निप्पाणीकर के निर्देश पर मुंगेर जिले में स्वास्थ्य विभाग द्वारा टीबी उन्मूलन को लेकर व्यापक स्तर पर जांच एवं स्क्रीनिंग अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों में लोगों की जांच एवं स्क्रीनिंग कर टीबी के संभावित मरीजों की पहचान की जा रही है। जांच के क्रम में कई टीबी मरीजों को चिन्हित किया गया है, जिनका स्वास्थ्य विभाग द्वारा निर्धारित मानक के अनुसार उपचार भी प्रारंभ किया गया है। जिलाधिकारी के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा चिन्हित मरीजों को नियमित रूप से टीबी की दवा, आवश्यक कीट एवं अन्य जरूरी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। संबंधित स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा मरीजों के उपचार की नियमित निगरानी भी की जा रही है, ताकि मरीज निर्धारित अवधि तक दवा का सेवन करते रहें और उपचार को बीच में न छोड़ें। स्वास्थ्य विभाग द्वारा मरीजों को टीबी के प्रति जागरूक करते हुए नियमित दवा सेवन, पौष्टिक आहार एवं चिकित्सकीय परामर्श का पालन करने के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है। जिले में टीबी की समय पर पहचान एवं उपचार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से लगातार टीबी जांच एवं स्क्रीनिंग कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा आमजन से अपील की जा रही है कि लंबे समय तक खांसी, बुखार, वजन कम होना, रात में पसीना आना, कमजोरी अथवा टीबी से संबंधित अन्य लक्षण पाए जाने पर इसे नजरअंदाज नहीं करें और तत्काल अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर जांच कराएं। जिलाधिकारी ने आमजन से अपील करते हुए कहा है कि टीबी मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने में जनभागीदारी अत्यंत जरूरी है। केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित इस अभियान में जिले के सभी नागरिक अपना पूर्ण सहयोग दें। अपने निकटतम स्वास्थ्य केंद्र में चल रहे टीबी जांच एवं स्क्रीनिंग कार्यक्रम में अवश्य भाग लें तथा अपनी जांच कराएं। समय रहते बीमारी की पहचान होने पर इसका समुचित एवं प्रभावी उपचार संभव है।उन्होंने कहा कि टीबी एक उपचार योग्य बीमारी है। समय पर जांच, सही उपचार और नियमित रूप से दवा का सेवन करने से मरीज पूरी तरह स्वस्थ हो सकता है। इसलिए टीबी के लक्षणों को छिपाने अथवा बीमारी को लेकर किसी प्रकार की झिझक रखने के बजाय जांच एवं उपचार के लिए आगे आना आवश्यक है। उन्होंने जिलेवासियों से अपील किया है कि वे स्वयं जांच कराने के साथ-साथ अपने परिवार, आसपास के लोगों एवं समुदाय को भी टीबी की जांच और उपचार के प्रति जागरूक करें। जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा टीबी उन्मूलन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मरीजों की पहचान, जांच, उपचार, नियमित दवा वितरण, मरीजों की निगरानी तथा जन-जागरूकता पर विशेष जोर दिया जा रहा है। प्रशासन का उद्देश्य है कि जिले में टीबी के प्रत्येक संभावित मरीज की समय पर पहचान हो, उसे आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया जाए और उपचार की पूरी अवधि तक स्वास्थ्य विभाग की निगरानी एवं सहयोग सुनिश्चित किया जाए। जिला प्रशासन ने आमजन से अपील किया है कि टीबी के विरुद्ध लड़ाई को केवल सरकारी अभियान न मानकर इसे जन-अभियान बनाएं। प्रत्येक नागरिक की जागरूकता और सहयोग से ही जिले को टीबी मुक्त बनाने के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

आयोडीन युक्त नमक कई तरह से हमारी सेहत में देती है योगदान

मुजफ्फरपुर। आयोडीन युक्त नमक के सेवन का मतलब केवल सरकार द्वारा अनिवार्य आयोडीन की मात्रा अनुपालन भर नहीं है बल्कि यह एक आवश्यक पोषक तत्व का विश्वसनीय स्रोत है, जो हमारी रसोई में मौजूद रहता है। यह साधारण सी चीज हमारे खाने का स्वाद तो बढ़ाती ही है, साथ ही कई तरह से हमारी सेहत में भी योगदान देती है। नमक बहुत अधिक इस्तेमाल होने वाला उत्पाद है, इसलिए यह यूनिवर्सल सॉल्ट आयोडाइजेशन (यूएसआई) कार्यक्रम के जरिए आयोडीन मिलाने का सबसे आम माध्यम बन गया और यह आयोडीन की कमी से पैदा होने वाले विकारों (आईडीडी) को रोकने में मददगार रहा है। दशकों से, यह दुनिया भर में सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ी पहलों का मुख्य आधार रहा है, जो आयोडीन की कमी से पैदा होने वाले विकार (आईडीडी) और इसके खतरनाक नतीजों से निपटता है। भारत काफी हद तक आईडीडी की बाधा को पार करने में कामयाब रहा है। आईडीडी की कमी के सबसे खतरनाक नतीजे गर्भावस्था और बालपन में होते हैं, जिससे दिमाग और सोचने-समझने की क्षमता का विकास ठीक तरह नहीं हो पाता है। आयोडीन का उचित स्तर बनाए रखना जरूरी है क्योंकि आयोडीन की कमी से गर्भपात और हाइपोथायरायडिज्म हो सकता है। राष्ट्रीय दिशानिर्देश के अनुसार गर्भावस्था के दौरान आयोडीन का ज्यादा सेवन किया जाना चाहिए, जो जीवन के इस महत्वपूर्ण चरण में इसके महत्व को साफ तौर पर बताता है। इसलिए, यह समझना बेहद जरूरी है कि आयोडीन की हमारे दैनिक स्वास्थ्य में क्या भूमिका है, और इसके महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करना भी आवश्यक है। इंडिया आयोडीन सर्वेक्षण 2018-19 के अनुसार, लगभग 76.3% घरों में पर्याप्त मात्रा वाले आयोडीन युक्त नमक इस्तेमाल किया जाता है, जिसमें कम से कम 15 पीपीपीएम (पार्ट्स प्रति मिलियन) आयोडीन होता है। हालांकि, सर्वेक्षण में जागरूकता की कमी भी सामने आई, क्योंकि सिर्फ 22.4 प्रतिशत लोगों को ही आयोडीन युक्त नमक खाने के फायदों के बारे में सही जानकारी थी और 61.4 प्रतिशत लोग इस बात से वाकिफ थे कि उचित मात्रा में आयोडीन पोषण से घेंघा रोग नहीं होता है।

धरहरा के बंगलवा स्वास्थ्य केंद्र में ताला नहीं, पर इलाज ठप - डॉक्टर गायब, गार्ड दे रहा दिलासा

प्रात : किरण संवाददाता

धरहरा (मुंगेर)। जिला अंतर्गत धरहरा प्रखण्ड अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बंगलवा उप स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्था बुधवार को पूरी तरह भगवान भरोसे दिखी। दोपहर 12 बजे तक केंद्र पर न तो डॉक्टर पहुंचे थे और न ही जीएनएम। केंद्र पर सिर्फ गार्ड और डाटा एंट्री ऑपरेटर ही मौजूद मिले। इस दौरान इलाज के लिए पहुंचे मरीज और उनके परिजन घंटों डॉक्टर के इंतजार में बैठे रहे, लेकिन उन्हें निराशा ही हाथ लगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार उप स्वास्थ्य केंद्र बंगलवा में बुधवार को डॉक्टर धीरज कुमार राहुल, एवं जीएनएम निरुपा रंजन की ड्यूटी लगाई गई थी। लेकिन दोपहर 12 बजे तक दोनों में से कोई भी अपने कर्तव्य स्थल पर नहीं पहुंचा था। वहीं दूसरी एएनएम ममता कुमारी और सरस्वती कुमारी फील्ड में टीकाकरण कार्य के लिए आंगनबाड़ी केंद्र पर गई हुई थीं। इस कारण स्वास्थ्य केंद्र पर ताला तो नहीं लगा था, लेकिन डॉक्टर के अभाव में स्वास्थ्य सेवाएं ठप पड़ी रहीं। मौके पर मौजूद गार्ड और डाटा एंट्री ऑपरेटर मरीजों को सिर्फ आश्वासन देते नजर आए। केंद्र पर सुबह से इंतजार कर रहे मरीजों में खोपावर गांव निवासी ममता देवी पति गणेश कोर, खोपा गांव की भतनी देवी पति केशव कोर, मक्कू पासवान पिता स्वर्गीय डुबान पासवान सहित दर्जनों मरीज शामिल थे। मरीजों का कहना था कि वे सुबह 9 बजे से ही केंद्र पर आए हुए हैं, लेकिन डॉक्टर नहीं होने से उन्हें बिना इलाज के ही लौटना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि उप स्वास्थ

संक्षिप्त समाचार

पंजाब में चार युवाओं को मिली सरकारी नौकरी, कैबिनेट मंत्री गुरमीत खुड्डियां ने सौंपे नियुक्ति पत्र

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब के पशुपालन, डेयरी विकास एवं मत्स्य पालन मंत्री गुरमीत सिंह

खुड्डियां ने मंगलवार को पंजाब सिविल सचिवालय में विभाग के चार नवनियुक्त कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र सौंपे। इनमें तीन क्लर्क और एक ग्रुप-डी कर्मचारी शामिल हैं। मंत्री खुड्डियां ने नवनियुक्त कर्मचारियों को लगन, ईमानदारी और सेवा भावना के साथ अपनी जिम्मेदारियां निभाने के लिए प्रेरित किया। खुड्डियां ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने सत्ता संभालने के बाद से विभिन्न सरकारी विभागों में 69,000 से अधिक नौकरियां प्रदान की हैं। इस अवसर पर पशुपालन विभाग के निदेशक परमदीप सिंह वालिया सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। वहीं, इससे पहले पंजाब के होनहार कबड्डी खिलाड़ी गुरजीत सिंह तूत के निधन से परिवार को हुए दुख में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने उनके परिवार से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की थी। मुख्यमंत्री ने गुरजीत सिंह तूत के परिवार के साथ दुख साझा करते हुए कहा कि उनके असमय निधन से पैदा हुई कमी को शब्दों में बयां करना बेहद मुश्किल है। मुख्यमंत्री ने गुरजीत सिंह तूत की पत्नी को सरकारी नौकरी देने का भी एलान किया था। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार परिवार के साथ खड़ी है और हर संभव सहयोग किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने गुरजीत तूत की खेल प्रतिभा और पंजाब के लिए उनके योगदान को याद करते हुए कहा कि उनका नाम और योगदान लोगों के दिलों में हमेशा जिंदा रहेगा।

व्यापमं परीक्षा में फर्जी निर्देश पत्र की जांच में वसूली का मामला, ट्रेनी एसआई निलंबित

रायपुर, एजेंसी। व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापमं) द्वारा आयोजित सहायक शिक्षक और व्याख्याता भर्ती परीक्षा-2026 से जुड़े फर्जी

निर्देश पत्र की जांच के दौरान अवैध वसूली के आरोप में ट्रेनी सब-इंस्पेक्टर (एसआई) महेश कुमार ओगरे को निलंबित कर दिया गया है। यह मामला नवा रायपुर के राखी थाने में दर्ज किया गया है। जांच के दौरान एक व्यक्ति से कथित तौर पर एक लाख रुपये मांगने और 80 हजार रुपये लेने की शिकायत मिली थी। जानकारी के अनुसार, व्यापमं परीक्षा संबंधित फर्जी निर्देश पत्र एक कोचिंग संचालक के वाट्सएप ग्रुप के माध्यम से प्रसारित हुआ था। पुलिस ने ग्रुप से जुड़े लोगों से पूछताछ शुरू की। आरोप है कि संबंधित व्यक्ति को थाने बुलाकर मामले को रफा-दफा करने के नाम पर एक लाख रुपये की मांग की गई और बाद में 80 हजार रुपये ले लिए गए। जब संबंधित व्यक्ति को पता चला कि उसकी इस मामले में कोई भूमिका नहीं है, तो उसने पुलिस के उच्च अधिकारियों से शिकायत की। जांच में पाया गया कि ट्रेनी एसआइ ने पुलिस विभाग की निष्पक्ष कार्यप्रणाली का उल्लंघन किया और पद का अनुचित उपयोग किया। इस मामले में महेश कुमार ओगरे को निलंबित कर दिया गया है। फर्जी व्यापमं निर्देश को इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित करने के मामले में पुलिस की जांच आठ माह से जारी है।

अब आधिकारिक तौर पर केरल हो गया केरलम, केंद्र सरकार ने जारी की अधिसूचना

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने केरल के नए नाम के तौर पर केरलम को अधिसूचित किया है और यह बदलाव मंगलवार से लागू हो गया है। मंगलवार को जारी एक गजट नोटिफिकेशन में गृह मंत्रालय ने कहा, केरल (नाम परिवर्तन) अधिनियम, 2026 की धारा 1 की उप-धारा (2) के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए केंद्र सरकार 25 अगस्त, 2026 को वह तारीख तय करती है जब उक्त अधिनियम के प्रावधान लागू होंगे। न्यूज एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, इस महीने की शुरुआत में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने केरल का नाम बदलकर केरलम करने वाले बिल को मंजूरी दे दी थी जिसके बाद यह कानून बन गया। लोकसभा ने 11 अगस्त को केरल (नाम परिवर्तन) बिल पास किया था और उसके बाद राज्यसभा ने 12 अगस्त को इसे मंजूरी दी। राज्यसभा में गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय

ने कहा कि केरल विधानसभा ने 2024 में एक प्रस्ताव पास किया था जिसमें केंद्र से राज्य का नाम बदलकर केरलम करने के लिए कानून लाने का आग्रह किया गया था। उन्होंने कहा, बिल में यह प्रावधान है कि केरल राज्य को केरलम राज्य के नाम से जाना जाएगा और इसलिए केरल का नाम बदलकर केरलम करने का प्रस्ताव है।

विधानसभा ने सर्वसम्मति से पास किया था प्रस्ताव

केरल सरकार ने प्रस्तावित नाम परिवर्तन पर राज्य विधानसभा का प्रस्ताव जून 2024 में केंद्र को भेजा था। इसके बाद राष्ट्रपति मुर्मू ने बिल को राज्य विधानसभा के पास उसकी राय जानने के लिए भेजा, जिसके बाद विधानसभा ने सर्वसम्मति से बिल से सहमत होते हुए एक प्रस्ताव पास किया।

हैदराबाद से विजयवाड़ा जा रही बस की ट्रक से टक्कर, 6 की मौत; 43 लोग थे सवार

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना के सूर्यापेट जिले में आज सुबह करीब 5 बजकर 20 मिनट पर एक बड़ा हादसा हो गया। एक प्राइवेट ट्रैवल बस की ट्रक से टक्कर हो गई। इस हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई है। यह बस हैदराबाद से विजयवाड़ा जा रही थी। बस में 43 यात्री सवार थे। इस हादसे में कई लोग घायल भी हुए हैं, उन्हें स्थानीय अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। समाचार एजेंसी एएनआइ को सूर्यापेट पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, एक प्राइवेट ट्रैवल बस हैदराबाद से विजयवाड़ा जा रही थी। बस में 43 यात्री सवार थे, लेकिन अचानक ही दुर्गापुरम स्टेज के पास बस की ट्रक हो गई। इस हादसे में अब तक 6 लोगों की मौत की खबर सामने आई है। वहीं घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूर्यापेट पुलिस ने बताया, हमने मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए मुर्दाघर भेज दिया है और मामले की जांच कर रहे हैं। इस हादसे की जानकारी सामने आते ही तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सूर्यापेट जिले में हुई सड़क दुर्घटना पर दुख जताया है। तेलंगाना ष्टस्ह्र ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए लिखा, कोडद मंडल के द्वारकुंटा के पास एक प्राइवेट बस और कंटेनर की टक्कर हो गई। मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव को घायलों के बेहतर इलाज के लिए जरूरी कदम उठाने का निर्देश दिया है।

अहमदाबाद-मुंबई बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट में देरी के चलते दोगुना हुआ बजट

अहमदाबाद, एजेंसी। अहमदाबाद-मुंबई बुलेट ट्रेन की शुरुआत अब कुछ ही महीनों में होने वाली है। इस प्रोजेक्ट के 2030 में पूरा होने की उम्मीद है, लेकिन कॉरिडोर के पहले हिस्से को अगस्त 2027 में चालू करने की योजना है। अहमदाबाद-मुंबई बुलेट ट्रेन की शुरुआती लागत का अनुमान 1.1 लाख करोड़ रुपये लगाया गया था। वहीं अब इसे संशोधित करके करीब 2.1 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, 508 किलोमीटर लंबी हाई-स्पीड रेल लाइन की संशोधित लागत को मंजूरी दिलाने का प्रस्ताव मंगलवार, 25 अगस्त को कैबिनेट के सामने रखा गया था। हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक के फैसलों पर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं आई है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, रेल मंत्रालय ने इस लागत के बढ़ने का मुख्य कारण महाराष्ट्र में जमीन अधिग्रहण में लगा समय और जापान से ट्रेन सेट मिलने में हुई देरी बताई है। देखा जाए तो अहमदाबाद-मुंबई बुलेट ट्रेन की अनुमानित लागत करीब दोगुनी हो गई है। 1.1 लाख करोड़ रुपये से 2.1 लाख करोड़ रुपये हो जाने से रेल मंत्रालय को अतिरिक्त फंड की जरूरत है। सूत्रों के मुताबिक, यह अतिरिक्त फंड

बजट से दिया जा सकता है। इस प्रोजेक्ट के लिए अब तक 1.1 लाख करोड़ रुपये की फंडिंग जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी और बजट आवंटन से हुई है। उन्होंने कहा कि रेलवे ने बताया है कि हाई-स्पीड ट्रेनें भारत में बनाई जाएंगी और हर ट्रेन की लागत लगभग 390 करोड़ रुपये से 400 करोड़ रुपये होगी। जनवरी में, रेलवे बोर्ड के चेयरमैन सतीश कुमार ने कहा था कि प्रोजेक्ट की लागत लगभग 83 प्रतिशत बढ़कर 1.98 लाख करोड़ रुपये हो गई है। जमीन अधिग्रहण में देरी, जरूरी मंजूरियां मिलने में देरी और ट्रेनों को अंतिम रूप देने में देरी समेत कई कारणों से इस प्रोजेक्ट में समय और लागत दोनों बढ़े हैं।

उत्तराखंड की नई सहकारी नीति को कैबिनेट की हरी झंडी, गांवों और युवाओं के लिए बेहद खास

देहरादून, एजेंसी। राष्ट्रीय सहकारी नीति के अनुरूप उत्तराखंड की नई सहकारी नीति को कैबिनेट ने हरी झंडी दे दी है। सहकार से समृद्धि के दृष्टिगत नीति में सहकारिता आधारित ग्रामीण विकास, उद्यमिता, रोजगार सृजन व आर्थिक आत्मनिर्भरता को मजबूत बनाने पर जोर दिया गया है। वर्ष 2036 तक तीन चरणों में लागू होने वाली यह नीति सात रणनीतिक स्तंभों पर केंद्रित है। इनमें सहकारिता की बुनियाद को मजबूती, संस्थाओं की जीवंतता, भविष्य के लिए तैयारी, समावेशिता, नए क्षेत्रों में विस्तार, युवाओं को जोड़ना, आर्थिक व्यवहार्यता और विविधीकरण शामिल हैं।

नीति के तहत पेक्स को बहुद्देशीय ग्रामीण आर्थिक केंद्र बनाया जाएगा। इनके माध्यम से कृषि, उद्यान, डेयरी, बागवानी, मत्स्य, भंडारण, कोल्ड-चेन, प्राथमिक प्रसंस्करण, कृषि यंत्र किराया, बीमा, पेंशन और डिजिटल बैंकिंग जैसी सेवाएं सहकारी नेटवर्क से जोड़ी जाएंगी। साथ ही हिमालयी उत्पादों के प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और विपणन के लिए क्लस्टर माडल को बढ़ावा मिलेगा। महिलाओं और युवाओं की भागीदारी बढ़ाने को महिला सहकारी समितियों, सहकारी स्टार्टअप, इंटर्नशिप, कौशल विकास और उद्यमिता को प्रोत्साहन पर जोर दिया गया है। पर्यटन, होमस्टे, ईको टूरिज्म, आयुष, सौर ऊर्जा, जैविक खेती, कार्बन क्रेडिट, वन उत्पाद, स्वास्थ्य, ड्रोन, एआई, हस्तशिल्प और परिवहन में भी सहकारी माडल विकसित होंगे।

सहकार टैक्सी को बढ़ावा दिया जाएगा। पलायन रोकथाम को वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम को सहकारिता से जोड़ा जाएगा। हब एंड स्पोक माडल से दुर्गम क्षेत्रों में सेवाओं की पहुंच बढ़ेगी। साथ ही कागजरहित कार्यप्रणाली, रियल-टाइम लेखांकन, डिजिटल बैंकिंग, क्लाउड सीबीएस और डिजिटल डैशबोर्ड आधारित निगरानी को बढ़ावा मिलेगा। सहकारिता मंत्री डा. धन सिंह रावत ने कहा कि उत्तराखंड अपने विशिष्ट हिमालयी सहकारिता माडल की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उत्तराखंड बीज एवं तराई विकास निगम लि. (टीडीसी) में कार्यरत तृतीय श्रेणी के 22 व चतुर्थ श्रेणी के 63 कार्मिकों को नैनीताल व ऊधम सिंह नगर जिलों में अन्य विभागों में सेवा स्थानांतरण के आधार पर भेजा जा सकेगा। कैबिनेट ने कृषि विभाग के इस प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी है। इससे टीडीसी को प्रतिवर्ष हो रहे घाटे को रोकने में मदद मिलेगी। असल में टीडीसी में इन कार्मिकों की उपयोगिता सीजनल होती है। अन्य विभागों में इन्हें अधिकतम 10 वर्ष अथवा सेवानिवृत्ति से तीन माह पहले तक के लिए भेजा जाएगा। इस अवधि में संबंधित विभाग ही उनका वेतन देंगे, लेकिन सेवानिवृत्ति लाभ टीडीसी ही देगा। कोटद्वार, चंपावत, टनकपुर, किच्छा, पिथौरागढ़, रुद्रपुर, काशीपुर, सितारगंज नगर निकायों में एडीबी, ईआईबी से वित्त पोषित पेयजल व सीवेज और ऋषिकेश में जर्मन बैंक केएफडब्लू से वित्त पोषित सड़क, सीवेज, स्ट्रीट लाइट, सार्वजनिक परिवहन, पेयजल, घाटों का सुंदरीकरण जैसे कार्यों में अब तेजी आएगी। कैबिनेट ने इनके सुचारू संचालन के लिए उत्तराखंड अर्बन सेक्टर डेवपलमेंट एजेंसी (यूयूएसडीए) में 94 स्थायी (निस्संवर्गीय) पदों के सृजन को मंजूरी दी है।

स्टार्टअप से यूनिकॉर्न तकः टोक्यो में पीयूष गोयल ने गिनाई भारत की कामयाबी, बोले- युवा अब नौकरी ले नहीं, दे रहे

मास्को एजेंसी। जापान के टोक्यो में स्टार्टअप्स के साथ एक राउंडटेबल बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा है। उन्होंने कहा कि 'स्टार्टअप इंडिया' पहल को शुरू हुए अब 10 साल हो चुके हैं और इस दौरान देश में स्टार्टअप्स की संख्या में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। दस साल पहले जहां इनकी संख्या महज 400-500 के आसपास थी, वहीं आज यह आंकड़ा करीब 2,50,000 तक पहुंच गया है। भारत में 130 से अधिक यूनिकॉर्न हैं और करीब आधे नए स्टार्टअप छोटे शहरों से सामने आ रहे हैं। गोयल ने भारत से जापान पहुंचे 200 से अधिक कारोबारियों के प्रतिनिधिमंडल को भी दोनों देशों के कारोबारी रिश्तों के लिए अहम बताया।

गोयल ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा इसके साथ ही युवाओं की सोच में भी बड़ा बदलाव आया है। आज भारत का युवा सिर्फ नौकरी तलाशने वाला नहीं, बल्कि नौकरी देने वाला बन रहा है। वह इनोवेटर है, विचारक है और नए विचारों के साथ आगे बढ़ रहा है। वह असफलता से घबराने के बजाय उसे सफलता की सीढ़ी बनाने के लिए तैयार है। वह असफल होने के बाद फिर उठकर बेहतर अवसर की तलाश करने का हौसला रखता है और जोखिम लेने से भी पीछे नहीं हटता। युवा अच्छे करियर और मोटी सैलरी का जोखिम उठाकर अपना उद्यम शुरू करने के लिए तैयार हैं और इनमें से कई कामयाबी की नई मिसाल बनकर उभरे हैं। गोयल ने कहा कि भारत में 130 से अधिक यूनिकॉर्न और कई सौ 'सूनिकॉर्न' हैं। ये युवा अपनी उपलब्धियों के साथ-साथ अलग तरीके से सोचने और नए रास्ते तलाशने की क्षमता से भी देश को गौरवान्वित कर रहे हैं। पीयूष गोयल ने कहा कि दुनिया तेजी से बदल रही है और आज उद्यमिता केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं रह गई है। उन्होंने कहा कि भारत में शुरू होने वाले नए स्टार्टअप्स में करीब आधे छोटे शहरों से आ रहे हैं। यह बदलाव देश के बदलते कारोबारी माहौल और युवाओं में बढ़ती उद्यमशीलता को दर्शाता है। गोयल ने कहा कि छोटे शहरों से आने वाले इन उद्यमियों पर भारत को गर्व है।गोयल ने भारत और जापान के बीच स्टार्टअप्स के लिए लोकप्रिय कार्यक्रम 'शार्क टैंक' की तर्ज पर एक विशेष प्रस्तुति श्रृंखला शुरू करने का प्रस्ताव रखा। इसका उद्देश्य दोनों देशों के युवा स्टार्टअप्स को निवेशकों और संभावित कारोबारी साझेदारों से जोड़ना है। टोक्यो में स्टार्टअप्स को लेकर आयोजित एक गोलमेज बैठक में गोयल ने कहा कि डिजिटल संपर्क का लाभ उठाते हुए इन प्रस्तुतियों का आयोजन ऑनलाइन भी किया जा सकता है, जिससे भारतीय और जापानी स्टार्टअप्स के बीच बातचीत और सहयोग के नए रास्ते खुलेंगे। पीयूष गोयल ने कहा, भारत और जापान मिलकर 'शार्क टैंक' जैसी एक प्रस्तुति श्रृंखला विकसित कर सकते हैं, जिससे युवा स्टार्टअप्स को अपने विचार पेश करने का मौका मिलेगा।भारतीय स्टार्टअप्स जापानी निवेशकों के सामने अपने विचार और कारोबारी योजनाएं रख सकते हैं, जबकि जापानी स्टार्टअप्स भारत में अपने लिए साझेदार और कारोबारी अवसर तलाश सकते हैं। गोयल ने कहा कि आज इंटरनेट और वीडियो बैठक जैसे माध्यमों के जरिए दुनिया पहले से कहीं अधिक जुड़ी हुई है। ऐसे में भारत और जापान के स्टार्टअप्स के बीच लगातार प्रस्तुति सत्र आयोजित किए जा सकते हैं। इंटरनेट और वीडियो बैठकों के जरिए दुनिया के इस वैश्विक जुड़ाव के दौर में हम अधिक से अधिक प्रस्तुति सत्र आयोजित कर सकते हैं, जहां भारतीय स्टार्टअप्स जापानी निवेश के लिए अपने विचार पेश करें और जापानी स्टार्टअप्स भारत में साझेदार तलाशें।

मैडिसन स्क्वायर गार्डन में संबोधन; मोहन भागवत के तीन देशों के दौरे पर टिकी नजरें

अल्बानी, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत मंगलवार को न्यूयॉर्क पहुंचे। यह उनके तीन देशों अमेरिका, कनाडा और यूनाइटेड किंगडम के ग्लोबल आउटरीच दौरे का पहला चरण है। संघ के शताब्दी वर्ष समारोह के तहत स्थानीय संगठनों के निमंत्रण पर हो रहे इस दौरे के दौरान भागवत भारतीय समुदाय के लोगों के साथ-साथ स्थानीय संगठनों के प्रतिनिधियों से भी संवाद करेंगे। न्यूयॉर्क पहुंचने पर उनका पारंपरिक तरीके से तिलक लगाकर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। 'सार्वभौमिक एकता समारोह' को संबोधित करेंगे। यह एक बड़े और विविध समुदाय की भागीदारी वाला कार्यक्रम होगा, जिसका आयोजन 'अमेरिकन हिंदूज़ फॉर एंगेजमेंट एंड डायलॉग' फोरम की ओर से किया जा रहा है। भागवत के इस संबोधन को लेकर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी दिलचस्पी देखी जा रही है। यह आयोजन एकता, नागरिक कर्तव्य और वैश्विक सद्भाव जैसे आधुनिक विचारों के साथ हिंदू त्योहार रक्षाबंधन की पारंपरिक भावना को जोड़ते हुए मनाया जाएगा।आयोजकों के मुताबिक, कार्यक्रम में दिन की थीम के अनुरूप विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी आयोजित की जाएंगी। इसके अलावा अलग-अलग धर्मों के प्रमुख वक्ता भी समारोह में शामिल होंगे और एकता तथा वैश्विक सद्भाव का संदेश देंगे। इससे पहले के प्रचार प्रमुख सुनील अंबेडकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए बताया था कि मोहन भागवत 25 अगस्त 2026 से अमेरिका, कनाडा और यूनाइटेड किंगडम के दौरे पर रहेंगे। यह यात्रा इन देशों में सक्रिय स्थानीय संघ इकाइयों और विभिन्न संगठनों के निमंत्रण पर आयोजित की जा रही है। उन्होंने पोस्ट में लिखा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत 25 अगस्त 2026 से अमेरिका, कनाडा और यूनाइटेड किंगडम का दौरा करेंगे। यह दौरा वहां के स्थानीय संघों और संगठनों के निमंत्रण पर हो रहा है। यह यात्रा के चल रहे शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित की जा रही है। भागवत के अमेरिका पहुंचने से पहले को लेकर अमेरिकी संस्था 'यूनाइटेड स्टेट्स कमीशन ऑन इंटरनेशनल रिलीजियस फ्रीडम' की हालिया टिप्पणियों पर भारत के विदेश मंत्रालय ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। मंत्रालय ने पक्षपाती संस्था बताते हुए उसकी विश्वसनीयता पर सवाल उठाया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को मीडिया ब्रीफिंग के दौरान कहा कि ने पिछले कई वर्षों में भारत के बारे में बार-बार गलत और भड़काऊ बयान दिए हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी संस्थाओं के बयानों को नजरअंदाज किया जाना चाहिए, क्योंकि उनके अपने एजेंडे होते हैं और उनकी कोई विश्वसनीयता नहीं है। जायसवाल ने कहा, हम सभी जानते हैं कि यह एक पक्षपाती संस्था है।

रूस में गैस प्लांट में भीषण आग लगने से 6 चीनी नागरिकों समेत 7 लोगों की मौत

मॉस्क, एजेंसी। रूस के सुदूर पूर्वी अमूर इलाके में एक गैस केमिकल कॉम्प्लेक्स में भयानक आग लग गई। इस हादसे में छह चीनी नागरिकों समेत सात लोगों की मौत हो गई है। वहीं नौ लोग लापता हैं।

प्लांट ने बुधवार को टेलीग्राम पर जानकारी दी कि अमूर गैस केमिकल कॉम्प्लेक्स में मंगलवार को आग लगी थी, जिसे बुझा दिया गया है।

रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, प्लांट ने बताया कि कुल 7 लोगों की मौत हुई और 152 लोग घायल हुए हैं, जिनका इलाज जारी है। इनमें से 36 लोगों को अस्पताल ले जाया गया।

रूस की इन्वेस्टिगेटिव कमेटी ने इस घटना की जांच शुरू कर दी है। इस घटना को इंडस्ट्रियल सेफ्टी नियमों के उल्लंघन के तौर पर देखा जा रहा है। जांच समिति आग लगने के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

रूस के इस गैस प्लांट के निर्माण कार्य में विदेशी कर्मचारियों की मदद ली गई थी, जिनमें चीन के कई नागरिक शामिल थे। ऐसा देखा जाता है कि रूस हमेशा ही बड़े इंडस्ट्रियल और इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के लिए विदेशी कर्मचारियों को ही काम पर रखता है।

अमूर गैस केमिकल कॉम्प्लेक्स पॉलीइथिलीन और पॉलीप्रोपाइलीन बनाने वाली दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों में से एक माना जाता है। इस प्लांट से हर साल करीब 23 लाख मीट्रिक टन पॉलीइथिलीन और 4 लाख टन पॉलीप्रोपाइलीन का उत्पादन होता है।

यह प्रोजेक्ट रूस के सुदूर पूर्वी अमूर इलाके में सिबुर और सिनोपेक के सहयोग से विकसित किया जा

रहा है। रूस की जांच समिति के आने के बाद ही गैस प्लांट में आग लगने के कारणों का पता चल पाएगा।

टेक्सास के जंगल में भयंकर आग ने मचाई तबाही, चंद घंटों में राख हुआ 200 वर्ग किमी इलाकाः टेक्सास , एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास में जंगल की एक आग कुछ ही घंटों में तेजी से फैल गई और उसने ग्रामीण इलाकों में बड़े भूभाग को अपनी चपेट में ले लिया। आग से एक यूथ कैंप में कई ढांचे जल गए जबकि लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए निकासी अभियान चलाना पड़ा और मंगलवार को स्कूल भी बंद कर दिए गए।

सोमवार दोपहर शुरू हुई इस आग ने एक दिन से भी कम समय में उत्तर-मध्य टेक्सास के दो काउंटी में 200 वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया। तेज हवाओं और बेहद गर्म एवं शुष्क मौसम के कारण रॉस इलाके में लगी आग तेजी से फैलती गई। ग्राफोर्ड के बाहर एक परिवार के डोंगी किराये पर देने संबंधी कारोबार का कार्यालय और मरम्मत केंद्र आग में जल गया। कार्यालय की प्रमुख कैटी रोशेल ने कहा, यह बहुत तेजी से फैल गई। हवा बवंडर की तरह थी। स्थानीय दमकलकर्मी उनके पति ने रातभर प्रयास कर उनके घर को आग से बचाने में मदद की, लेकिन रोशेल को अब भी डर है कि उनका घर कभी भी आग की चपेट में आ सकता है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि हमारा घर कैसे बच गया।

अब हम इंतजार कर रहे हैं और प्रार्थना कर रहे हैं कि आग हमारे घर तक न पहुंचे। हम बस इतना ही कर सकते हैं। तत्काल यह पता नहीं चल सका कि आग से कितने ढांचे जले हैं। आग के दक्षिणी छोर पर स्थित वर्थ रैंच नामक यूथ कैंप की कई इमारतें मंगलवार को आग की लपटों की चपेट में आकर नष्ट हो गईं।

हालांकि, उस समय शिविर में कोई भी व्यक्ति मौजूद नहीं था और सभी कर्मचारियों को सुरक्षित निकाल लिया गया था। इस शिविर का स्वामित्व स्काउटिंग अमेरिका की लॉन्गहॉर्न काउंसिल के पास है। पैलो पिंटो काउंटी के आपात सेवा अधिकारियों ने कहा कि आग बेहद खतरनाक परिस्थितियों के कारण किसी की कल्पना से भी कहीं अधिक तेजी से फैली। दमकल प्रमुख डैनी वाटकिंस ने कहा, हमने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है लेकिन फिर भी आग पर हमारा असर बहुत कम हो रहा है। मंगलवार शाम तक केवल आठ प्रतिशत आग पर काबू पाया जा सका था। अमेरिका के दक्षिणी और पश्चिमी हिस्सों में बेहद शुष्क मौसम के बीच पिछले कुछ दिनों में कई जगह जंगलों में आग लगी है। राष्ट्रीय अंतर-एजेंसी अग्निशमन केंद्र के अनुसार अकेले रविवार को 12 नई बड़ी आग की घटनाएं सामने आईं।

यूक्रेन के स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रपति ने दी बधाई, जेलेंस्की हुए खुश

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के 35वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने यूक्रेन लोगों को बधाई संदेश भेजा। इस संदेश के जवाब में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर राष्ट्रपति मुर्मू और भारत का आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा, 'भारत की राष्ट्रपति से यूक्रेन के लोगों के लिए बधाई संदेश मिला। मुझे बहुत खुशी हुई। शांति की शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। रूस के युद्ध का सम्मानजनक अंत लाखों यूक्रेनवासियों का सबसे प्रिय सपना है, क्योंकि हम अपनी स्वतंत्रता की बहाली की 35वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। यह अहम है कि पूरा विश्व मिलकर इस दिशा में रास्ता बनाने में मदद करे। मैं भारत के साथ पारस्परिक रूप से लाभकारी संवाद को आगे बढ़ाने के लिए यूक्रेन की प्रतिबद्धता की भी पुष्टि करता हूं। अभी रूस यूक्रेन युद्ध को लेकर क्या हालात रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध में शनिवार को फिर बड़े हमले हुए। यूक्रेन में रूसी ड्रोन और मिसाइल हमलों में कम से कम सात लोगों की मौत हुई, जबकि रूस के क्रास्नोडार क्षेत्र में यूक्रेनी ड्रोन हमले में तीन लोगों की जान चली गई। ये हमले एक दिन बाद हुए हैं, जब रूस के ड्रोन हमले में यूक्रेन के एक शॉपिंग सेंटर में कम से कम 16 लोगों की मौत हुई थी।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद राय Mob.: 9212228045, 8130691216,
(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/ 49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9971557129, 9334542496